अब हर रोज दर्पण ⏩ 3

जबलपुर रविवार 23 अगस्त 2026 > शक संवत 1948, श्रावण शुक्ल पक्ष एकादशी

वर्ष 32 अंक 56 मूल्य ₹ 3.00 > पेज 12 > आर.एन.आई. पंजीयन नम्बर 64561/96

www.swatantramat.com

स्वतंत्र मत

स्वतंत्र मत में विज्ञापन देने के लिए 9589920250 पर कॉल करें * स्वतंत्र मत का अंक प्राप्त करने के लिए 9301359695 पर कॉल करें।

मौसम

अधिकतम तापमान 26.3°C

न्यूनतम तापमान 23.2°C

सूर्योदय - 5.50 | सूर्यास्त - 6.36

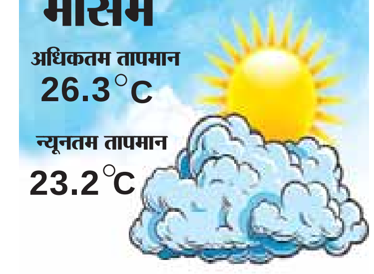

कलेक्टर ने माँ बिरासिनी माता के दर्शन कर ... ⏩ 4

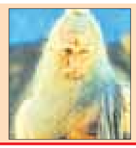

महाकाली में शुक्राचार्य की भूमिका में नजर .. ⏩ 7

जन विश्वास शिविर में मिल रहे कई लाभ ... ⏩ 8

16.20 करोड़ में बिका बापू के 688 हस्तलिखित विचारों का संग्रह

पत्र-पांडुलिपियों की नीलामी पर भड़का संग्रहालय

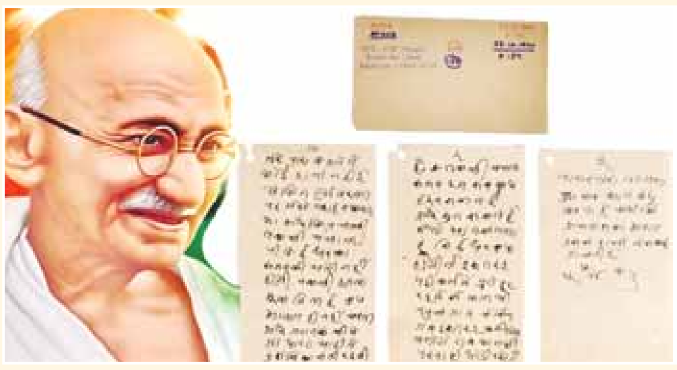

नई दिल्ली

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी से जुड़े पत्र, हस्तलिखित पांडुलिपियां और निजी वस्तुओं की हालिया नीलामी पर राष्ट्रीय गांधी संग्रहालय ने शनिवार को चिंता जताई है। संग्रहालय के निदेशक ए. अन्नामलाई ने कहा कि गांधी से जुड़ी ऐसी चीजें केवल किसी व्यक्ति की निजी संपत्ति नहीं, बल्कि भारत की साझा विरासत का हिस्सा हैं। उन्होंने इन्हें नीलाम करने के बजाय संग्रहालय को सौंपने की अपील की। 19 अगस्त को सफरनआर्ट की नीलामी में गांधी से जुड़ी कुल 86 वस्तुएं पेश की गईं। इनमें पत्र, पांडुलिपियां, तस्वीरें और गांधी के इस्तेमाल की गई निजी वस्तुएं शामिल थीं। इनमें गांधी के करीब 688 हस्तलिखित विचारों का संग्रह भी था, जिसे उन्होंने अपने करीबी सहयोगी और स्वतंत्रता सेनानी आनंद टी. हिंगोरानी के लिए करीब दो वर्षों की अवधि में लिखा था। 'आज का एक विचार' नाम की इस पांडुलिपि को 16.20 करोड़ रुपये में बेचा गया। यह किसी भारतीय ऐतिहासिक दस्तावेज के नीलामी में बिकने की विश्व रिकॉर्ड कीमत बताई गई है। राष्ट्रीय गांधी संग्रहालय के निदेशक ए. अन्नामलाई ने शनिवार को जारी बयान में नीलामी को लेकर इसे बेहद दुखद और पीड़ादायक बताया। उन्होंने कहा कि गांधी के कई पत्र किताबों में पहले ही प्रकाशित हो चुके हैं, लेकिन मूल पत्रों और उनके हाथ से लिखी पांडुलिपियों को सुरक्षित रखना ऐतिहासिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि आज इन वस्तुओं के कई मालिक गांधी के समय के मूल मालिकों की तीसरी या चौथी पीढ़ी से हैं। ऐसे में संभव है कि वे इन सामग्रियों के ऐतिहासिक महत्व और उनके संरक्षण के सही तरीके को पूरी तरह न समझते हों।

नीलामी में कौन-कौन सी चीजें शामिल थीं?

'गांधी: आनंद टी हिंगोरानी के संग्रह से' नाम की इस नीलामी में गांधी से जुड़े 86 लॉट शामिल थे। इनमें पत्र, पांडुलिपियां, तस्वीरें और निजी वस्तुएं थीं। नीलामी में गांधी के ईश्वर और भगवद्गीता पर विचारों से संबंधित तीन पांडुलिपियों और पत्राचार का सेट 'ईश्वर पर संदेश' 1.68 करोड़ रुपये में बिका। गांधी का 'पेटी चरखा' यानी बॉक्स स्पिनिंग व्हील नीलामी में शामिल था। कताई की आध्यात्मिक साधना पर लिखे दो पत्र थे। इसकी अनुमानित कीमत 50 से 70 लाख रुपये थी, लेकिन यह 1.02 करोड़ रुपये में बिका। इसके अलावा गांधी की हस्ताक्षरित वह तस्वीर, जिसमें वे लिखते हुए नजर आ रहे हैं, 78 लाख रुपये में बिकी। आर्थिक स्वतंत्रता से जुड़े गांधी के पत्र, टेलीग्राम और पोस्टकार्ड का एक सेट 57.60 लाख रुपये में नीलाम हुआ।

688 हस्तलिखित टिप्पणियों में क्या था?

'आज का एक विचार' संग्रह में गांधी ने सत्य, अहिंसा, ब्रह्मचर्य, अपरिग्रह, निर्भयता, धार्मिक समानता, अस्पृश्यता उन्मूलन, प्रार्थना, रामनाम, सेवा, श्रम, भूख, कर्तव्य और स्वराज जैसे विषयों पर अपने विचार लिखे थे। इनमें नैतिक जिम्मेदारी, मौन, अंतरात्मा, अनासक्ति, आत्मबोध और ईश्वर की खोज जैसे विषय भी शामिल थे।

यह संग्रह हिंगोरानी परिवार ने पीढ़ियों से संभालकर रखा था। नीलामी घर के अनुसार, खरीदार की पहचान उजागर नहीं की गई है। हालांकि, बताया गया कि खरीदार भारत का ही है और यह ऐतिहासिक पांडुलिपि देश में ही रहेगी। अन्नामलाई ने कहा कि गांधी के पत्र, पांडुलिपियां और निजी सामान केवल निजी संपत्ति नहीं हैं। ये भारत की साझा विरासत और देश के इतिहास का हिस्सा हैं।

मुख्यमंत्री ने नई दिल्ली में निवेशकों को बताई 'देश के दिल' की खूबियां

भोपाल (स्वतंत्र मत)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि देश के साथ-साथ मध्यप्रदेश भी बदल रहा है। हमारा मध्यप्रदेश आज देश में सबसे तेज गति से प्रगति करने वाला प्रदेश बन गया है। कभी मध्यप्रदेश पर बीमारू प्रदेश होने का टैग लगा दिया गया था। हमने इस टैग को पूरी तरह हटा दिया है। उन्होंने कहा कि चुनौतियां तो थीं, पर हमने उन चुनौतियों को पहचान कर तरक्की के अवसरों में बदल दिया। आज मध्यप्रदेश में हर क्षेत्र में विकास हो रहा है। कृषि के मामले में तो हम पहले से आगे थे ही, अब औद्योगिक प्रगति में भी हम तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि पिछले साल हमने भोपाल में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट कराई। इसके अलावा प्रदेश के हर अंचल में रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव सफलतापूर्वक सम्पन्न कराकर निवेशकों का दिल जीता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह देश का अमृतकाल चल रहा है। हम सब राज्य मिलकर देश की प्रगति के लिए आगे आ रहे हैं। राष्ट्रीय नदी जोड़ो अभियान हो या सिंचाई की परियोजनाएं, हम अपने पड़ोसी राज्यों से मिलकर हर चुनौती, हर समस्या का सकारात्मक समाधान निकाल रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को नई दिल्ली में आयोजित 'दि इकॉनामिक टाईम्स वर्ल्ड लीडर्स फोरम - 2026' में मध्यप्रदेश सत्र को संबोधित कर रहे थे। सत्र का विषय 'फायरसाईड चैट ऑन एमपी: अनलॉकिंग द हार्ट ऑफ इंडिया' था। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने निवेशकों से कहा कि मध्यप्रदेश असीम संभावनाओं और अनंत अवसरों का प्रदेश है। मध्यप्रदेश की संस्कृति ही ऐसी है कि एक बार जो यहां आता है, वापस नहीं जाता है। यहां आकर आप कभी निराश नहीं होंगे, इसलिए मध्यप्रदेश आईए, सरकार की उद्योग-मित्र नीतियों का अधिकाधिक लाभ उठाइए, बिना किसी संकोच के निवेश कीजिए और अपना व्यापार-व्यवसाय-बिजनेस चार गुना बढ़ाईए और मध्यप्रदेश सहित देश की प्रगति में योगदान दें।। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने फोरम की प्रस्तोता (इंटरव्यूरर) द्वारा मध्यप्रदेश के संदर्भ में पूछे गए विभिन्न प्रश्नों के बड़ी ही सहजता से जवाब दिए।

चुनौतियों को अवसर में बदलकर सबसे तेज गति से प्रगति करने वाला राज्य बना मध्यप्रदेश

ग्रीन मैन्युफैक्चरिंग हब बनने को अग्रसर

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश ग्रीन मैन्युफैक्चरिंग हब बनने की दिशा में भी तेजी से आगे बढ़ रहा है। राज्य में सौर एवं पवन ऊर्जा की व्यापक संभावनाओं का उपयोग करते हुए स्वच्छ ऊर्जा आधारित औद्योगिक विकास को बढ़ावा दिया जा रहा है। पर्याप्त और स्वच्छ ऊर्जा की उपलब्धता भविष्य में पर्यावरण-अनुकूल तथा प्रतिस्पर्धी विनिर्माण को नई गति देगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार उद्योगों के लिए आवश्यक ऊर्जा, भूमि और अधोसंरचना की उपलब्धता सुनिश्चित करने के साथ ही स्वच्छ ऊर्जा आधारित निवेश को प्राथमिकता दे रही है।

मध्यप्रदेश में निवेश के व्यापक अवसर

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश में टेक्सटाइल एवं गारमेंट, फार्मास्यूटिकल्स, ऑटोमोबाइल, इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स, सेमीकंडक्टर, डेटा सेंटर, खाद्य प्रसंस्करण तथा नवीकरणीय ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में निवेश की व्यापक संभावनाएं हैं। राज्य में विकसित किए जा रहे आधुनिक औद्योगिक पार्क इन क्षेत्रों के निवेशकों को आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। उन्होंने कहा कि एमएसएमई, स्टार्टअप और बड़े उद्योगों के लिए अनुकूल वातावरण तैयार किया रहा है।

ईज ऑफ डूइंग बिजनेस पर जोर

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि निवेशकों के लिए सिंगल विंडो व्यवस्था, डिजिटल प्रक्रियाओं, संस्थागत सुधार और समयबद्ध अनुमोदन को प्राथमिकता दी जा रही है। निवेश प्रस्तावों के त्वरित निराकरण और परियोजनाओं के समयबद्ध क्रियान्वयन के लिए सरकार निरंतर प्रक्रियाओं को सरल बना रही है। उन्होंने कहा कि हम चाहते हैं कि निवेशक मध्यप्रदेश को केवल एक निवेश स्थल के रूप में नहीं, बल्कि अपने विकास के दीर्घकालिक साझेदार के रूप में देखें। सरकार निवेशकों के साथ कदम से कदम मिलाकर चलने के लिए प्रतिबद्ध है।

रणनीतिक कनेक्टिविटी बड़ी ताकत

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश की भौगोलिक स्थिति राज्य को देश के प्रमुख औद्योगिक एवं उपभोक्ता बाजारों से जोड़ती है। सड़क, रेल और हवाई संपर्क के विस्तार के साथ लॉजिस्टिक्स अधोसंरचना को मजबूत किया जा रहा है। बेहतर कनेक्टिविटी से राज्य में निर्मित उत्पादों को देश के साथ-साथ वैश्विक बाजारों तक पहुंचाने में सुविधा होगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश की यह क्षमता राज्य को वैश्विक कंपनियों की सप्लाई चेन और मैन्युफैक्चरिंग नेटवर्क में महत्वपूर्ण स्थान दिलाने में सहायक होगी।

'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम में बोले राहुल गांधी

देश की लड़कियों का आजाद होना जरूरी है

पुणे

राहुल गांधी ने शनिवार को महाराष्ट्र के पुणे में 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम को संबोधित किया। इस कार्यक्रम में सिर्फ छात्राएं शामिल रहीं। राहुल बोले- आज मैं राजनीति की बात करने नहीं आया। आज आपको मौका दूंगा। आज आप बोलें, आप क्या सोचते हैं, क्या चाहते हैं। हम आपके विचारों को आपसे ही साझा करेंगे। उस पर चर्चा करेंगे। राहुल गांधी ने कहा- देश की लड़कियों का आजाद होना जरूरी है। पिता, पति और बेटे से आपका रिश्ता है, लेकिन आपकी पहचान उनसे नहीं है। उन्होंने कहा कि मनुस्मृति कहती है लड़की पिता, पति, बच्चों की संपत्ति है। यह शर्मनाक, महिलाओं को आजाद होना चाहिए। वे किसी पर आश्रित नहीं हैं। राहुल ने पूछा ये माइंड सेट कहां से आता है कि लड़की को नहीं पढ़ाना, लड़के को पढ़ाना है। लड़की को जॉब नहीं करने देना है। लड़की बहुत मॉर्डन हो गई है। 60 प्रतिशत लड़कियां घर से अकेली नहीं जा सकती हैं। अगर जाना होता है तो किसी के साथ जाना होता है। 45 प्रतिशत शादी के लिए या हाउसवर्क के लिए ड्रॉपआउट करती हैं। आखिरी जो शायद सबसे अमेजिंग आंकड़ा है कि इस देश में सिर्फ 8 प्रतिशत महिलाओं के पास इंडिपेंडेंटली ओन्ड प्रॉपर्टी है। राहुल ने कहा, यहां एक जाल है। 4 तरीके हैं जो कंट्रोल करने के लिए बनाए गए हैं। पहला- हिंसा, दूसरा- अपमान अनादर, तीसरा- समय और चौथा- कंट्रोल। क्या आप इससे सहमत हैं। यही समाज में होता है। हम हिंसा पर चर्चा करेंगे। राहुल ने कहा, जब यह पूछा जाता है कि आज भारत की ताकत क्या है, कोई सेना कहता है, कोई कुछ कहता है, लेकिन मैं बताना चाहूंगा कि 70 करोड़ लोगों के सपने और विचार ही इसकी ताकत हैं। लेकिन यहां आज एक समस्या है, वो यह है कि जब मैं बात करता हूं कि तो महिलाओं को 3 बॉक्स में रखा जाता है। एक पत्नी, एक बेटी और एक मां... ये गलत नहीं हैं। मनुस्मृति कहती है, जब लड़की छोटी होती है तो वह अपने पिता की संपत्ति है। जब वह युवा होती है तो वह पति की है और जब बूढ़ी होती है तो उसके बच्चों के लिए उसका जीवन होता है। लेकिन ये शब्द शर्म की बात हैं। हमारी महिलाओं को आजाद होना चाहिए।

सील्ड लिफाफे में एंडोस्कोपी कैमरा डालकर लीक किया पेपर

छत्तीसगढ़ के प्रोफेसर समेत 6 गिरफ्तार

रायपुर। छत्तीसगढ़ के दुर्ग में प्रोफेसर ने इंडोस्कोपी कैमरे से स्कैन करके पेपर लीक किया। पेपर सीलबंद लिफाफे में रखा था। प्रोफेसर ने उसमें सुई से छेद किया, फिर एंडोस्कोपी कैमरे को लिफाफे में बने छोटे छेद से अंदर डालकर पेपर स्कैन कर लिया। इसके बाद कंटेंट को हाथ से लिखकर छात्रों को 11-11 हजार रुपए में बेच दिया। पुलिस ने प्रोफेसर समेत 6 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। दो आरोपी अब भी फरार हैं। पुलिस के मुताबिक, इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के बीएससी कृषि फर्स्ट ईयर के प्लांट पैथोलॉजी और सेकंड ईयर के दूसरे सेमेस्टर के कीटशास्त्र का पेपर लीक हुआ है।

न्याय के लिए विनम्रता जरूरी: जस्टिस करोल

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस संजय करोल शनिवार को रिटायर हो गए। उन्होंने अपनी फेयरवेल स्पीच में कहा कि जज भगवान नहीं होते, इसलिए यह उम्मीद नहीं की जानी चाहिए कि उनका हर फैसला पूरी तरह सही होगा। जस्टिस करोल बोले, हम जज कोई भगवान नहीं हैं। हम हर फैसला सही नहीं कर सकते। न्याय करने के लिए विनम्रता जरूरी है। जजों को हर मुकदमे में केवल याचिकाकर्ता नहीं, बल्कि उसके पीछे खड़े इंसान को भी देखना चाहिए। जस्टिस करोल ने कहा कि संविधान जजों से केवल कानून को सही तरीके से लागू करने की उम्मीद नहीं करता। वह कानून को न्यायपूर्ण तरीके से लागू करने की भी मांग करता है।

चीनी 70 रुपए किलो, ये कैसा आत्मनिर्भर भारत: खड़गे

नई दिल्ली

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने शनिवार को चीनी की बढ़ती कीमतों और स्टॉक पर सरकार से 3 सवाल किए। उन्होंने पूछा कि ये कैसा आत्मनिर्भर भारत है, जहां विदेश से चीनी आयात की जा रही है और दूसरी तरफ गन्ने को पेट्रोल में मिलाने के लिए एथेनॉल में झोंका जा रहा है। हालांकि, केंद्र सरकार ने शुक्रवार को चीनी की बढ़ती कीमतों के लिए एथेनॉल उत्पादन को जिम्मेदार मानने से इनकार किया था। देश के कई शहरों में चीनी की कीमत 70 रुपए किलो तक पहुंच गई है। पिछले 3 महीने में इसके दाम करीब 40 प्रतिशत यानी 19 रुपए प्रति किलो तक बढ़े हैं। कीमत कम करने के लिए केंद्र ने 31 अक्टूबर तक 10 लाख टन रॉ शुगर बिना ड्यूटी के आयात करने की मंजूरी दी है।

प्रधानमंत्री ने भाजपा की नई कार्यकारिणी के साथ बैठक की

नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शनिवार शाम दिल्ली के भाजपा मुख्यालय पहुंचे। उन्होंने पार्टी की नई राष्ट्रीय टीम से मुलाकात की। मुलाकात की जानकारी देते हुए प्रधानमंत्री ने एक्स पर लिखा- पार्टी के साथियों के साथ बैठक अच्छी रही। ऐसी बैठकें पार्टी को मजबूत करने और जनता से जुड़ाव पर गहरे विचारों का मंच होती हैं। इससे पहले शनिवार सुबह नए पदाधिकारियों की भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन के साथ भी बैठक हुई थी। दरअसल, नई टीम की घोषणा 17 अगस्त को हुई थी। 65 सदस्यीय टीम में राम माधव को उपाध्यक्ष और स्मृति ईरानी को महासचिव बनाकर वापस लाया गया है। नई टीम में 14 पुराने चेहरों को दोबारा जगह मिली है, जबकि 51 नए चेहरे शामिल किए गए हैं। यानी 65 सदस्यों वाली टीम में करीब 78.5 प्रतिशत नए चेहरे हैं।

आर्थिक वृद्धि के लिए 'न्याय-नॉमिक्स' जरूरी

सीजेआई ने 11वें 'ब्रिक्स प्लस लीगल फोरम' को किया संबोधित

नई दिल्ली

भारत के प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत ने शनिवार को कहा कि देशों से जिस बड़े पैमाने पर आर्थिक वृद्धि बनाए रखने की उम्मीद की जाती है, वह केवल भौगोलिक स्थिति या संसाधनों के बूते संभव नहीं है तथा लगातार भरोसेमंद न्यायिक फैसलों के जरिए सभी को समान अवसर सुनिश्चित करने के लिए 'न्याय-नॉमिक्स' (न्याय के अर्थशास्त्र) की जरूरत है। प्रधान न्यायाधीश ने यहां 11वें 'ब्रिक्स प्लस लीगल फोरम' को संबोधित करते हुए कहा कि संस्थाएं आर्थिक वृद्धि के इर्द-गिर्द खड़ा किया गया कोई अस्थायी ढांचा नहीं,

बल्कि उसकी बुनियाद हैं। इस मंच का विषय 'आर्थिक मजबूती, नवोन्मेष और स्थिरता के लिए कानून के शासन की रूपरेखा एवं संस्थागत क्षमता निर्माण' था। प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि भारत की प्रगति में मजबूत संस्थाओं की अहम भूमिका है और इनमें न्यायपालिका की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है तथा यही बात 'ब्रिक्स प्लस' देशों पर भी लागू होती है। उन्होंने कहा, हमारे देशों से जिस बड़े पैमाने पर आर्थिक वृद्धि बनाए रखने की उम्मीद है, वह केवल अनुकूल भौगोलिक स्थिति या संसाधनों के सहारे संभव नहीं है। इसके लिए ऐसी मजबूत संस्थाओं का होना जरूरी है, जिन पर भरोसा किया जा सके। शायद आंकड़े इस बात को शब्दों से बेहतर ढंग से स्पष्ट कर सकते हैं। प्रधान न्यायाधीश ने कहा, न्याय-नॉमिक्स यानी सरल शब्दों में न्याय का अर्थशास्त्र। न्यायिक फैसलों में निरंतरता और न्याय प्रक्रिया पर भरोसा लेन-देन की लागत कम करता है। इससे बाजार में सभी को बराबरी का अवसर मिलता है और आर्थिक वृद्धि को बढ़ावा मिलता है।

उन्होंने कहा कि भारत समेत 'ब्रिक्स प्लस' की किसी भी अर्थव्यवस्था ने केवल प्राकृतिक संसाधनों के बल पर प्रगति नहीं की है और इन देशों का विकास इस बात पर भी निर्भर करता है कि वहां किए गए वादों एवं समझौतों को कितनी प्रभावी तरीके से लागू किया जाता है।

नया शब्द दिया- 'न्याय सेतु'- प्रधान न्यायाधीश ने कहा, अगर आज आप अपनी शब्दावली में एक नया शब्द शामिल करना चाहें तो वह 'न्याय सेतु' होना चाहए। यह ऐसा सेतु है जो 11 अलग-अलग कानूनी परंपराओं को जोड़ता है। इन सभी की यह साझा सोच है कि भरोसा अपने आप बनने का इंतजार नहीं किया जाना चाहिए, बल्कि उसे लगातार प्रयासों से मजबूत किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, संस्थाएं आर्थिक वृद्धि के बाद खड़ा किया जाने वाला सहायक ढांचा नहीं हैं, बल्कि वे उसकी बुनियाद हैं। अगर यह बुनियाद कमजोर हो तो तेजी से बढ़ती दिख रही अर्थव्यवस्था भी पहली बड़ी चुनौती के सामने डगमगा सकती है।

'बियॉन्ड द यूनिफॉर्म 2026' आयोजन में नर्सिंग विद्यार्थियों ने बिखेरे प्रतिभा के रंग

हितकारिणी सभा द्वारा संचालित जिनसार में हुए 2 दिवसीय आयोजन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

हितकारिणी सभा द्वारा संचालित जबलपुर इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग साइंसेज एंड रिसर्च (जिनसार) एवं एसएनए यूनिट के संयुक्त तत्वावधान में 20 एवं 21 अगस्त को जिनसार ऑडिटोरियम में दो दिवसीय टैलेंट हंट बियॉन्ड द यूनिफॉर्म 2026 का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य बीएससी नर्सिंग विद्यार्थियों को उनकी शैक्षणिक एवं क्लीनिकल जिम्मेदारियों से परे अपनी रचनात्मकता, आत्मविश्वास, कलात्मक प्रतिभा एवं व्यक्तित्व को प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान करना था। कार्यक्रम का आयोजन प्राचार्य प्रो. डॉ. प्रिंसी शाजी के मार्गदर्शन में तथा ऋषिका कोठारी एवं पूर्वी विजय कुमार के समन्वय से किया गया। कार्यक्रम के प्रथम दिन मेहंदी, नेल आर्ट, हेयरस्टाइलिंग एवं आई मेकअप प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। मेहंदी प्रतियोगिता में 15 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया, जिसमें मोहसिना अंसारी (तृतीय सेमेस्टर) ने प्रथम तथा अनम अंजुम (प्रथम सेमेस्टर) ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता का समन्वय प्रो. डॉ. सुरभि केहरी एवं हेमलता ठाकुर ने किया।

नेल आर्ट प्रतियोगिता का आयोजन

नेल आर्ट प्रतियोगिता में पांच प्रतिभागियों ने भाग लिया। सुश्री सनीशा गिरी (चतुर्थ वर्ष) ने प्रथम तथा दीपा कोल (चतुर्थ वर्ष) ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। इसका समन्वय भानुप्रिया राजक एवं साक्षी पटेल ने किया। मेहंदी एवं नेल आर्ट प्रतियोगिताओं का निर्णयन डॉ.भावना वर्मा, वाइस प्रिंसिपल, हितकारिणी लॉ कॉलेज; प्रो. अराधना धन्याबाद एवं पूर्वी विजय कुमार ने किया। हेयरस्टाइलिंग प्रतियोगिता में नौ प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया, जिसमें उर्वशी फौजदार (चतुर्थ वर्ष) प्रथम तथा मंजू यादव (चतुर्थ वर्ष) द्वितीय रहीं।

वहीं आई मेकअप प्रतियोगिता में सिमरन अंसारी (चतुर्थ वर्ष) ने प्रथम तथा मोनिशा इसाक (तृतीय सेमेस्टर) ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। दोनों प्रतियोगिताओं का समन्वय क्रमशः डॉ. रीना मैथ्यू एवं अर्निका जोसेफ, तथा मार्टिना पॉल एवं अन्नू गुप्ता ने किया। निर्णायक मंडल में डॉ. पुनीत दुग्गल (एचआर, हितकारिणी सभा) एवं भानुप्रिया राजक शामिल रहीं।

मंच पर दिखी प्रतिभा और आत्मविश्वास-कार्यक्रम के दूसरे दिन ग्रुप एवं सोलो डांस, पर्सनैलिटी कॉन्टेस्ट तथा ग्रुप एवं सोलो सॉन्ग प्रतियोगिताओं ने विद्यार्थियों में उत्साह और ऊर्जा का संचार किया। ग्रुप डांस प्रतियोगिता में तीन टीमों ने भाग लिया। विजेता टीम में सिमरन अंसारी, तनुजा भगत, मंजू यादव, पूजा कुशवाहा, रागिनी कुर्मम, अदिति उइके, प्राची नायर एवं सिमी मशराम शामिल रहीं, जो सभी चतुर्थ वर्ष की छात्राएं हैं। नृत्य प्रतियोगिता का निर्णयन प्रो. डॉ. अजीता नायर, प्रो. डॉ. प्रतिभा राजपूत (शासकीय नर्सिंग कॉलेज) एवं भानुप्रिया राजक ने किया।

पर्सनैलिटी कॉन्टेस्ट में विद्यार्थियों को मिले खिताब

पर्सनैलिटी कॉन्टेस्ट में कुल 21 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता के तीन राउंड आयोजित किए गए। छात्राओं की श्रेणी में नितिका दिवाकर ने प्रथम स्थान प्राप्त कर खिताब जीता, जबकि जॉयस दास रनर-अप रहीं और उन्हें भी खिताब से सम्मानित किया गया। छात्रों की श्रेणी में निहार शर्मा ने प्रथम स्थान प्राप्त खिताब हासिल किया, जबकि बलवीर प्रसाद रनर-अप रहे और उन्हें भी खिताब प्रदान किया गया। प्रतियोगिता का निर्णयन मेघा गायकवाड़ (नर्सिंग ऑफिसर, न्यूरो एक्सीलेंस सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल), मीनू पॉल (वाइस प्रिंसिपल, अनुश्री कॉलेज ऑफ नर्सिंग) एवं ऋषिका कोठारी ने किया।

सुरों ने बांधा समां

ग्रुप सॉन्ग प्रतियोगिता में तीन टीमों ने भाग लिया, जिसमें शिराली यादव, वैष्णवी सेन, सनीशा गिरी, सानिया कौसर एवं वर्षा शर्मा की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता में तीन प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया और शिराली यादव ने प्रथम स्थान हासिल किया। इन प्रतियोगिताओं का निर्णयन श्रीमती अंजुबाला साहू (शासकीय नर्सिंग कॉलेज), प्रो. अराधना धन्याबाद एवं अर्निका जोसेफ ने किया।

रक्षाबंधन पर्व पर चलाई जाएंगी तीन जोड़ी और स्पेशल ट्रेनें

अतिरिक्त यातायात को देखते हुए पमरे ने लिया निर्णय

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

रेल प्रशासन द्वारा रक्षाबंधन के अवसर पर यात्रियों की सुविधा हेतु अतिरिक्त पैसेंजर ट्रैफिक को क्लीयर करने के उद्देश्य से पश्चिम मध्य रेलवे से तीन जोड़ी औरस्पेशल ट्रेनों का संचालन किया जा रहा है। जिसमें सोगरिया-मथुरा-सोगरिया (अनारक्षित), सोगरिया-जबलपुर-सोगरिया एवं कोटा-हजरत निजामुद्दीन-कोटा एक्सप्रेस ट्रेनें शामिल हैं।

गाड़ी संख्या 02921/02922 सोगरिया-मथुरा-सोगरिया अनारक्षित सुपरफास्ट स्पेशल का संचालन 24 से 30 अगस्त 2026 तक दोनों दिशाओं में 07-07 फेरों के लिए किया जाएगा। गाड़ी संख्या 02921 सोगरिया-मथुरा स्पेशल ट्रेन सोगरिया स्टेशन से सुबह 08.30 बजे प्रस्थान कर और दोपहर 14.10 बजे मथुरा जंक्शन पहुंचेगी। वापसी में गाड़ी संख्या 02922 मथुरा-सोगरिया स्पेशल ट्रेन मथुरा जंक्शन स्टेशन से दोपहर 15.30 बजे प्रस्थान कर और रात 21.20 बजे सोगरिया पहुंचेगी। गाड़ी संख्या 09806/09805 सोगरिया-जबलपुर-सोगरिया एक्सप्रेस स्पेशल में ट्रेन 09806 का संचालन 21, 23, 25 एवं 27 अगस्त और ट्रेन 09805 का संचालन 22, 24, 26 एवं 28 अगस्त को दोनों दिशाओं में 04-04 फेरों के लिए किया जाएगा। गाड़ी संख्या 09806 सोगरिया-जबलपुर स्पेशल ट्रेन सोगरिया स्टेशन से शाम 18.35 बजे प्रस्थान कर और अगले दिन सुबह 06.55 बजे जबलपुर पहुंचेगी। वापसी में गाड़ी संख्या 09805 जबलपुर-सोगरिया स्पेशल ट्रेन जबलपुर स्टेशन से सुबह 09.10 बजे प्रस्थान कर और रात में 22.30 बजे सोगरिया पहुंचेगी। गाड़ी संख्या 09803/09804 कोटा-हजरत निजामुद्दीन-कोटा एक्सप्रेस स्पेशल में ट्रेन 09803 का संचालन 22, 24 एवं 26 अगस्त को और ट्रेन 09804 का संचालन 23, 25 एवं 27 अगस्त को दोनों दिशाओं में 03-03 फेरों के लिए किया जाएगा। गाड़ी संख्या 09803 कोटा-हजरत निजामुद्दीन स्पेशल ट्रेन कोटा स्टेशन से रात 22.15 बजे प्रस्थान कर और अगले दिन सुबह 07.00 बजे हजरत निजामुद्दीन पहुंचेगी।

एटीएम कार्ड बदलकर बुजुर्ग के खाते से 1.16 लाख निकाले

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। एटीएम में मदद करने के बहाने एक अज्ञात व्यक्ति ने 79 वर्षीय बुजुर्ग का एटीएम कार्ड बदल दिया और उनके बैंक खाते से 1 लाख 16 हजार 500 रुपये निकाल लिए। मामला संजीवनी नगर थाना क्षेत्र का है। नव निवेश कॉलोनी गंगा नगर निवासी राजकुमार जैन 79 वर्षीय सिंचाई विभाग से सेवानिवृत्त हैं। 17 अगस्त की शाम वे दूध लेने गए थे। लौटते समय एसबीआई के एटीएम से 9 हजार रुपये निकालने के बाद उनके पीछे खड़े एक व्यक्ति ने एटीएम ब्लॉक होने की बात कही और दोबारा कार्ड डालकर पैसे निकालने को कहा। बुजुर्ग ने दोबारा कार्ड डालकर 500 रुपये निकाले। इसके बाद आरोपी उन्हें बातों में उलझाकर वहां से चला गया। अगले दिन बैंक में कार्ड दिखाने पर पता चला कि उनके पास मौजूद कार्ड किसी नागेश व्योहार के नाम का है। बैंक स्टेटमेंट निकलवाने पर पता चला कि 17 और 18 अगस्त के बीच अलग-अलग स्थानों से उनके खाते से कुल 1 लाख 16 हजार 500 रुपये निकाले गए हैं। पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया है।

भाषण प्रतियोगिता में एपीएन स्कूल की छात्रा ने जीता मैडल

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। एपीएन सीबीएसई सीनियर सेकेंडरी स्कूल, सदर, ने 22 अगस्त को सेंट जोसेफ कॉन्वेंट स्कूल, सदर में हुए एक्सटेम्पोर कम्पीटीशन (अंग्रेजी भाषा में तात्कालिक भाषण प्रतियोगिता) में हिस्सा लिया। एपीएन सीबीएसई सीनियर सेकेंडरी स्कूल की कक्षा बारहवीं की छात्रा अवंतिका सिंह ने टैलेंटेड युवा स्पीकर्स के 25 विद्यालयों के मध्य प्रतियोगिता में सबसे खतरनाक वाक्य है- हर कोई ऐसा करता है। विषय पर 2 मिनट के समय सीमा में बोलते हुए दूसरा स्थान हासिल किया छात्रा ने उत्कृष्ट वाक्पटुता, तेज़ सोच और बेजोड़ प्रत्युत्तरता दिखाई । विद्यालय के अध्यक्ष चमन श्रीवास्तव ने सभी के मार्गदर्शन के लिए प्राचार्य श्री करण खुराना,उपप्राचार्या डॉ. वरिमा नागपाल बोकारे ,साथ ही महक सूरी, को बधाई दी, और छात्रा को आशीर्वाद दिया।

किसानों ने लगाई तिल, कृषि अधिकारियों ने मेहनत को सराहा

सिहोरा (स्वतंत्र मत)। किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग द्वारा किसानों की आय बढ़ाने और मौसम की अनिश्चितताओं से बचाने के लिए चलाए जा रहे फसल विविधीकरण अभियान के सकारात्मक परिणाम नजर आने लगे हैं विकासखंड सिहोरा के ग्राम कछपुरा गोसलपुर में जन विश्वास अभियान के तहत क्षेत्र भ्रमण के दौरान विभाग की टीम ने किसानों से तिल फसल प्रदर्शन के उत्साहजनक रुझान प्राप्त किए। भ्रमण के दौरान उपसंचालक कृषि उमेश कटेहरे अपनी टीम के साथ उन्नतशील कृषक राजकिशोर पटेल लक्ष्मी नारायण पटेल के खेत में पहुंचकर कृषि विभाग द्वारा लगवाए गए तिल फसल प्रदर्शन का बारीकी से जायजा लिया इस दौरान उन्होंने मौके पर मौजूद अन्य किसानों को कृषक राज किशोर पटेल लक्ष्मी नारायण पटेल की सफलता का उदाहरण देते हुए परंपरागत खेती से हटकर वैकल्पिक और लाभदायक फसलों को अपनाने (फसल विविधीकरण) के लिए प्रोत्साहित किया। किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग की कृषि विस्तार अधिकारी अदिति सिंह राजपूत के मार्गदर्शन में दोनों कृषको ने इस सीजन में पारंपरिक फसलों के बजाय फसल चक्र में बदलाव किया उन्होंने विभाग द्वारा उपलब्ध कराई गई उच्च गुणवत्ता वाली किस्म गुजरात तिल 6 (जीटी-6) की 4 एकड़ के रकबे में बोनी की। कृषक ने बताया की पिछले वर्षों में धान मक्का और उड़द की खेती के दौरान कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ता था। इस बार मानसून में हुई असमान्य वर्षा के बावजूद उनकी तिल की फसल पर कोई खास नकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ा पारंपरिक फसलों की तुलना में यह काफी सुरक्षित और कम लागत वाली साबित हो रही है। निरीक्षण दौरान उप संचालक कृषि उमेश कटेहरे, जिला विपणन अधिकारी हीरेंद्र रघुवंशी, कृषि विस्तार अधिकारी अदिति सिंह राजपूत आदि उपस्थित रहे।

गुलशने मदीना का जल्सा-ए-खिताबत आज

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। बज्मे गुलशने मदीना के तत्वावधान में श्रृंखलाबद्ध कार्यक्रमों के तहत रविवार रात 9 बजे हुसैन चौक, नया मोहल्ला में 'जल्सा-ए-खिताबत' का आयोजन किया जाएगा। बज्म के हाजी सलीमुद्दीन ने बताया कि जलसा मुफ्ती-ए-आजम मध्यप्रदेश हजरत मौलाना डॉक्टर मुशाहिद रजा कादरी बुरहानी की सरपरस्ती एवं हजरत सूफी जियाउल हक कादरी बुरहानी की सदारत में होगा।

सुरों से सजी प्रेमांजलि की शाम, कलाकारों ने बांधा समां

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। प्रेमांजलि संगीत वृन्द एवं शहीद स्मारक सांस्कृतिक प्रकोष्ठ के संयुक्त तत्वावधान में शुक्रवार को एक संगीतमय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। संस्थापक एवं आयोजक राकेश चौरसिया के संयोजन में आयोजित इस कार्यक्रम में सुरीले गायक-गायिकाओं ने एक से बढ़कर एक गीतों की शानदार प्रस्तुतियां देकर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम में अंजना सक्सेना (इंदौर), मीनल चौधरी, पल्लवी फाटक, राखी मजुमदार, शबनम मसीह, स्मृति केकरे, अनामिका श्रीवास्तव, अरुणा नगरकर, रुचिरा श्रीवास्तव, प्रीत श्रीवास्तव आदि ने अपनी प्रस्तुतियों से संगीतप्रेमियों का मन मोह लिया। बेबी नायरा दुबे ने अपनी कम उम्र में ही गायन के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रतिभा का परिचय दिया है। मुंबई जैसे बड़े मंच पर अपनी सुरीली आवाज से श्रोताओं को प्रभावित कर चुकी नायरा ने जबलपुर के इस संगीतमय आयोजन में भी अपनी शानदार प्रस्तुति से सभी का मन मोह लिया। उनकी मधुर और आत्मविश्वास से भरी प्रस्तुति ने कार्यक्रम में उपस्थित श्रोताओं की विशेष सराहना बटोरी। कार्यक्रम का संगीत संयोजन सुरेन्द्र दाहिया ने किया, जबकि मंच संचालन डॉ. मंजू गोरे ने किया। संगीतमय प्रस्तुतियों से सजी इस शाम ने जबलपुर की संगीत प्रतिभाओं और संगीतप्रेमी दर्शकों के बीच एक यादगार वातावरण बनाया।

कैशलेस स्वास्थ्य योजना का पोर्टल पुनः खोलने की मांग

मप्रविमं तकनीकी कर्मचारी संघ ने कंपनी प्रबंधन को सौंपा ज्ञापन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

मध्य प्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी से सेवानिवृत्त हुए कर्मचारियों के लिए अंशदायी कैशलेस स्वास्थ्य बीमा योजना का पोर्टल पुनः खोलने की मांग जोर पकड़ने लगी है। मप्रविमं तकनीकी कर्मचारी संघ ने कंपनी प्रबंधन से मांग की है कि पोर्टल को दोबारा सक्रिय किया जाए, ताकि योजना से वंचित रह गए सेवानिवृत्त कर्मचारी भी इसका लाभ उठा सकें।

संघ के प्रांतीय महासचिव हरेंद्र श्रीवास्तव ने बताया कि अनेक सेवानिवृत्त कर्मचारी जानकारी के अभाव में इस योजना से जुड़ने से वंचित रह गए हैं। इसका मुख्य कारण यह है कि कई कर्मचारी सेवानिवृत्ति के बाद ग्रामीण क्षेत्रों में बस गए हैं, जहाँ उन तक योजना की सूचना समय पर नहीं पहुँच पाई।कर्मचारियों के हितों को ध्यान में रखते हुए संघ के के.एन. लोखंडे, शशि उपाध्याय, दशरथ शर्मा, मोहन दुबे, अजय कश्यप, राजकुमार सैनी, विनोद दास, लखन सिंह राजपूत, जे.पी. त्रिपाठी और राकेश नामदेव सहित अन्य पदाधिकारियों ने पूर्व क्षेत्र कंपनी प्रबंधन से जल्द से जल्द पोर्टल खोलने और छूटे हुए कर्मचारियों को स्वास्थ्य सुरक्षा का लाभ प्रदान करने की अपील की है।

चेरीताल में गूंजा हरिनाम संकीर्तन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

चैतन्य महाप्रभु संकीर्तन मंडल जबलपुर के संयोजन में श्रावणमास संकीर्तन माला के 25वें दिवस हरदौल मंदिर चेरीताल स्थित कमलेश तिवारी के निवास पर संकीर्तनाचार्य प.मनमोहन दुबे के सानिध्य में प्रेम भिक्षाम देहि अर्ज के साथ भव्य संकीर्तन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर संकीर्तन की महत्ता प्रतिपादित करते हुए श्री दुबे ने बताया कि

भागवत एक वृक्ष है उसका फल नाम संकीर्तन है। इस अवसर पर मंडल के संयोजक देवेंद्र नेमा, सत्यप्रकाश नामदेव, प्रभाकर चतुर्वेदी, के एल दीक्षित, सुरेन्द्र गिरी, मोहित तिवारी, अमित विश्नोई, बीरबहादुर पटेल, मनोज विश्वकर्मा, महेंद्र नामदेव आदि उपस्थित रहे।

सुपर स्पेशलिटी में इलाजरत छिंदवाड़ा के बच्चों से मिलने पहुंचे डिप्टी सीएम

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। उप मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल ने शनिवार की शाम नेताजी सुभाषचंद्र बोस मेडिकल कॉलेज के सुपर स्पेशलिटी अस्पताल की न्यूनेटल इंटेंसिव केयर यूनिट में जिला अस्पताल छिंदवाड़ा से रेफर होकर आए बच्चों को दिये जा रहे उपचार की जानकारी ली। श्री शुक्ल ने भर्ती बच्चों के परिजनों से भी भेंट कर उन्हें बेहतर से बेहतर इलाज का भरोसा दिया। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने अस्पताल प्रबंधन और चिकित्सकों से भी चर्चा की तथा उन्हें बच्चों के उपचार में किसी भी प्रकार की कोई कमी नहीं रखने के निर्देश दिये। मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ नवनीत सक्सेना, मेडिकल कॉलेज के अधीक्षक डॉ अरविंद शर्मा तथा जिले के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ नवीन कोठारी भी इस दौरान उनके साथ मौजूद थे।

दर्जनों शिकायतें बेअसर,ग्वारी टोला जर्जर स्कूल भवन का हिस्सा ढहा

शासकीय प्राथमिक विद्यालय ग्वारी टोला संकुल केंद्र बरगी नगर का मामला

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

ग्राम पंचायत खापा ग्वारी संकुल केंद्र बरगी नगर के अंतर्गत आने वाले शासकीय प्राथमिक विद्यालय ग्वारी टोला के जर्जर भवन को लेकर शिक्षा विभाग की उदासीनता और प्रशासनिक व्यवस्था की गंभीर लापरवाही सामने आई है। पिछले करीब 8 10 वर्षों से ग्रामीण लगातार स्कूल भवन की जर्जर हालत की शिकायतें करते आ रहे हैं। ग्राम पंचायत द्वारा भी समय-समय पर संबंधित विभाग और प्रशासन को पत्राचार एवं सूचना के माध्यम से भवन की स्थिति से अवगत कराया जाता रहा है, लेकिन दर्जनों शिकायतों और लगातार सूचना दिए जाने के बावजूद आज तक भवन की मरम्मत, पुनर्निर्माण अथवा सुरक्षित वैकल्पिक व्यवस्था के लिए कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। इस लापरवाही का खामियाजा अब सीधे बच्चों की सुरक्षा के रूप में सामने आया है। 15 अगस्त 2026 की रात जर्जर स्कूल भवन का एक हिस्सा अचानक भरभराकर धराशायी हो गया। भवन की वर्तमान स्थिति देखकर अंदाजा लगाया जा सकता है कि यह किसी भी समय बड़े हादसे का कारण बन सकता है। दीवारों में जगह-जगह गहरी दरारें हैं, प्लास्टर और ईंटें उखड़ चुकी हैं तथा छत का बड़ा हिस्सा क्षतिग्रस्त होकर गिर चुका है। मौके की तस्वीरें स्कूल भवन की भयावह स्थिति को साफ तौर पर बयां कर रही हैं।

नए भवन की आस में पथराई आंखें

लगभग आठ दस साल से भवन जर्जर, फिर भी बच्चों को सुरक्षित भवन नसीब नहीं ग्रामीणों के अनुसार स्कूल भवन लंबे समय से इतनी जर्जर स्थिति में है कि बच्चों को यहां बैठाकर पढ़ाना जोखिम भरा है। इसी कारण जब से भवन अनुपयोगी हुआ है, तब से विद्यालय का संचालन गांव के ही एक निजी व्यक्ति के मकान में किया जा रहा है। सवाल यह है कि यदि विभाग और प्रशासन को वर्षों से भवन की जर्जर स्थिति की जानकारी थी, तो अब तक विद्यालय के लिए स्थायी और सुरक्षित भवन की व्यवस्था क्यों नहीं की गई?

हादसे के बाद ही लेंगे सबक

स्कूल भवन का एक हिस्सा गिरने के बाद सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या प्रशासन किसी बड़े हादसे का इंतजार कर रहा है। गनीमत रही कि भवन का हिस्सा रात के समय गिरा, जब विद्यालय के आसपास कोई ग्रामीण और बच्चे मौजूद नहीं थे। यदि यही घटना स्कूल संचालन के दौरान होती तो कई बच्चों और आसपास के ग्रामीण की जान खतरे में पड़ सकती थी।ग्रामीणों का कहना है कि शिक्षा के अधिकार के साथ बच्चों की सुरक्षा भी शासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। ऐसे में वर्षों से जर्जर पड़े विद्यालय भवन को लेकर बरती जा रही उदासीनता की उच्चस्तरीय और निष्पक्ष जांच आवश्यक है। ग्रामीणों ने मांग की है कि केवल कागजी खानापूर्ति के बजाय मौके का तत्काल निरीक्षण कर भवन की तकनीकी स्थिति का परीक्षण कराया जाए तथा बच्चों के लिए सुरक्षित और स्थायी विद्यालय भवन की व्यवस्था की जाए। ग्वारी टोला के टप्पू लाल परस्ते, रूपचंद यादव, धनलाल पुट्टी, बारेलाल, सुखराम, राकेश सोयाम सहित दर्जनों ग्रामीणों ने मामले में तत्काल ठोस कार्रवाई की मांग की है।

इन्होंने कहा

वह बिल्डिंग तो तोड़नी थी,इस संबंध में कलेक्टर साहब ने सभी शाला प्रभारी को पत्र भी जारी किया था पीडब्ल्यूडी विभाग ने इस संबंध में जर्जर भवनो की सूची भी जारी की थी बिल्डिंग शाला प्रभारी को ही तुड़वानी थी किसी की परमिशन लेने की जरूरत नहीं थी।

केशव दुबे, बीआरसी जबलपुर

सप्ताह की बड़ी सरकारी भर्तियां, युवाओं के लिए हजारों अवसर

सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे युवाओं के लिए अगस्त का यह सप्ताह कई महत्वपूर्ण अवसर लेकर आया है। रेलवे, बैंकिंग, स्वास्थ्य, अंतरिक्ष, ऊर्जा और सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों में विभिन्न पदों पर भर्तियां सामने आई हैं। इनमें बैंक ऑफबड़ौदा एलबीओ के 2,482, असोम एनएचएम स्टाफनर्स के 2,204, और एनटीपीसी डिप्टी मैनेजर के 135 पद प्रमुख हैं।

1 बैंक ऑफबड़ौदा, एलबीओ - 2,482 पद

बैंक ऑफबड़ौदा ने लोकल बैंक ऑफिसर के 2,482 पदों पर भर्ती निकाली है। आवेदन 18 अगस्त से 7 सितंबर तक किए जा सकते हैं। स्नातक उम्मीदवार पात्र हैं और आयु सीमा 20 से 30 वर्ष है। चयन ऑनलाइन परीक्षा, ग्रुप डिस्कशन और व्यक्तिगत साक्षात्कार के आधार पर होगा।।

2 असोम एनएचएम स्टाफनर्स - 2,204 पद

नेशनल हेल्थ मिशन, असोम ने 2,204 स्टाफनर्स पदों पर भर्ती की घोषणा की है। यह भर्ती संविदात्मक आधार पर है। संबंधित नर्सिंग योग्यता,पंजीकरण रखने वाले अभ्यर्थी पात्र होंगे। आधिकारिक वेबसाइट पर भर्ती विज्ञापन उपलब्ध है।

3 एमपीईएसबी पटवारी- 2300 पद

मध्यप्रदेश कर्मचारी चयन मंडल ने समूह-2 उपसमूह-4 संयुक्त भर्ती परीक्षा के तहत 2300 पटवारी पद निकाले हैं। आवेदन 4 से 26 अगस्त तक है, परीक्षा सितंबर में प्रस्तावित है। परीक्षा में 200 अंकों के वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे।

4 यूपीएससी ईपीएफओ- 80 पद

ईपीएफओ में असिस्टेंट प्रोविडेंट फंड कमिष्नर के 80 पदों की भर्ती का अपडेट सामने आया है। आवेदन 22 अगस्त से शुरू होने की जानकारी है। ये पद ग्रुप-ए स्तर का पद है। चयन लिखित परीक्षा और इंटरव्यू से होता है। अंतिम तिथियों और विस्तृत पात्रता की पुष्टि यूपीएससी के आधिकारिक विज्ञापन से करना जरूरी है।

5 इसरो, साइंटिस्ट और इंजीनियर

इसरो में साइंटिस्ट और इंजीनियर भर्ती के लिए विज्ञापन जारी किया है। इसमें इलेक्ट्रॉनिक्स, मैकेनिकल, कंप्यूटर साइंस, सिविल, इलेक्ट्रिकल, आर्किटेक्चर और अन्य संबंधित इंजीनियरिंग विषय शामिल हैं। आधिकारिक विज्ञापन के अनुसार बीई या बीटेक या समकक्ष डिग्री आवश्यक है। इस विज्ञापन की आवेदन अंतिम तारीख 27 अगस्त 2026 है।

6 एनटीपीसी डिप्टी मैनेजर- 135 पद

एनटीपीसी ने इलेक्ट्रिकल, मैकिनिकल के लिएं 135 डिप्टी मैनेजर पद निकाले हैं। संबंधित इंजीनियरिंग में कम से कम 60 प्रतिशत अंकों के साथ बीई या बीटेक तथा अनुभव आवश्यक है। आवेदन 12-26 अगस्त तक हैं। आयु सीमा अधिकतम 40 वर्ष है।

7 इंडियन ऑइल- एग्जीक्यूटिव पद 470 पद

इंडियन ऑइल की आधिकारिक करियर वेबसाइट पर 2026 में एग्जीक्यूटिव पद आधारित भर्ती का विज्ञापन 14 अगस्त को प्रकाशित किया गया है। आयु सीमा अधिकतम 40 वर्ष है।

साइबर सिक्योरिटी: डिजिटल दुनिया की सुरक्षा के साथ बनाएं सरकारी नौकरी के मजबूत रास्ते

हैकिंग, ऑनलाइन फ्रॉड और डेटा चोरी के बढ़ते मामलों के बीच साइबर सिक्योरिटी एक्सपर्ट्स की मांग तेजी से बढ़ रही है। कंप्यूटर और टेक्नोलॉजी में रुचि रखने वाले युवाओं के लिए यह सरकारी और निजी दोनों क्षेत्रों में करियर का शानदार विकल्प बन सकता है।

साइबर सिक्योरिटी आखिर है क्या?

साइबर सिक्योरिटी का मतलब कंप्यूटर, मोबाइल, नेटवर्क, सर्वर और ऑनलाइन डेटा को हैकिंग, वायरस, साइबर अटैक और अनधिकृत पहुंच से सुरक्षित रखना है। इस क्षेत्र के विशेषज्ञ सिस्टम की सुरक्षा जांचते हैं, उसकी कमजोरियों का पता लगाते हैं और साइबर हमले की स्थिति में उसे सुरक्षित करने का काम करते हैं। डिजिटल सेवाओं के बढ़ते इस्तेमाल के साथ इसकी जरूरत भी लगातार

बढ़ रही है।

सरकारी क्षेत्र में कहां मिल सकते हैं मौके?

1 बैंकिंग सेक्टर

सरकारी बैंकों में ग्राहकों के खाते, डिजिटल ट्रांजैक्शन और बैंकिंग नेटवर्क को सुरक्षित रखना बेहद जरूरी है। इसलिए साइबर सिक्योरिटी और इंफॉर्मेशन सिक्योरिटी से जुड़े विशेषज्ञों की जरूरत रहती है।

2 पुलिस और जांच एजेंसियां

साइबर क्राइम सेल और जांच एजेंसियों में विशेषज्ञ डिजिटल फ्रॉड, ऑनलाइन ठगी, हैकिंग और डिजिटल सबूतों की जांच में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। साइबर फॉरेंसिक इस क्षेत्र का अहम हिस्सा है।

3 रेलवे, रक्षा और सरकारी मंत्रालय

रेलवे, रक्षा क्षेत्र और विभिन्न सरकारी विभागों में महत्वपूर्ण डिजिटल सिस्टम और संवेदनशील सूचनाओं की सुरक्षा के लिए साइबर सिक्योरिटी टीम काम करती है। यहां नेटवर्क मॉनिटरिंग, सिस्टम सिक्योरिटी और डेटा प्रोटेक्शन जैसे कार्य शामिल हो सकते हैं।

4 पीएसयू और सरकारी संस्थान

सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों और तकनीकी संस्थानों में भी नेटवर्क, क्लाउड, डेटा और सूचना सुरक्षा से जुड़े पदों के अवसर निकलते रहते हैं।

किन पदों पर बना सकते हैं करियर?

साइबर सिक्योरिटी में साइबर सिक्योरिटी एनालिस्ट, नेटवर्क सिक्योरिटी ऑफिसर, इनफॉर्मेशन सिक्योरिटी ऑफिसर, साइबर फॉरेंसिक एक्सपर्ट, आईटी ऑफिसर, डाटा सिक्योरिटी स्पेशलिस्ट जैसे पदों पर करियर बनाया जा सकता है। हालांकि पदनाम और पात्रता संबंधित भर्ती के अनुसार अलग-अलग होती है।

कौन-सा कोर्स रहेगा फायदेमंद?

12वीं के बाद बीटेक, बीई कम्प्यूटर साइंस आईटी या बीसीए जैसे कोर्स किए जा सकते हैं। आगे एमसीए या साइबर सिक्योरिटी में विशेषज्ञता भी उपयोगी हो सकती है। इसके अलावा नेटवर्किंग, एथिकल हैकिंग और साइबर फॉरेंसिक की ट्रेनिंग तकनीकी आधार मजबूत करती है। इसके अलावा अन्य साइबर सिक्योरिटी कोर्स जैसे नेटवर्किंग और एथिकल हैकिंग कोर्स, साइबर फॉरेंसिक ट्रेनिंग मददगार हो सकते हैं।

समय प्रबंधन: छात्र जीवन की सफलता का सुपरपावर

आज के प्रतिस्पर्धी दौर में छात्रों के सामने पढ़ाई, प्रोजेक्ट, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी, खेलकूद और सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों के साथ परिवार की जिम्मेदारियां भी होती हैं। इन सभी के बीच संतुलन बनाना आसान नहीं है। ऐसे में समय प्रबंधन वह कौशल है, जो छात्र को सफलता की दिशा में लगातार आगे बढ़ाता है।

समय सबसे मूल्यवान संसाधन

धन और सुविधाएं दोबारा हासिल की जा सकती हैं, लेकिन बीता हुआ समय कभी वापस नहीं आता। इसलिए विद्यार्थियों को समय का सही उपयोग सीखना चाहिए। केवल घंटों तक पढ़ना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उपलब्ध समय में सही कार्य को सही तरीके से पूरा करना महत्वपूर्ण है।

लक्ष्य तय करना है पहला कदम

समय प्रबंधन की शुरुआत स्पष्ट लक्ष्य निर्धारण से होती है। छात्र पहले तय करें कि उन्हें परीक्षा में कितना स्कोर करना है, कौन-से विषय मजबूत करने हैं और रोज कितने घंटे पढ़ाई करनी है। लक्ष्य स्पष्ट होने पर पढ़ाई के लिए सही रणनीति बनाना आसान हो

जाता है।

प्राथमिकता तय कर बनाएं टाइम टेबल

हर काम एक समान महत्वपूर्ण नहीं होता। विद्यार्थियों को जरूरी और महत्वपूर्ण कार्यों को प्राथमिकता देनी चाहिए। कठिन विषयों या आगामी परीक्षा की तैयारी के लिए अधिक समय निर्धारित करें। छोटे-छोटे लक्ष्य बनाकर उन्हें समय पर पूरा करने से पढ़ाई का दबाव भी कम होता है।

मोबाइल और सोशल मीडिया से दूरी

आज छात्रों का काफी समय मोबाइल, सोशल मीडिया, ऑनलाइन गेम और अनावश्यक इंटरनेट इस्तेमाल में चला जाता है। पढ़ाई के दौरान मोबाइल को दूर रखना या नोटिफिकेशन बंद करना एकाग्रता बढ़ा सकता है। मनोरंजन के लिए भी निश्चित समय निर्धारित करना बेहतर है।

अनुशासन से बढ़ता है आत्मविश्वास

समय पर काम पूरा करने की आदत विद्यार्थी में अनुशासन और आत्मनियंत्रण विकसित करती है। जब छात्र रोज अपने लक्ष्य पूरे करता है तो उसका आत्मविश्वास बढ़ता है और परीक्षा के समय तनाव कम महसूस होता है।

पढ़ाई के साथ आराम भी जरूरी

समय प्रबंधन का अर्थ केवल पढ़ाई करना नहीं है। एक संतुलित दिनचर्या में खेल, व्यायाम, पर्याप्त नींद और मनोरंजन के लिए भी समय होना चाहिए। छोटे ब्रेक लेकर पढ़ाई करने से मानसिक थकान कम होती है और एकाग्रता बेहतर बनी रहती है।

संगीता पवार

शिक्षक
केसी हितकारिणी चिल्ड्रन्स एकेडमी, जोंसगंज, जबलपुर।

उत्तर मध्य रेलवे में 3205 पदों के लिए रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया जारी, 31 अगस्त से पहले करें आवेदन

भारतीय रेलवे में अप्रेंटिसशिप के लिए भर्ती निकाली जा रही है। अगर आप रेलवे में अप्रेंटिसशिप करना चाहते हैं, तो यह आपके लिए शानदार मौका है। रेलवे रिक्रूटमेंट सेल, नॉर्थ सेंट्रल रेलवे ने अप्रेंटिसशिप की वैकेंसी के लिए फिर से एप्लिकेशन विंडो खोलने का फैसला लिया है। पहले 1853 पदों पर अप्रेंटिसशिप के लिए उम्मीदवारों को चुना जा रहा था, लेकिन अब कुल मिलाकर 3205 पद भरे जाएंगे। जो उम्मीदवार रेलवे में नौकरी करना चाहते है, वे जल्द ही आवेदन करें। इस भर्ती के लिए उम्मीदवार 31 अगस्त 2026 रात 23.59 बजे तक फॉर्म भर सकते हैं। जिसके बाद रजिस्ट्रेशन की विंडो बंद हो जाएगी।

रेलवे अप्रेंटिस में कौन अप्लाई कर सकता है? अभ्यर्थी किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से SSC/मेट्रिकुलेशन/10वीं/ या (10+2) के तहत समकक्ष योग्यता कम से कम 50 प्रतिशत अंकों के साथ पास की हो। इसके साथ ही NCVT/SCVT से संबंधित ट्रेंड में आईटीआई भी उत्तीर्ण किया हो। टेक्निकल क्वालिफिकेशन याई आईटीआई फिटर, वेल्डर, आर्मेचरविंडर, मैकेनिस्ट, वायरमैन, इलेक्ट्रीशियन, पेंटर, प्लंबर, कारपेंटर/ वुड वर्क टेक्नीशियन, डॉट्समैन(सिविल), स्टेनोग्राफर(इंग्लिश), मैकेनिक, कंप्यूटर नेटवर्किंग टेक्नीशियन, मैकेनिक कम ऑपरेटर इलेक्ट्रॉनिक्स कम्युनिकेशन सिस्टम, स्टेनोग्राफर(हिंदी), इनफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी एंड इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम मेटेनेंस, कंप्यूटर ऑपरेटर एंड प्रोग्रामिंग असिस्टेंट, टर्नर ये लोग आवेदन कर सकते हैं।, जिन उम्मीदवार का रिजल्ट 7 जुलाई 2026 या इससे पहले नहीं आया है, वो आवेदन के पात्र नहीं होंगे। उम्मीदवार की उम्र 15 साल पूरी होनी चाहिए। इसके अलावा, अधिकतम आयु 24 वर्ष की उम्र 7 जुलाई 2026 को पूरी नहीं होनी चाहिए। वहीं उम्र में एससी/एसटी उम्मीदवारों को 05 साल और ओबीसी आवेदकों को 03 साल की छूट दी जाएगी। पीडब्ल्यूबीडी कैंडिडेट्स के लिए 10 साल की छूट नियमानुसार दी जाएगी।

क्या चश्मा पहनने वाले एनडीए में सेलेक्ट हो सकते हैं? जानें विजन और टैटू से जुड़े नियम

हर साल लाखों युवा एनडीए के जरिए भारतीय सशस्त्र बलों में अधिकारी बनने का सपना देखते हैं। लिखित परीक्षा और पांच दिवसीय एसएसबी इंटरव्यू के बाद मेडिकल टेस्ट अंतिम और बेहद महत्वपूर्ण चरण होता है। कई बार लिखित और एसएसबी में सफल उम्मीदवार मेडिकल मानकों पर खरे न उतरने के कारण बाहर हो जाते हैं। ऐसे में अभ्यर्थियों को पहले से मेडिकल मानकों की जानकारी होना जरूरी है।

1 नॉक-नी और फ्लैट फुट बन सकते हैं बाधा

नॉक-नी और फ्लैट फुट सैन्य मेडिकल में जांचे जाने वाले प्रमुख शारीरिक मानकों में शामिल हैं। सीधे खड़े होने पर घुटनों का आपस में टकराना नॉक-नी कहलाता है। वहीं पैर के तलवे का सामान्य आर्च कम या न होना फ्लैट फुट की स्थिति है। सैन्य प्रशिक्षण में लगातार दौड़ और शारीरिक गतिविधियों को देखते हुए इनकी गंभीरता के अनुसार फिटनेस का आकलन किया जाता है।

2 चश्मा लगा है तो हर जगह नियम एक जैसे नहीं

चश्मा पहनने वाले हर उम्मीदवार को स्वत: एनडीए से बाहर नहीं किया जाता। विजन के मानक प्रवेश और सेवा/ब्रांच के अनुसार अलग हो सकते हैं। खासकर नेवल और एयर फोर्स की कुछ भूमिकाओं में आंखों की फिटनेस के मानक अधिक कड़े होते हैं। कलर विजन की कमी, गंभीर स्क्विंट या अन्य आंखों की समस्या मेडिकल फिटनेस को प्रभावित कर सकती है। इसलिए आवेदन से पहले निर्धारित आधिकारिक विजन मानकों की जांच करना जरूरी है।

3 वजन भी मेडिकल फिटनेस का हिस्सा

उम्मीदवार का वजन उसकी लंबाई और उम्र के अनुरूप होना चाहिए। निर्धारित मानकों से अधिक वजन या कम वजन होने पर मेडिकल बोर्ड उम्मीदवार को अनफिट घोषित कर सकता है। कुछ मामलों में वजन सुधारने के बाद री-मेडिकल का अवसर भी मिल सकता है।

4 कान, नाक और अत्यधिक पसीने की समस्या

कान में अधिक वैक्स, सुनने से जुड़ी परेशानी, कान के पर्दे की समस्या, डीएनएस (नाक की हड्डी का टेढ़ापन) और हथेलियों या तलवों में अत्यधिक पसीना जैसी स्थितियों की भी जांच होती है। छोटी लगने वाली समस्याएं भी मेडिकल परीक्षण में महत्वपूर्ण हो सकती हैं।

5 टैटू को लेकर हैं सख्त नियम

एनडीए उम्मीदवारों के लिए टैटू के नियम भी महत्वपूर्ण हैं। शरीर के दिखाई देने वाले हिस्सों पर बने टैटू को लेकर कड़े प्रतिबंध हैं, हालांकि कुछ निर्धारित अपवादों और स्थानों पर नियम अलग हो सकते हैं। इसके अलावा गंभीर त्वचा रोग या ऐसी समस्या जो सैन्य सेवा में बाधा बन सकती है, मेडिकल फिटनेस को प्रभावित कर सकती है।

शब्द पहेली - 8955

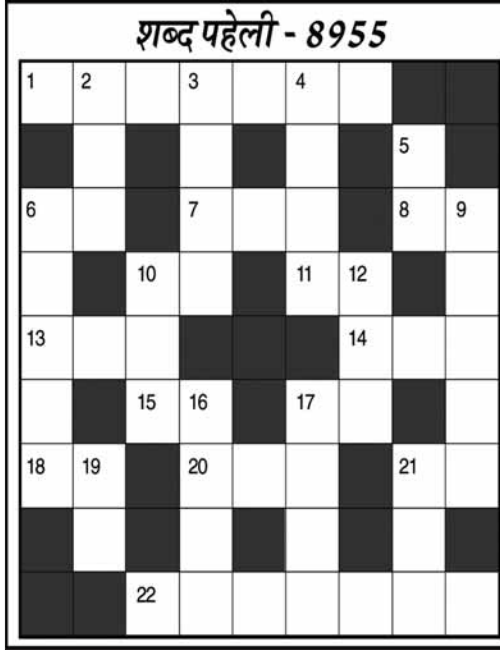

बाएँ से दाएँ

1. कृष्ण का एक नाम-4,3
6. धन,संपत्ति-2
7. इस युवती को बयान बदलने पर जेल की सजा हुई है-3
8. विजय,फतह-2
10. आम जनता,लोग-2
11. लाभ,कुल योग-2
13. निर्माण,कृति-3
14. उत्तर-3
15. नष्ट,विनाश-2
17. रुस्तमे हिंद का सिर्फ नाम-2
18. तह,अस्तर-2
20. राजी होना-3
21. अवरोध,रुकावट-2
22. आतंक फैलना-4,3

ऊपर से नीचे

2. भिड़ंत,मुठभेड़-3
3. इस्लामी महीना-4
4. हाथी,गज-4
5. न्यायाधीश-2
6. जोरदार-5
9. लालसी,आकांक्षी, पिपासु-5
10. स्त्रीत्वपूर्ण,स्त्रीय-3
12. वृतांत,घटना-3
16. हल,निष्कर्ष-4
17. राशन,भोजन-4
19. घोड़ा गाड़ी-2
21. रुकावट,अवरोध-3

शब्द पहेली -8954 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

तेज बहाव के बीच साइकिल सवार सुरक्षा इंतजामों पर सवाल

उमरिया (स्वतंत्रमत)

जिले के उमरार डैम के वेस्टवियर पर पानी के तेज बहाव के बीच एक बालक का साइकिल चलाने का वायरल वीडियो सुरक्षा व्यवस्था की ओर ध्यान खींच रहा है। दरअसल सामने आई तस्वीर में पानी तेज गति से बहता दिखाई दे रहा है, और इसी बीच एक बालक साइकिल लेकर रास्ते से गुजर रहा है। हालात देखकर अंदेशा जताया गया कि जरा सी चूक किसी बड़े हादसे का कारण बन सकती है। बारिश और नदी के बढ़ते जलस्तर के दौरान ऐसे स्थान बड़े खतरानाक होते हैं। पानी का बहाव अचानक तेज होने, रास्ते का कोई हिस्सा कमजोर पड़ने या पैर फिसलने जैसी स्थिति में राहगीर सीधे तेज धारा की चपेट में आ सकता है।

मछली पकड़ने और लकड़ी बटोरने पहुंच रहे लोग

सूत्रों के अनुसार इन दिनों नदी किनारे कुछ लोग मछली पकड़ने, बहकर आई लकड़ियां बटोरने और अन्य कामों के लिए तेज बहाव वाले हिस्सों तक पहुंच रहे हैं। जिला मुख्यालय से दूरस्थ गांव खिचकीड़ी में सोन नदी के तट सहित अन्य क्षेत्रों की सहायक नदियों और नालों पर भी ऐसी स्थिति बनी हुई है। अचानक जलस्तर बढ़ने या तेज धारा की चपेट में आने से गंभीर हादसा हो सकता है। ऐसे में प्रशासन की जिम्मेदारी केवल हादसे के बाद मौके पर पहुंचने तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि हादसा होने से पहले जोखिम वाले स्थानों को चिन्हित कर सुरक्षा व्यवस्था करना भी जरूरी है। ऐसे स्थानों पर चेतावनी बोर्ड, बैरिकेडिंग और निगरानी टीम की व्यवस्था के साथ स्थानीय लोगों को नदी के तेज बहाव से दूर रहने के लिए जागरूक करना भी जरूरी है। वहीं जिन क्षेत्रों से नदी या नालों का बहाव है, वहां पंचायत स्तर पर जिम्मेदारी होनी चाहिए, जिससे ग्रामीण बारिश के दिनों में मछली पकड़ने या लकड़ी बटोरने न पहुंच सकें।

सुरक्षा व्यवस्था पर ध्यान देने की जरूरत

संबंधित विभाग और स्थानीय प्रशासन को ऐसे संवेदनशील रास्तों की स्थिति पर नजर रखते हुए समय रहते जरूरी सुरक्षा इंतजाम करने की आवश्यकता है। रास्ते के किनारे मजबूत रेलिंग, बैरिकेडिंग, चेतावनी बोर्ड और लोगों को सावधान करने के लिए स्पष्ट व्यवस्था होने से जोखिम को कम किया जा सकता है। बारिश के मौसम में नदी और नालों का जलस्तर तेजी से बढ़ने की स्थिति को देखते हुए संवेदनशील स्थानों पर निगरानी और सुरक्षा व्यवस्था को प्राथमिकता देना जरूरी है।फिलहाल सामने आई तस्वीर ऐसे स्थानों पर सुरक्षा इंतजामों की जरूरत को साफ तौर पर सामने रख रही है। हादसा होने से पहले सावधानी और जागरूकता के साथ जरूरी व्यवस्थाएं किए जाने की आवश्यकता है।

कलेक्टर ने मां बिरासिनी माता के दर्शन कर व्यवस्थाओं का लिया जायजा

उमरिया (स्वतंत्रमत)

शनिवार 22 अगस्त को कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय ने गत दिवस बिरसिंहपुर पाली पहुंचकर मां विरासिनी माता के दर्शन कर जिलेवासियों की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। दर्शन उपरांत उन्होंने मंदिर परिसर का निरीक्षण कर श्रद्धालुओं की सुविधा एवं व्यवस्थाओं का जायजा लिया। कलेक्टर ने जवारा कलश स्थल, मंदिर परिसर तथा कार्यालय का अवलोकन किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं मंदिर प्रबंधन से व्यवस्थाओं की जानकारी लेते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने श्रद्धालुओं के आवागमन, स्वच्छता, पेयजल, सुरक्षा, प्रकाश व्यवस्था सहित अन्य आवश्यक सुविधाओं को व्यवस्थित रखने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए सभी व्यवस्थाएं बेहतर ढंग से सुनिश्चित की जाएं। परिसर में साफ-सफाई नियमित रूप से बनाए रखने तथा आवश्यक स्थानों पर व्यवस्थाओं की निगरानी करने के निर्देश भी दिए। कलेक्टर ने विरासिनी मंदिर परिसर को विस्तारित करने के लिए कार्य योजना बनानें के निर्देश एसडीएम पाली को दिए । उन्होंने निर्देशित किया कि मंदिर पहुंच मार्ग को चौड़ा बनानें तथा मंदिर कार्यालय के व्यवस्थित निर्माण की भी कार्य योजना प्रस्तुत करें। इस अवसर पर सीईओ जिला पंचायत अभय सिंह, एसडीएम पाली मीनाक्षी इंगले सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

हैदराबाद में उमरिया के एक मास्टर ट्रेनर सहित 40 मास्टर ट्रेनर्स की कार्यशाला संपन्न

उमरिया (स्वतंत्रमत)। राज्य आनंद संस्थान आनंद विभाग मध्यप्रदेश शासन द्वारा हैदराबाद स्थित कान्हा शांति वनम हार्टफुलनेस एजुकेशन सेंटर में 40 मास्टर ट्रेनर्स की चार दिवसीय ष्हार्टफुलनेस कम्युनिकेशनष्कृहृदय से संवाद कार्यशाला आयोजित की गई। जिसमें उमरिया से मास्टर ट्रेनर दीपक कुमार नामदेव ने सहभागिता की। कार्यशाला का उद्देश्य संवाद को अधिक संवेदनशील, प्रभावी एवं आत्मीय बनाना रहा। प्रशिक्षण में गहराई से सुनने, समानुभूति, भावनाओं एवं जरूरतों को समझने तथा सकारात्मक संवाद जैसे विषयों पर गतिविधियों और अभ्यास के माध्यम से प्रशिक्षण दिया गया। प्रतिभागियों ने बिना निर्णय किए सुनने, पूर्वाग्रहों से मुक्त होने और विवादों को नए दृष्टिकोण से देखने का अभ्यास भी किया। कार्यशाला के दौरान हार्टफुलनेस संस्थान के मार्गदर्शक कमलेश डी पटेल 'दाजी' ने प्रतिभागियों को आध्यात्मिक दर्शन एवं हार्टफुलनेस की चेतना के विभिन्न पहलुओं पर मार्गदर्शन दिया तथा उनकी जिज्ञासाओं का समाधान किया। मास्टर ट्रेनर दीपक ने बताया कि यह संवाद केवल अपनी बात कहने का माध्यम नहीं, बल्कि दूसरे को गहराई से सुनने, समझने और हृदय से जुड़ने की प्रक्रिया है। कार्यशाला में 'जैकाल लैंग्वेज' और 'जिराफ लैंग्वेज' के माध्यम से संवाद की विभिन्न शैलियों को भी समझाया गया। समापन समारोह में मध्यप्रदेश योग आयोग के अध्यक्ष राघवेंद्र शर्मा ने प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र वितरित किया व साथ ही उन्होंने योग, आनंद एवं सामाजिक संगठनों के सहयोग से मध्यप्रदेश में समन्वित व्यवस्था विकसित करने का प्रस्ताव भी रखा।

उमरिया के तक्ष तक्ष्य सोनी का राज्य स्तरीय शतरंज प्रतियोगिता के लिए चयन

उमरिया (स्वतंत्रमत)

जिला अस्पताल उमरिया के सिविल सर्जन डॉ. के.सी. सोनी के सुपुत्र एवं क्रेयन्स पब्लिक स्कूल उमरिया के कक्षा 6 का छात्र तार्क्ष्य सोनी ने अपनी प्रतिभा और मेहनत के दम पर जिले का नाम रोशन किया है। तक्ष तक्ष्य का चयन अंडर-14 वर्ग की राज्य स्तरीय शतरंज प्रतियोगिता के लिए हुआ है। उनकी इस उपलब्धि से परिजनों, विद्यालय परिवार सहित जिले के खेल प्रेमियों में हर्ष का माहौल है। 11 वर्षीय तार्क्ष्य सोनी ने राज्य स्तरीय प्रतियोगिता तक पहुंचने के लिए पहले उमरिया जिला स्तरीय प्रतियोगिता में हिस्सा लिया और अपने उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन करते हुए अगले चरण के लिए स्थान बनाया। इसके बाद 21 अगस्त 2026 को आयोजित शहडोल संभाग स्तरीय शतरंज प्रतियोगिता में भी उन्होंने शानदार प्रदर्शन किया। संभाग स्तर पर

अपनी खेल प्रतिभा, रणनीतिक सोच और एकाग्रता का परिचय देते हुए उन्होंने राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए अपना स्थान सुनिश्चित किया। शतरंज को एकाग्रता, धैर्य, रणनीति और त्वरित निर्णय क्षमता का खेल माना जाता है। कम उम्र में तक्ष तार्क्ष्य द्वारा इस स्तर की प्रतियोगिता में सफलता हासिल करना उनकी मेहनत और प्रतिभा को दर्शाता है। जिला और संभाग स्तर की प्रतियोगिताओं में बेहतर प्रदर्शन के बाद अब वे प्रदेश स्तर पर उमरिया जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे। जानकारी के अनुसार आगामी राज्य स्तरीय अंडर-14 शतरंज चौंपियनशिप का आयोजन सीहोर में 26 से 30 सितंबर 2026 तक किया जाएगा। इस प्रतियोगिता में प्रदेश के विभिन्न जिलों से चयनित प्रतिभाशाली खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। तक्ष तक्ष्य सोनी भी इस प्रतियोगिता में उमरिया जिले का प्रतिनिधित्व करते हुए अपने खेल का प्रदर्शन करेंगे। तार्क्ष्य की इस उपलब्धि पर उनके स्वजनों, शुभचिंतकों और क्रेयन्स पब्लिक स्कूल के शिक्षकों ने प्रसन्नता व्यक्त की है। विद्यालय परिवार ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दी हैं। परिजनों ने भी तक्ष तक्ष्य की सफलता का श्रेय उनकी नियमित मेहनत, अभ्यास और खेल के प्रति समर्पण को दिया है। तार्क्ष्य की इस उपलब्धि से जिले के अन्य विद्यार्थियों को भी खेलों के क्षेत्र में आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलेगी। अब सभी की निगाहें सीहोर में होने वाली राज्य स्तरीय प्रतियोगिता पर टिकी हैं, जहां तक्ष तक्ष्य उमरिया का प्रतिनिधित्व करते हुए अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे।

स्मार्ट मीटर लगाने के नाम पर उपभोक्ताओं पर दबाव, एवरेज बिल से बढ़ी परेशानी

उमरिया (स्वतंत्रमत)। शहर में विद्युत विभाग की कार्यप्रणाली को लेकर उपभोक्ताओं में नाराजगी देखने को मिल रही है। कई उपभोक्ताओं का आरोप है कि विद्युत विभाग एवं संबंधित कंपनी द्वारा उन पर स्मार्ट मीटर लगवाने के लिए लगातार दबाव बनाया जा रहा है। उपभोक्ताओं का कहना है कि उनके घरों में लगे पुराने मीटर चालू हालत में हैं और नियमित रूप से बिजली की खपत दर्ज कर रहे हैं, इसके बावजूद मीटर को बंद अथवा खराब बताकर वास्तविक रीडिंग लेने के बजाय एवरेज बिल जारी किया जा रहा है। उपभोक्ताओं के मुताबिक, जब बिल में खपत अपेक्षा से अधिक दिखाई देती है और वे विभागीय कर्मचारियों से इसकी जानकारी मांगते हैं, तो उन्हें यह कहकर संतुष्ट करने का प्रयास किया जाता है कि यह सब ऊपर से हो रहा है, आप स्मार्ट मीटर लगवा लीजिए। ऐसे में उपभोक्ताओं के सामने सवाल खड़ा हो गया है कि यदि स्मार्ट मीटर लगवाना उपभोक्ता की इच्छा पर निर्भर है, तो फिर उस पर इसे लगवाने के लिए दबाव क्यों बनाया जा रहा है? शहर के कई उपभोक्ताओं का कहना है कि उनके मीटर चालू हैं और उनमें बिजली की खपत भी दिखाई देती है, लेकिन विभाग द्वारा मीटर की रीडिंग दर्ज नहीं की जा रही है।

राखी मेले में स्व-सहायता समूह की दीदियों के लोकल उत्पादों की धूम

उमरिया (स्वतंत्रमत)

कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय के निर्देशन एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अभय सिंह के मार्गदर्शन में मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, जिला पंचायत उमरिया के माध्यम से स्व-सहायता समूह की ग्रामीण महिलाओं द्वारा निर्मित स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से राखी मेले का आयोजन 25 अगस्त तक काली मंदिर के सामने किया जा रहा है। मेले का शुभारंभ 21 अगस्त को किया गया। राखी मेले में राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन से जुड़ी स्व-सहायता समूह की दीदियों द्वारा निर्मित आकर्षक एवं गुणवत्तापूर्ण उत्पादों के स्टॉल लगाए गए हैं। रक्षाबंधन पर्व को ध्यान में रखते हुए मेले में रंग-बिरंगी एवं आकर्षक राखियों की विशेष श्रृंखला उपलब्ध है। जिला प्रबंधक राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन तृप्ति गर्ग ने बताया कि मेले में राखियों के साथ रुमाल, चूड़ियां, लेडीज पर्स, रेडीमेड वस्त्र, दाल, दलिया, चावल, मसाले, वर्मी कम्पोस्ट, मिठाई, हवन सामग्री, मोती माला सहित विभिन्न स्थानीय उत्पादों की प्रदर्शनी एवं बिक्री की जा रही है। मेले के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं को अपने उत्पादों के लिए बाजार उपलब्ध होने के साथ उनकी आय एवं आत्मनिर्भरता बढ़ाने का अवसर मिल रहा है। नागरिकों से अपील की गई है कि वे मेले में पहुंचकर स्व-सहायता समूह की दीदियों द्वारा निर्मित स्थानीय उत्पादों की खरीदारी करें और ग्रामीण महिला उद्यमिता को प्रोत्साहित करें।

कटंगी के वार्ड 2 अर्जुननाला में पेयजल संकट

कटंगी(स्वतंत्र मत)। कटंगी नगर के वार्ड क्रमांक 02 अर्जुननाला में लोग आज भी पीने का पानी नाली में घुसकर निकालने को मजबूर हैं, और वो भी वार्ड पार्षद सुनीता टेम्भरे के घर के ठीक बगल में। गर्मी हो या ठंड, यहां नलों में पानी का टोटा लगा रहता है, और बारिश में जो पानी आता भी है उसकी धार इतनी कम है कि बर्तन लगाने के लिए नाली में उतरना पड़ता है। वार्डवासियों ने बताया कि अर्जुननाला के ऊपरी हिस्से में नगर परिषद द्वारा बिछाई गई पाइप लाइन नाली के भीतर से निकाली गई है। उस पाइप में जो नल जोड़े गए हैं, वे जमीन से नीचे, नाली के अंदर हैं। पानी की धार इतनी कम है कि अगर नलों में पाइप लगा दिया जाए तो ऊपर सड़क पर रखे बर्तन में पानी नहीं पहुंच पाएगा इसलिए महिलाओं को मजबूरन नाली में बर्तन लगाना पड़ता है। वार्ड की महिला अनिता वासनिक ने बताया कि कभी-कभार ही नल आता है। आता भी है तो कुछ मिनटों के लिए। उसमें भी नाली में बर्तन रखना पड़ता है। पार्षद बगल में ही रहती है, कई बार उन्हें भी बोला गया मगर

कहीं कोई सुनवाई हो रही है। एक और युवक कार्तिक ने बताया, गर्मी और ठंडी में तो पानी पूरी तरह बंद हो जाता है। नगर परिषद के टैंकर भी समय पर नहीं आते। अभी बरसात में थोड़ा पानी आ रहा है, लेकिन उसकी धार इतनी कम है कि एक बाल्टी भरने में 03 से 04 मिनट लग जाता है। नालियों में नल लगे हुए है। पार्षद और नगर परिषद से गुहार, पर कोई सुनवाई नहीं। नगर परिषद के अधिकारी हमेशा एक ही जवाब देते हैं अर्जुननाला ऊंचाई पर है, इसलिए वहां पानी का प्रेशर नहीं पहुंच पाता।

छत टपकने से लेकर टंकी बदहाल

कटंगी(स्वतंत्र मत)। विकासखंड कटंगी के अंतर्गत आने वाले प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सिरपुर का महिला एवं बाल विकास स्वास्थ्य विभाग सभापति जिला पंचायत सदस्य केसर बिसेन ने औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उनके साथ खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. विनोद भलावी और स्वास्थ्य विभाग के सचिन अग्रवाल भी मौजूद रहे। बताया जा रहा है कि हाल ही में जिला स्तर पर हुई एक समीक्षा बैठक के दौरान सिरपुर अस्पताल की कई समस्याएं सभापति केसर बिसेन के संज्ञान में आई थी। इसी को गंभीरता से लेते हुए उन्होंने खुद अस्पताल पहुंचकर जमीनी हकीकत देखी। निरीक्षण के दौरान अस्पताल में पदस्थ चिकित्सक डॉ. लक्ष्मी चौधरी और अन्य स्वास्थ्य कर्मचारियों ने सभापति को अस्पताल की स्थिति से अवगत कराया। बारिश में पूरे अस्पताल की छत से पानी टपकता है, जिससे मरीजों और दवाइयों को भी नुकसान हो रहा है। अस्पताल की पानी की टंकी क्षतिग्रस्त हो चुकी है, जिससे पानी की सप्लाई बाधित है। अस्पताल के अंदर की टाइल्स जगह-जगह से उखड़ चुकी हैं। कई कमरों के पंखे बंद पड़े हैं, वायरिंग भी जर्जर हालत में है। स्टाफ के बैठने के लिए कुर्सी-टेबल तक नहीं है। स्टेशनरी और अलमारी पूरी तरह खराब हो चुकी है।

मासूम से दुष्कर्म के आरोपी को 20 साल जेल

बालाघाट(स्वतंत्र मत)। एक मासूम बच्ची के साथ हुई दरिंदगी ने पूरे मामले को झकझोर कर रख दिया था। घटना के करीब दो वर्ष बाद न्यायालय ने आरोपी को दोषी ठहराते हुए 20 वर्ष के कठोर कारावास और कुल 10 हजार रुपये के अर्थदंड की सजा सुनाई है। 22 अगस्त 2026 को विशेष न्यायाधीश (पॉक्सो एक्ट) गौतम सिंह मरकाम ने यह फैसला सुनाया। मामला लामता थाना क्षेत्र का है। अभियोजन के अनुसार, 30 मई 2024 को नाबालिग की मां सुबह घर से बाहर गई थी। घर पर बच्चे मौजूद थे। इसी दौरान आरोपी सुनील पिता धूपलाल

विश्वकर्मा, उम्र 21 वर्ष, ने नाबालिग को बहाने से अपने साथ ले जाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। घटना के बाद मासूम दर्द और डर के बीच रोती रही। शाम को उसने हिम्मत जुटाकर अपनी मां को पूरी आपबीती बताई। बेटी की बात सुनकर मां के पैरों तले जमीन खिसक गई। उसने तत्काल पुलिस थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। इसके बाद पुलिस ने मामले की गंभीरता से विवेचना करते हुए साक्ष्य जुटाए और आरोपी के विरुद्ध न्यायालय में अभियोग पत्र प्रस्तुत किया। विचारण के दौरान सामने आए साक्ष्यों के आधार पर न्यायालय ने आरोपी को दोषी पाया। धारा 376(2) च भादवि में 10 वर्ष का कठोर कारावास एवं 4 हजार रुपये अर्थदंड तथा पॉक्सो एक्ट में 20 वर्ष का कठोर कारावास एवं 6 हजार रुपये अर्थदंड लगाया गया। धारा 376 एबी भादवि की सजा को पॉक्सो एक्ट की सजा में समाहित किया गया। प्रकरण में विशेष लोक अभियोजक कपिल कुमार डहेरिया ने प्रभावी पैरवी की। न्यायालय का यह फैसला पीड़ित परिवार के लिए न्याय की उम्मीद और समाज के लिए एक सख्त संदेश है कि मासूमों की सुरक्षा से खिलवाड़ करने वालों को कानून बख्शेगा नहीं।

बैगा बच्चों की मौत का जिम्मेदार स्वास्थ्य विभाग! दो स्वास्थ्य अधिकारी हटाए

बीमारी से प्रभावित बैगा परिवारों से मछुरदा पहुंचकर उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने की चर्चा- टीकाकरण व मलेरिया अधिकारी हटाए

बालाघाट(स्वतंत्र मत)

मध्यप्रदेश के उप मुख्यमंत्री एवं लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने 22 अगस्त को बालाघाट जिले के बिरसा विकासखंड के ग्राम मछुरदा पहुंचकर बीमारी से प्रभावित बैगा जनजाति के परिवारों से मुलाकात की। उन्होंने प्रभावित परिवारों से उनकी सामाजिक स्थिति, स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं तथा बच्चों की स्थिति के बारे में विस्तार से जानकारी ली और शासन की ओर से हर संभव मदद का भरोसा दिलाया। इसी बीच में उन्होने बैगा अंचल में फैली बिमारी और बच्चों की मौत को लेकर जिला टीकाकरण अधिकारी परेश उपलव और जिला मलेरिया अधिकारी मनीषा जूनेजा को हटाया दिया गया हैं।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने ग्राम पंचायत मछुरदा की बैगा जनजाति की सरपंच श्रीमती जिलसो रामसिंह तिलगाम सहित बैगा परिवारों से बच्चों के टीकाकरण में सहयोग करने की अपील की। उन्होंने कहा कि जिन परिवारों में बच्चों की मृत्यु हुई है, उनके प्रति प्रदेश सरकार की पूरी संवेदना

है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भी इस मामले को गंभीरता से लिया है। उन्होंने कहा कि टीकाकरण बच्चों को संक्रामक बीमारियों से बचाने में महत्वपूर्ण है और इससे उनका जीवन सुरक्षित रखने में मदद मिलेगी। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने बैगा परिवारों से बच्चों की शिक्षा पर विशेष ध्यान देने की अपील की। शिक्षा से बच्चों का भविष्य उज्जवल होगा और वे आगे बढ़कर अपने जीवन में बेहतर अवसर प्राप्त कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि यह क्षेत्र हाल ही में नक्सलवाद से मुक्त हुआ है। अब शासन की योजनाएं और सुविधाएं प्रभावी रूप से इस दूरस्थ क्षेत्र तक पहुंच रही हैं।

जिला टीकाकरण अधिकारी और मलेरिया अधिकारी को बदला गया - पत्रकारों से चर्चा करते हुए उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने बताया कि बालाघाट के जिला टीकाकरण अधिकारी को बदला गया है तथा जिला मलेरिया अधिकारी को हटाया गया है। ब्रजेश पटेल बालाघाट के मलेरिया अधिकारी बनाए गए हैं। वर्तमान में पदस्थ जिला मलेरिया अधिकारी मनीषा जुनेजा को बालाघाट से जबलपुर

स्थानांतरित कर दिया गया है। जिला टीकाकरण अधिकारी का प्रभार डॉ परितोष शुक्ला को सौंपा गया है। उन्होंने कहा कि बैगा बच्चों की मृत्यु के मामले की जांच की जाएगी। यदि जांच में किसी अधिकारी की लापरवाही सामने आती है तो जिम्मेदार अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई करने से सरकार पीछे नहीं हटेगी। उन्होंने कहा कि बैगा जनजाति के परिवारों को स्वास्थ्य एवं अन्य महत्वपूर्ण विषयों को लेकर जागरूक करने के लिए विशेष अभियान चलाया जाएगा। वर्तमान में बिरसा क्षेत्र के 38 ग्रामों में मलेरिया से बचाव के लिए दवाओं का छिड़काव किया जा रहा है। घर-घर जाकर सर्वे किया जा रहा है तथा बीमार लोगों की जांच कर उनका उपचार किया जा रहा है। प्रभावित ग्रामों में टीकाकरण का विशेष अभियान भी चलाया जा रहा है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि वे बैगा बच्चों के पोषण को लेकर भोपाल में महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक करेंगे और इस समस्या का समाधान निकालने के प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि दूरस्थ एवं दुर्गम क्षेत्र में स्वास्थ्य विभाग का मेनपावर बढ़ाया जाएगा। साथ ही आंगनबाड़ी केन्द्रों की सेवाओं को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार बीमारी से प्रभावित बैगा परिवारों के साथ खड़ी है और उन्हें हर संभव सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। इस दौरान मध्यप्रदेश अनुसूचित जनजाति आयोग के सदस्य भगतसिंह नेताम, पूर्व मंत्री रामकिशोर कांवरे, विधायक राजकुमार करहिे, गौरव सिंह पारधी, कलेक्टर कुमार सत्यम, पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा, जिला पंचायत सीईओ अभिषेक सराफ, बैहर एसडीएम अर्पित गुप्ता, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. परेश उपलप सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

बिना अनुमति के बीएसएनएल के ठेकेदार कर रहे काम

नवनिर्मित सड़कों को पहुंचा रहे क्षति, कार्यवाही किए जाने मांग

मण्डला (स्वतंत्र मत)।

जैसे तैसे बड़ी मुश्किल से नगर की सड़कों का सौंदर्यीकरण और चौड़ीकरण किया गया। इस काम में नगर पालिका ने करोड़ो रूपए खर्च किए हैं और वही कटरा बायपास से बिंझिया चौराहा तक लोक निर्माण विभाग ने मजबूतीकरण का टेंडर लगाकर हाल ही में करोड़ो रूपए से सड़क का काम करवाया है। सड़क बनें साल भी नही बीते हैं कि अब इन सड़कों के फुटपाथ और सौंन्द्रर्यीकरण स्थल को केबल लाईन डालने वाले ठेकेदार खोद रहे हैं। जानकारी के अनुसार बीएसएनएल कार्यालय मंडला से नेहरू स्मारक, बिंझिया होते हुए रिलायंस पेट्रोल पम्प तक लाइन डाली जानी है। इस काम को भले ही अंडर ग्राउंड लाइन विस्तार का नाम दिया गया हो लेकिन सड़क के अधिकांश स्थानों में बड़े-बड़े गड्ढे कर दिए गए हैं। जहां रोजाना दुर्घाटना होने की जानकारी भी सामने आ रही है। ठेका कम्पनी के द्वारा बिना अनुमति परमिशन के काम किया जा रहा है न तो सूचना बोर्ड लगाए गए है और न ही बेरीकेट कुलमिलाकर जैसे तैसे जुगाड़ से काम किया जा रहा है। अब इन सड़कों का मरम्मत और सुधार कैसे होगा कौन करेंगा कब

करेंगा यह सवाल आम नागरिक पूछ रहे हैं। शहरवासियों को बेहतर दूरसंचार और तेज इंटरनेट सुविधा उपलब्ध कराने के लिए भारत संचार निगम लिमिटेड बीएसएनएल द्वारा नगर के विभिन्न प्रमुख मार्गों पर लाइन बिछाने का कार्य ठेका में दिया गया है। लेकिन दूसरी ओर सड़क खोदकर किए जा रहे इस कार्य से आम नागरिकों की परेशानी भी बढ़ गई है। शहर के बैगा-बेगी चौक, सिविल लाइन, लालीपुर चौराहा और बिंझिया चौराहा सहित प्रमुख मार्गों पर सड़क खोलकर लाइन डालने का काम चल रहा है। इससे कई स्थानों पर सड़क की सतह क्षतिग्रस्त हो रही है और यातायात व्यवस्था भी प्रभावित हो रही है बीएसएनएल की ओर से जहां एक तरफ अपने नेटवर्क को मजबूत करने और उपभोक्ताओं को बेहतर इंटरनेट सुविधा देने का दावा किया जा रहा है वहीं दूसरी तरफ सड़क खुदाई के चलते नागरिकों को धूल गड्ढों अव्यवस्थित यातायात और दुर्घटना की आशंका जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। प्रमुख मार्गों पर दिनभर वाहनों की आवाजाही रहने के कारण निर्माण कार्य के दौरान जाम जैसी स्थिति भी बन रही है ठेकेदार द्वारा भूमिगत लाइन बिछाने के लिए सड़कों को खोला जा रहा है। लाइन डालने के बाद खुदाई वाले हिस्से को किस स्तर पर और कितनी तेजी से पूर्व स्थिति में लाया जाएगा इसे लेकर भी शहरवासियों में सवाल उठ रहे हैं नागरिकों का कहना है कि विकास और आधुनिक इंटरनेट सुविधा की जरूरत से कोई इनकार नहीं कर सकता लेकिन काम इस तरह होना चाहिए कि आम जनता को अनावश्यक परेशानी न हो शहर के व्यस्त मार्गों पर सड़क काटे जाने से दोपहिया वाहन चालकों को विशेष परेशानी का सामना करना पड़ रहा है सड़क पर खुदाई, मिट्टी और निर्माण सामग्री के कारण वाहन चालकों को सावधानी से गुजरना पड़ रहा है बारिश के मौसम में खुले अथवा अधूरे हिस्से और अधिक परेशानी का कारण बन सकते हैं। ऐसे में संबंधित एजेंसी से अपेक्षा है कि लाइन बिछाने के बाद सड़क की मरम्मत का काम भी तत्काल और गुणवत्तापूर्ण तरीके से कराया जाए शहर में चल रहे लाइन विस्तार कार्य को लेकर नागरिकों का कहना है कि बेहतर नेटवर्क और इंटरनेट आज की जरूरत है लेकिन शहर की सड़कों को लंबे समय तक बदहाल छोड़ना उचित नहीं होगा जिन स्थानों पर सड़क खोदी गई है वहां लाइन डालने का काम पूरा होते ही सड़क की मरम्मत कराई जाए लोगों का यह भी कहना है कि प्रमुख चौराहों और व्यस्त मार्गों पर काम करते समय यातायात व्यवस्था का विशेष ध्यान रखा जाना चाहिए। खुदाई वाले स्थानों पर पर्याप्त सुरक्षा संकेतक और बैरिकेडिंग की व्यवस्था हो ताकि रात के समय वाहन चालकों को दुर्घटना का सामना न करना पड़े नागरिकों की अपेक्षा साफ है इंटरनेट की रफ्तार बढ़े लेकिन शहर की सड़कों की रफ्तार और व्यवस्था बाधित न हो विकास कार्य जनता की सुविधा के लिए हैं इसलिए सुविधा और यातायात व्यवस्था के बीच संतुलन बनाना भी उतना ही जरूरी है।

सीएम राइज के छात्रों ने मारी बाजी

मण्डला/मोहगांव(स्वतंत्र मत)।

विगत दिनों सांईखेड़ा नरसिंहपुर में आयोजित राज्य स्तरीय विज्ञान गणित पर्यावरण एवं सामाजिक विज्ञान प्रदर्शनी में जिले के मोहगांव विकासखंड के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर जिले और विकासखंड का नाम रोशन किया।

प्रतियोगिता के समापन अवसर पर शिक्षा मंत्री राव उदय प्रताप सिंह द्वारा उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। राज्य स्तर प्रतियोगिता में सांदीपनि विद्यालय चाबी के दो विद्यार्थियों ने सफलता हासिल की। इतिहास विषय में कक्षा 9वीं की छात्रा आयुषी प्रजापति ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया जबकि प्रश्न मंच

प्रतियोगिता में कक्षा 8वीं के छात्र निधिश शुक्ला ने तृतीय स्थान हासिल किया।

आयुषी प्रजापति द्वारा प्रस्तुत मॉडल की शिक्षा मंत्री राव उदय प्रताप सिंह ने विशेष सराहना की। दोनों विद्यार्थियों की इस उपलब्धि पर विद्यालय परिवार शिक्षकों एवं क्षेत्रवासियों ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं। राज्य शिक्षा केंद्र के आदेशानुसार कलेक्टर राहुल नामदेव घोटे एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी शाश्वत सिंह मीणा के निर्देश तथा जिला परियोजना समन्वयक अशोक शुक्ला के मार्गदर्शन में मोहगांव विकासखंड के विद्यार्थियों ने जोन स्तर जबलपुर से चयनित होकर राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लिया।

नही बढ़ी रेल सुविधाएं

मण्डला (स्वतंत्र मत)। राष्ट्रीय रेल संघर्ष समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनूप मिश्रा ने बताया कि लोकसभा क्षेत्र आज भी पर्याप्त रेल सुविधाओं से वंचित है। ऐसी स्थिति में मंडला की वास्तविक रेल आवश्यकता की अनदेखी कर अन्य क्षेत्र के लिए सुविधा की घोषणा यहां की जनता के लिए जले घाव पर नमक छिड़कने जैसी है। यह मंडला की जनता की वर्षों से चली आ रही रेल सुविधा की अपेक्षा की भी

उपेक्षा है। मंडला की आदिवासी जनता की ओर से आग्रह है कि मंडला फोर्ट से नागपुर भोपाल एवं नई दिल्ली के लिए नियमित रेल सेवाएं शीघ्र प्रारंभ की जाएं। साथ ही मंडला की रेल आवश्यकताओं के लिए समयबद्ध कार्ययोजना बनाई जाए।

ग्रामीणों को कर रहे जागरूक

मण्डला (स्वतंत्र मत)। भारतीय रिजर्व बैंक के निर्देशानुसार एवं सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के सहयोग से समर्पित संस्थान द्वारा जिले के सभी विकासखंडों में व्यापक वित्तीय साक्षरता कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है। अभियान का उद्देश्य ग्रामीणों को बैंकिंग सेवाओं के प्रति जागरूक करने के साथ सुरक्षित एवं सुगम बैंकिंग को बढ़ावा देना है।

उर्वरक क्रय में अधिक सुविधा

मण्डला (स्वतंत्र मत)। किसानों को उनकी आवश्यकता के अनुसार समय पर उर्वरक उपलब्ध कराने तथा उर्वरक वितरण व्यवस्था को अधिक पारदर्शी और प्रभावी बनाने के उद्देश्य से मध्यप्रदेश शासन द्वारा ई-विकास प्रणाली 2.0 लागू की गई है। नई व्यवस्था में किसानों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए कई महत्वपूर्ण प्रावधान किए गए हैं। ई-विकास 2.0 के माध्यम से मंडला जिले के किसान अपनी आवश्यकता एवं पसंद के अनुसार किसी भी प्रकार का उर्वरक खरीद सकेंगे।

अवैध मदिरा जब्त

मण्डला (स्वतंत्र मत)। कलेक्टर के निर्देशन एवं जिला आबकारी अधिकारी तथा प्रभारी सहायक जिला आबकारी अधिकारी श्रीमती शैली सैयाम के मार्गदर्शन में आबकारी विभाग द्वारा मंडला वृत्त क्षेत्र में अवैध शराब के विक्रय एवं संग्रहण के विरुद्ध दबिश की कार्यवाही की गई। कार्यवाही में आबकारी उपनिरीक्षक भानु पुशाम, हरे सिंह उइके, प्रधान आरक्षक शकुंतला सैयाम, नेतराम काकोटिया एवं विकास कौरव उपस्थित रहे।

वित्तीय साक्षरता शिविर

मण्डला (स्वतंत्र मत)। विकासखंड मवई के हायर सेकेंडरी स्कूल मोतीनाला में वित्तीय साक्षरता केंद्र मंडला द्वारा वित्तीय साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में वित्तीय साक्षरता अधिकारी कृष्णकांत अवस्थी ने विद्यार्थियों को बैंकिंग एवं वित्तीय योजनाओं की जानकारी दी। कार्यक्रम में आरसेटी के डायरेक्टर राजेश राय, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया शाखा मोतीनाला के शाखा प्रबंधक तथा शाला प्रभारी श्रीमती सुलोचना बघेल उपस्थित रहे।

समिति ने निकाली कांवड़ यात्रा

मण्डला (स्वतंत्र मत)। उत्तर वाहिनी परिक्रमा समिति के सदस्य एवं नगर के श्रृद्धालुओं ने माहिष्मती घाट से पवित्र नर्मदा जल भरकर शहर के प्रमुख मार्गों से होते हुए व्यास नारायण मंदिर पहुंचकर भगवान का जलाभिषेक किया। धार्मिक मान्यता है कि श्रवण मास भगवान शिव को अत्यंत प्रिय है। इस माह में किया गया जलाभिषेक और रुद्रार्चन विशेष फलदायी माना जाता है। नर्मदा को जीवनदायिनी कहा गया है। मान्यता है कि नर्मदा का जल स्वयं शिव स्वरूप है। इसलिए श्रावण में नर्मदा जल से अभिषेक करने से मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं।

ओबीसी महासभा ने सौंपा ज्ञापन

मण्डला (स्वतंत्र मत)।

अखिल भारतीय ओबीसी महासभा के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने दस वर्षीय जनगणना में अन्य पिछड़ा वर्ग की जातिगत जनगणना कराए जाने की मांग को लेकर राष्ट्रपति के नाम जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में आगामी जनगणना के प्रपत्र में ओबीसी वर्ग से संबंधित स्पष्ट जानकारी शामिल किए जाने मांग की गई है। ज्ञापन में कहा गया है कि भारत सरकार द्वारा वर्ष 2027 में होने वाली जनगणना की प्रथम चरण की तैयारियां प्रारंभ की जा रही हैं। जनगणना प्रपत्र में विभिन्न बिंदुओं के माध्यम से नागरिकों से जानकारी ली जानी है। महासभा का कहना है कि प्रपत्र में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति सहित अन्य वर्गों से संबंधित जानकारी का प्रावधान है लेकिन ओबीसी वर्ग की जातिगत जनगणना को लेकर स्पष्ट उल्लेख नहीं किया गया है। ओबीसी महासभा ने मांग की है कि जनगणना प्रपत्र में एससी-एसटी की तर्ज पर ओबीसी वर्ग की जातिगत जानकारी के लिए स्पष्ट विकल्प शामिल किया जाए ताकि देश में ओबीसी समाज की वास्तविक जनसंख्या एवं सामाजिक स्थिति का आंकड़ा सामने आ सके।

नवनियुक्त पदाधिकारियों का हुआ स्वागत

मण्डला (स्वतंत्र मत)।

लंबे इंतजार के बाद जिला वनोपज सहकारी यूनियन पूर्व सामान्य मंडला चुनाव सम्पन्न हुए। जहां अध्यक्ष पद पर नवीन गिरी गोस्वामी, उपाध्यक्ष पद पर सावन लाल सरोते, प्रदेश प्रतिनिधि पद पर भारत लाल झारिया तथा जिला सहकारी प्रतिनिधि पद पर मानसिंह मरकाम निर्वाचित हुए। भाजपा ने अपने आठ प्रत्याशी चुनाव में खड़े किए थे जिसमें सभी प्रत्याशियों ने जीत हासिल की। परिणाम सामने आते ही भाजपा कार्यकर्ताओं में उत्साह दिखाई दिया। नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का भाजपा कार्यालय में पुष्पमाला पहनाकर स्वागत एवं सम्मान किया गया। भाजपा जिला अध्यक्ष प्रफुल्ल मिश्रा के नेतृत्व चुनावी रणनीति बनाई गई थी जिसमें संजय कुशराम को चुनाव प्रभारी एवं रोचीराम गुरवानी को चुनाव प्रभारी के रूप में भूमिका दी गई जबकि दानसिंह राजपूत ने सहप्रभारी के रूप में जिम्मेदारी संभाली। भाजपा जिला अध्यक्ष प्रफुल्ल मिश्रा ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई देते हुए कहा कि पार्टी के सभी आठ प्रत्याशियों का निर्वाचित होना संगठन के लिए गर्व की बात है। उन्होंने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों से अपेक्षा जताई कि वे अपनी जिम्मेदारियों का पूरी निष्ठा और ईमानदारी से निर्वहन करेंगे। वहीं नवनिर्वाचित पदाधिकारियों की जीत पर प्रदेश कैबिनेट मंत्री संपतिया उईके, सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते सहित भाजपा के वरिष्ठ पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

डीप्टी सीएम का मंडला आगमन

मण्डला (स्वतंत्र मत)। मध्यप्रदेश के उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल के सर्किट हाउस मंडला आगमन पर कलेक्टर राहुल नामदेव धोटे एवं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी शाश्वत सिंह मीना ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने जिले के विभिन्न अधिकारियों से चर्चा की तथा जिले में संचालित विकास कार्यों एवं प्रशासनिक गतिविधियों की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए शासन की योजनाओं एवं जनकल्याणकारी कार्यक्रमों के प्रभावी क्रियान्वयन पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। इस दौरान विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

धूमधाम से मनाया झूलेलाल चालीसा महोत्सव

मण्डला (स्वतंत्र मत)

प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी भगवानी बाई केवलराम झूलेलाल मंदिर अंबेडकर वार्ड में झूलेलाल चालीसा महोत्सव धूमधाम से मनाया गया। 13 जुलाई से आरंभ चालीसा महोत्सव श्रृद्धालुओं के लिए आस्था का केंद्र रहा इसमें रोजाना विभिन्न आयोजन किए गए जिसमें प्रत्येक शुक्रवार को महाआरती, सांस्कृतिक आयोजन छप्पन भोग एवं अन्य धार्मिक आयोजन शामिल रहे। 21 अगस्त शुक्रवार को चालीस दिन पूर्ण होने के पश्चात श्री झूलेलाल चालीसा महोत्सव का समापन किया गया। जिन श्रृद्धालुओं ने 40 दिन का व्रत रखा था उनके द्वारा हवन पूजन किया गया आहूति दी। हवन पूजन

पंडित रानूनाथ शर्मा की मौजूदगी में संपन्न हुआ तत्पश्चात् भगवान झूलेलाल की आरती की गई चालीसा अखंड दिव्य ज्योत दर्शन हुआ बहिराणा साहिब का पूजन अर्चन किया गया। धर्म आस्था प्रेमी महिलाओं के द्वारा कलश यात्रा निकाली गई एवं बहिराणा साहिब की शोभायात्रा बैंड बाजे के साथ निकाली गई इसमें पुरुष सफेद एवं महिलाएं पिंक ड्रेसकोड में नजर आए। कलश शोभायात्रा अंबेडकर वार्ड स्थित श्री झूलेलाल मंदिर से प्रारंभ होकर नगर के मुख्य मार्गों से होते हुए रंगरेज घाट स्थित मां नर्मदा के पावन तट पर आरती, पूजा, अरदास, पल्लव पूजा के साथ संपन्न हुआ।

संत रविदास जी की 650वीं जयंती पर नैनपुर में निकली भव्य शोभायात्रा

नैनपुर (स्वतंत्र मत)। माघ पूर्णिमा के पावन अवसर पर संत शिरोमणि सतगुरु रविदास जी महाराज की 650वीं जयंती नैनपुर में श्रद्धा, उत्साह और भक्तिभाव के साथ मनाई गई। इस अवसर पर नगर में भव्य शोभायात्रा निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं, युवाओं, बुजुर्गों तथा मातृशक्ति ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

जयंती के अवसर पर सुबह से ही नगर का वातावरण भक्तिमय बना रहा। शोभायात्रा का शुभारंभ थाना परिसर के सामने स्थित विश्राम भवन से हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती कृष्णा पंजवानी ने उपस्थितजनों के साथ दीप प्रज्वलित कर एवं संत रविदास जी के चित्र पर पुष्पमाला अर्पित कर

की। इसके बाद कलश पूजन किया गया।

शोभायात्रा में शामिल श्रद्धालु च्जय गुरुदेव, धन गुरुदेवज्ज और च्मन चंगा तो कठौती में गंगाज्ज जैसे जयघोष करते हुए आगे बढ़े। भक्ति और उत्साह से सराबोर शोभायात्रा मुख्य बाजार, रेलवे स्टेशन रोड और बस स्टैंड सहित नगर के प्रमुख मार्गों से गुजरी। मार्ग में जगह-जगह नगरवासियों एवं व्यापारियों ने पुष्पवर्षा कर शोभायात्रा का आत्मीय स्वागत किया।

शोभायात्रा के दौरान संत रविदास जी के विचारों और उनके सामाजिक समरसता के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास किया गया। आयोजकों ने कहा कि संत रविदास जी ने समता, समानता, मानवता और भाईचारे का संदेश देते हुए समाज में व्याप्त भेदभाव और जातिगत संकीर्णताओं के विरुद्ध आवाज उठाई। उन्होंने कर्म की महत्ता को सर्वोपरि माना। उनके विचार आज भी समाज को एकता और सद्भाव की राह दिखाते हैं।

नगर भ्रमण के पश्चात शोभायात्रा वार्ड क्रमांक 7 स्थित संत रविदास मंदिर पहुंची, जहां श्रद्धापूर्वक कार्यक्रम का समापन हुआ। इसके उपरांत भंडारे एवं प्रसाद वितरण का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।

आयोजन के दौरान शांति एवं सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस बल भी तैनात रहा। श्रद्धा, उत्साह और सामाजिक समरसता से ओतप्रोत संत रविदास जयंती का यह आयोजन नैनपुर में एकता, भाईचारे और सामाजिक सद्भाव का संदेश दे गया।

पूर्व प्रधानमंत्री की जयंती मनाई

मण्डला/मवई (स्वतंत्रमत)। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी मवई द्वारा भारत रत्न स्व. राजीव गांधी की जयंती को सद्भावना दिवस के रूप में मनाया गया और उन्हें श्रद्धा-सुमन अर्पित किए गए। राजीव गांधी आधुनिक भारत के निर्माण के लिए दूरदर्शी सोच रखने वाले नेता थे।

उन्होंने पंचायती राज व्यवस्था को मजबूत आधार दिया युवाओं को नई दिशा दी तथा नवोदय विद्यालय जैसे उत्कृष्ट शिक्षा संस्थानों की नींव रखी। कार्यक्रम में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ नेता शशिकांत साहू, विधायक प्रतिनिधि एजाज खान, प्रकाश साहू, नसीम खान, राकेश साहू, सामाजिक कार्यकर्ता संत कुमार सहित कांग्रेस के साथी एवं गणमान्यजन उपस्थित रहे।

नैनपुर में आफत की बारिश : नदी-नाले उफान पर, कई क्षेत्रों का संपर्क टूटा

बाढ़ का नजारा देखने लोगों की लगी भीड़

नैनपुर (स्वतंत्र मत)।

नैनपुर एवं आसपास के ग्रामीण अंचलों में पिछले दो दिनों से रुक-रुककर हो रही तेज बारिश ने जनजीवन को प्रभावित कर दिया है। लगातार बरसात के चलते क्षेत्र के नदी-नाले उफान पर हैं और कई मार्गों पर आवागमन बाधित होने से लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

कल देर रात तक नैनपुर-पिंडरई, नैनपुर-डिठौरी और नैनपुर-बालाघाट मार्ग के कई हिस्से नदी-नालों में बाढ़ के कारण

प्रभावित रहे। पानी का बहाव तेज होने से इन मार्गों पर आवागमन बाधित रहा और कई लोग रास्तों में फंसे रहे। नगर के दोनों छोरों पर बहने वाली थावर और चकोर नदियां भी लगातार बारिश के चलते उफान पर हैं।

लगातार हो रही बारिश अब लोगों के लिए आफत बनती नजर आ रही है। नगर के निचले इलाकों में भी बाढ़ और बारिश का पानी पहुंचने लगा है। शांति नगर वार्ड क्रमांक 4 के बाबा टोला तथा वार्ड क्रमांक 1 की पुरानी बस्ती के

निचले हिस्सों में पानी पहुंचने से रहवासियों में चिंता बढ़ गई है। यदि बारिश का दौर इसी तरह जारी रहा और नदियों का जलस्तर बढ़ा, तो निचले इलाकों में रहने वाले लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने की आवश्यकता पड़ सकती है।

इधर, लगातार बारिश के कारण दर्जनों ग्रामीण क्षेत्रों का नैनपुर से संपर्क भी प्रभावित हुआ है। इससे ग्रामीणों की दैनिक गतिविधियां प्रभावित होने के साथ ही आवागमन और आवश्यक कार्यों के लिए लोगों को परेशानी उठानी पड़ रही है।

बढ़ते जलस्तर और संभावित परिस्थितियों को देखते हुए स्थानीय प्रशासन भी अलर्ट मोड पर है। प्रशासन द्वारा नदी-नालों और निचले इलाकों की स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है तथा लोगों को सतर्क रहने की अपील की जा रही है। प्रशासन ने लोगों से जलभराव वाले क्षेत्रों और उफनते नदी-नालों के समीप जाने से बचने की भी हिदायत दी है।

बारिश का यह दौर यदि आगे भी जारी रहता है तो क्षेत्र में हालात और चुनौतीपूर्ण हो सकते हैं। ऐसे में प्रशासन के साथ-साथ आम नागरिकों को भी सतर्कता बरतने और संभावित आपदा की स्थिति में सहयोग के लिए तैयार रहने की जरूरत है।

स्वतंत्र मत
जबलपुर
रविवार 23 अगस्त 2026

छत्तीसगढ़ का प्रयागराज राजिम, जहाँ सृष्टि की रचना हुई

डॉ. वन्दना पाण्डेय दुबे

राजिम महानदी, पैरी और सौंडोर नदी के तट पर बसा है। माना जाता है राजिम का प्राचीन नाम कमल क्षेत्र था। राजिम में मंदिरों की श्रंखलाएँ हैं। यहाँ का कुलेश्वर महादेव एवं राजीव लोचन मंदिर अत्यंत विख्यात लोकप्रिय और मुख्य तीर्थ स्थल के रूप में माना जाता है। ऐसा कहा जाता है कि भगवान विष्णु की नाभि से कमल यहीं गिरा था और ब्रह्मा जी ने सृष्टि की रचना इसी स्थल से प्रारंभ की। कमलक्षेत्र अर्थात राजिम के नाम से जाना जाने वाला यह प्रसिद्ध स्थल सदियों पुराना है। राजीव लोचन मंदिर जिसमें भगवान विष्णु अपने वाहन गरुड़ के साथ विराजमान हैं। इस मंदिर के ठीक सामने हर-हर महादेव मंदिर स्थित है। यहां के पुरोहित बताते हैं कि भारत का यह एकमात्र स्थल है जहाँ भगवान विष्णु (हरि)और भगवान महादेव (हर) का मंदिर एक दूसरे के सम्मुख है इसी कारण यह हरिहर मंदिर परिसर के नाम से जाना जाता है।

राजिम में नदियों के संगम पर कुलेश्वर महादेव जी का मंदिर भी आस्था और आकर्षण का केंद्र है। जल धाराओं के बीच स्थिति यह मंदिर स्थापत्य कला का बेजोड़ नमूना है। मान्यताओं के अनुसार मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम ने इसी स्थान पर अपने कुलदेवता भगवान शंकर की पूजा अर्चना की थी जिसे महादेव मंदिर के नाम से जाना जाता है। आस्था -विश्वास आध्यात्मिक ,धार्मिक स्थल के साथ-साथ इसे सांस्कृतिक धरोहर के रूप में भी जाना जाता है। प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग यहां श्रद्धा-विश्वास से दर्शनार्थ आते हैं। हर वर्ष यहाँ माघ पूर्णिमा से शिवरात्रि तक भव्य मेले का आयोजन किया जाता है,जिसमें दूर दराज से हजारों श्रद्धालु इस स्थल पर एकत्रित होते हैं । यहां हर कामना पूरी होती है मान्यता तो यह भी है कि यहां के दर्शन के बिना तीर्थ यात्रा अधूरी होती है।

नदी के बीचों -बीच स्थित यह मंदिर अत्यंत रमणीय है। चारों ओर हरियाली,शीतल बयार, खुला आसमान और स्वछ निर्मल नीर आत्मा को शांति प्रदान करता है। निकट में ही आश्रम स्थित है। कुछ दूरी पर बनाया गया गौमुख और उसके आसपास की पत्थर की कला कृतियां बरखा ऋतु में ऊपर से बहती जलधारा संपूर्ण वातावरण को और अधिक मनोरम बना देती हैं। स्थानीय लोग बताते हैं कि वर्षा ऋतु में छत्तीसगढ़ की जीवन रेखा मानी जाने वाली महानदी अपनी सहायक नदियों के साथ कुलेश्वर महादेव जी का स्पर्श कर आशीर्वाद प्राप्त करती है और क्षेत्र वासियों को धन धान्य से परिपूरित करती हैं।

अनेक किवदंतियों के बीच इतिहास के पन्ने पलटने पर ज्ञात होता है कि नल राजवंश के प्रतापी शासक विलासतुंग ने राजिम राजीव लोचन मंदिर का निर्माण 660 -700 ईस्वी के बीच कराया था। विलासतुंग भगवान विष्णु के उपासक थे वे पांडुवंशीय शासक महाशिव गुप्त बालार्जुन के समकालीन थे। तत्कालीन समय को छत्तीसगढ़ का स्वर्णिम युग कहा जाता है। कला ,धर्म, स्थापत्य एवं सांस्कृतिक विकास इस समय चरमोत्कर्ष पर था। मंदिर के निर्माण में राजा रत्नदेव द्वितीय और जयदेव प्रथम के भी नामों का उल्लेख आता है। इस स्थल के सम्बंध में अनेक अन्य कथाएं भी प्रचलित है।

छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के जिला गरियाबंदमें स्थित राजिम गाँव का पहुंच मार्ग अत्यंत सरल सुगम है। शानदार पक्की सड़कों पर नियमित बस व्यवस्था की सुविधा है। रायपुर से मात्र 45 किलोमीटर की दूरी पर स्थित राजिम स्वयं के वाहन से भी आसानी से पहुंचा जा सकता है।

संगम पर बसे छत्तीसगढ़ के प्रयागराज कहलाने वाले आस्था -विश्वास के साथ संस्कृति की महक, अद्भुत स्थापत्य शिल्प कला युक्त ऐतिहासिक और पुरातात्विक महत्व वाले राजीव लोचन और कुलेश्वर महादेव मंदिर के दर्शन करने अवश्य एक बार राजिम जाएं।

प्राचार्य
चंचलबाई महाविद्यालय जबलपुर

रक्षाबंधन पर भाई की कलाई से पहले मंदिर में इन देवताओं को बांधें राखी, दूर होंगी सभी परेशानी

दिव्यांशी भदौरिया

रक्षाबंधन का त्योहार भाई-बहन के प्रेम का प्रतीक है। अपने भाई की कलाई पर बहनें राखी बांधती हैं और उनके भाई हमेशा साथ देने का वचन देते हैं। दरअसल, यह बंधन वैसे ही अटूट है, लेकिन राखी के डोर इसे और ज्यादा मजबूत बनाती है। आमतौर पर राखी मुख्य रुप से भाई को बांधी जाती है, लेकिन इससे पहले भगवान का आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए देवी-देवताओं की भी राखी की डोर बांधी जाती है और यह परंपरा काफी समय से चली आ रही है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, यदि राखी भाई से पहले ईश्वर को बांधी जाती है तो उनका आशीर्वाद भाई-बहन के रिश्ते में बना रहता है और इस बंधन को जन्मों तक के लिए अटूट बनाता है। आइए आपको बताते हैं सबसे पहले राखी कौन-सी भगवान को बांधनी चाहिए।

सबसे पहले गणपति को राखी बांधें

प्रथम पूज्य भगवान गणेश को सबसे पहले रांखी बांधे। श्री गणेश की मूर्ति पर राखी बांधते हैं, तो आपके और भाई के जीवन की सभी बाधाओं को दूर करने का आशीर्वाद प्राप्त होता है। अगर आपका भाई किसी कारण से दूर है, तो आप गणपति जी को भाई के जगह पर राखी बांध सकते हैं।

शिवजी को बांधें राखी

इसके बाद, आप भगवान शिव की प्रतिमा या शिवलिंग पर राखी बांध सकते हैं। असल में यह पर्व सावन के महीने की पूर्णिमा को आता है, इसलिए भगवान शिव को राखी बांधने से भाई और बहन के रिश्ते में प्रेम बढ़ता है और सभी समस्याएं दूर हो जाती है।

हनुमानजी को बांधें राखी

सनातन धर्म में हनुमान जी को संकटमोचन कहा जाता है, इसलिए आप शिवजी के बाद इनकी मूर्ति या तस्वीर पर राखी बांध सकते हैं। ऐसा करने से जीवन में आने वाली सभी बाधाएं दूर हो जाएगी और आपके भाई के ऊपर भी बजरंगबली की कृपा बनीं रहेगी।

लड्डू गोपाल को बांधें राखी

अगर आपके घर में लड्डू गोपाल विराजमान है, तो उन्हें आप राखी जरुर बांधें। ऐसा करने से भाई-बहन दोनों के जीवन में भाग्य चमक उठता है और सुख-समृद्धि बनीं रहती है। अगर लड्डू गोपाल घर में नहीं हैं, तो आप कन्हा की मूर्ति को राखी बांध सकते हैं।

मंदिर में रखे सभी देवों को बांधें राखी

इतना ही नहीं, आपके मंदिर में जितने देवी-देवताएं विराजमान है, उन सभी मूर्तियों और तस्वीरों को राखी बांध सकती हैं। इसके साथ ही धार्मिक ग्रंथों के भीतर राखी की डोर रख सकते हैं। रक्षाबंधन वाले दिन सभी देवी-देवताओं को राखी बांधने के बाद अपने भाई की कलाई में राखी बांधें। ऐसा करने से सभी देवी-देवताओं का आशीर्वाद प्राप्त होगा।

भाई-बहिन के स्नेह का प्रतीक है रक्षाबंधन का पर्व

रमेश सर्राफ धमोरा

भारत एक ऐसा देश है जहाँ लोग साल भर त्यौहार मनाते रहते हैं। उनमें से राखी का त्यौहार लोगों के दिलों में बहुत खास जगह रखता है। बाकी सभी त्यौहारों के मुकाबले रक्षाबंधन एक अलग रिश्ते के महत्व को जताने और दिखाने का उत्सव होता है। बच्चे हों या बुजुर्ग, अपने भाई या बहन के साथ के खास रिश्ते के लिए सभी साल दर साल इसे यादगार तरीके से मनाते रहते हैं। रक्षाबंधन का पर्व भाई और बहन के बीच पवित्र स्नेह को सदियों से दर्शाता चला आ रहा है। रक्षाबंधन का अर्थ होता है रक्षा का बंधन।

हिन्दू धर्म के सभी धार्मिक अनुष्ठानों में रक्षासूत्र बांधते समय पण्डित संस्कृत में एक श्लोक का उच्चारण करते हैं। जिसमें रक्षाबन्धन का सम्बन्ध राजा बलि से स्पष्ट रूप से दृष्टिगोचर होता है। यह श्लोक रक्षाबन्धन का अभीष्ट मन्त्र है।

येन बद्धो बलि राजा दानवेन्द्रो महाबलः
तेन त्वाम प्रतिबद्धनामी रक्षे माचल माचलः

इस श्लोक का अर्थ है जिस रक्षासूत्र से महान शक्तिशाली दानवेन्द्र राजा बलि को बांधा गया था, उसी सूत्र से मैं तुझे बांधता हूं। तुम अपने संकल्प से कभी भी विचलित मत होना।

भारत में रक्षाबंधन के पवित्र पर्व को बड़े ही धूमधाम से मनाया जाता है। इसे रिश्तों में मिठास, विश्वास और प्रेम बढ़ाने वाला पर्व माना गया है। इस दिन बहनें भाई की कलाई पर राखी बांधती हैं और उसकी लंबी उम्र की कामना करती हैं। इस दौरान भाई भी अपनी बहन को रक्षा का वचन देता है और क्षमता के अनुसार उसे उपहार देता है। रक्षाबन्धन का पर्व भाई-बहिन के स्नेह का प्रतीक देश का एक प्रमुख त्यौहार है। श्रावण मास की पूर्णिमा के दिन मनाये जाने के कारण इसे श्रावणी पर्व भी कहते हैं। इस दिन ब्राह्मण, गुरु द्वारा भी राखी बांधी जाती है। रक्षाबन्धन पर्व सामाजिक और पारिवारिक एकबद्धता का सांस्कृतिक उपाय रहा है। समाज के विभिन्न वर्गों के बीच भी एक सूत्रता के रूप में इस पर्व का उपयोग किया जाता है।

रक्षाबंधन का त्योहार कब शुरू हुआ यह कोई नहीं जानता। लेकिन भविष्य पुराण में इस पर्व का वर्णन मिलता है। जब देवताओं और दानवों में युद्ध शुरू हुआ। तब देवताओं पर दानव हावी होने लगे। देवराज इन्द्र ने घबरा कर देवताओं के गुरू बृहस्पति से मदद की गुहार की। वहां बैठी इन्द्र की पत्नी इन्द्राणी सब सुन रही थी। उन्होंने रेशम का धागा मन्त्रों की शक्ति से पवित्र करके अपने पति के हाथ पर बांध दिया। संयोग से वह श्रावण पूर्णिमा का दिन था। लोगों का विश्वास है कि इन्द्र इस लड़ाई में इसी धागे की मन्त्र शक्ति से ही विजयी हुए थे। उसी दिन से श्रावण पूर्णिमा के दिन यह धागा बांधने की प्रथा चली आ रही है। यह धागा धन, शक्ति, हर्ष और विजय देने में पूरी तरह समर्थ माना जाता है।

विष्णु पुराण के एक प्रसंग में कहा गया है कि श्रावण की पूर्णिमा के दिन भगवान विष्णु ने हयग्रीव के रूप में अवतार लेकर वेदों को ब्रह्मा के लिये फिर से प्राप्त किया था। हयग्रीव को विद्या और बुद्धि का प्रतीक माना जाता है। महाभारत में ही रक्षाबन्धन से सम्बन्धित कृष्ण और द्रौपदी का एक और वृत्तान्त भी मिलता है। जब कृष्ण ने सुदर्शन चक्र से शिशुपाल का वध किया तब उनकी तर्जनी में चोट आ गई। द्रौपदी ने उस समय अपनी साड़ी फाडकर उनकी उंगली पर पट्टी बांध दी। यह श्रावण मास की पूर्णिमा का दिन था। कृष्ण ने इस उपकार का बदला बाद में चीरहरण के समय उनकी साड़ी को बढ़ाकर चुकाया। कहते हैं परस्पर एक दूसरे की रक्षा और सहयोग की भावना रक्षाबन्धन के पर्व में यहीं से प्रारम्भ हुई।

महाभारत में भी इस बात का उल्लेख है कि जब युधिष्ठिर ने भगवान कृष्ण से पूछा कि मैं सभी संकटों को कैसे पार कर सकता हूं। तब भगवान कृष्ण ने उनकी तथा उनकी सेना की रक्षा के लिये राखी का त्योहार मनाने की सलाह दी थी। उनका कहना था कि राखी के इस रेशमी धागे में वह शक्ति है जिससे आप हर विपत्ति से मुक्ति पा सकते हैं। इस समय द्रौपदी द्वारा कृष्ण को तथा कुन्ती द्वारा अभिमन्यु को राखी बांधने के कई उल्लेख मिलते हैं।

स्कन्ध पुराण, पद्मपुराण और श्रीमद्भागवत में वामनावतार नामक कथा में रक्षाबन्धन का प्रसंग मिलता है। दानवेन्द्र राजा बलि ने जब 100 यज्ञ पूर्ण कर स्वर्ग का राज्य छीनने का प्रयत्न किया तो इन्द्र आदि देवताओं ने भगवान विष्णु से प्रार्थना की। तब भगवान विष्णु वामन अवतार लेकर ब्राह्मण का वेष धारण कर राजा बलि से भिक्षा मांगने पहुंचे। गुरु के मना करने पर भी राजा बलि ने तीन पग भूमि दान कर दी। भगवान ने तीन पग में सारा आकाश, पाताल और धरती नापकर राजा बलि को पाताल लोक में भेज दिया।कहते कि पाताल लोक में राजा बलि ने भक्ति के बल पर भगवान विष्णु से रात-दिन अपने सामने रहने का वचन ले लिया। भगवान के घर न लौटने से परेशान लक्ष्मी जी को नारद जी ने एक उपाय बताया। उस उपाय का पालन करते हुए लक्ष्मी जी ने राजा बलि के पास जाकर उसे रक्षाबन्धन बांधकर अपना भाई बनाया और अपने पति भगवान विष्णु को अपने साथ ले आयीं। उस दिन श्रावण मास की पूर्णिमा तिथि थी।

उत्तरांचल में इसे श्रावणी कहते हैं। ब्राह्मण अपने यजमानों को यज्ञोपवीत तथा राखी देकर दक्षिणा लेते हैं। अमरनाथ की अतिविख्यात धार्मिक यात्रा गुरु पूर्णिमा से प्रारम्भ होकर रक्षाबन्धन के दिन सम्पूर्ण होती है। कहते हैं इसी दिन यहां का हिमानी शिवलिंग भी अपने पूर्ण आकार को प्राप्त होता है। इस उपलक्ष्य में इस दिन अमरनाथ गुफा में प्रत्येक वर्ष मेले का आयोजन भी होता है। नेपाल के पहाडी इलाकों में ब्राह्मण एवं क्षत्रीय समुदाय में रक्षा बन्धन गुरू के हाथ से बांधा जाता है। लेकिन दक्षिण सीमा में रहने वाले भारतीय मूल के नेपाली भारतीयों की तरह बहन से राखी बंधवाते हैं।

महाराष्ट्र में यह त्योहार नारियल पूर्णिमा या श्रावणी के नाम से विख्यात है। इस दिन लोग नदी या समुद्र के तट पर जाकर अपने जनेऊ बदलते हैं और समुद्र की पूजा करते हैं। राजस्थान में रामराखी और चूड़ाराखी या लूंबा बांधने का रिवाज है। रामराखी सामान्य राखी से भिन्न होती है। इसमें लाल डोरे पर एक पीले छींटों वाला फुंदना लगा होता है। यह केवल भगवान को ही बाँधी जाती है। चूड़ा राखी भाभियों की चूडियों में बांधी जाती है। राजपूत योद्धा जब शत्रु से युद्ध करने जाते थे तब महिलाएं उनको माथे पर कुमकुम का तिलक लगाने के साथ हाथ में रेशमी धागा भी बांधती थी। इस विश्वास के साथ कि यह धागा उन्हे विजयश्री के साथ वापस ले आयेगा।

रक्षा बंधन भाई-बहन के प्रेम का प्रतीक है। भारतीय संस्कृति इतनी लचीली है कि इस में हर संस्कृति समाहित होती चली जाती है। कश्मीर से कन्याकुमारी तक, सौराष्ट्र से असम तक देखें तो यहां के लोग प्रतिदिन कोई न कोई त्योहार मनाते मिलेंगे। इन त्योहारों के मूल में आपसी रिश्तों के बीच मधुरता घोलने एवं सरसता लाने की भावना रहती है। भाई-बहन के बीच प्यार, मनुहार व तकरार होना एक सामान्य सी बात है। लेकिन रक्षा बंधन के दिन बहन द्वारा भाई के हाथ में बांधे जाने वाले रक्षा सूत्र में भाई के प्रति बहन के असीम स्नेह और बहन के प्रति भाई के कर्तव्यबोध को पिरोया गया है।

नोबेल पुरष्कार विजेता कवि रवींद्रनाथ टैगोर ने 1905 में बंगाल विभाजन का विरोध करने के लिए इस त्योहार को मनाने को प्रोत्साहित किया था। वह इस त्योहार के माध्यम से विभिन्न समुदायों के बीच एक मजबूत संबंध बनाना चाहते थे। उन्होंने हिंदुओं और मुसलमानों को एक-दूसरे के हाथों पर राखी बांधने के लिए प्रोत्साहित किया, जो भाईचारे और अपने समुदाय के लिए प्यार का प्रतीक है। इस त्यौहार का जश्न ब्रिटिश शासकों और बंगाल के विभाजन और हिंदुओं और मुसलमानों के बीच मतभेदों के खिलाफ एक शक्तिशाली प्रयास था।

बच्चों को दें ये जानकारी

बच्चों को शुरु से ही खाने पीने के सामान पर बने निशाने के बारे में भी जरुरी जानकारी देनी चाहिये। इससे उन्हें सही सामान लेने में सहायता मिलेगी। इसलिए अभिभावकों का काम है कि उन्हें इसके बारे में बतायें। बच्चों को बताये कि पैकेट में किस प्रकार का सामान है उसके जानकारी ये निशान देते हैं। इसका कारण है कि कुछ लोग शुद्ध शाकाहारी होते हैं। वहीं कुछ मांसाहारी होते हैं। कुछ लोग मीट नहीं खाते लेकिन अंडे खाते हैं। इसलिए खाने पीने के सामान पर इसके संकेत होते हैं। सामान पर लाल या हरा निशान बना होता है। लोग इसे देखकर जान पाते हैं कि प्रोडक्ट वेज है या नॉन वेज। लाल और हरे के अलावा भी इन पैकेट्स पर कई दूसरे रंग के निशान भी होते हैं। इसमें नीला, पीला और काला शामिल है। इन रंगों का भी काफी महत्व है और इससे उस खाद्य पदार्थ के बारे में कई चीजें पता चलती है।

ये होता है मतलब

अभी तक लोगों को सिर्फ लाल और हरे निशान का ही मतलब पता है। लाल निशान वाली चीजें नॉन वेज होती है जबकि हरी शाकाहारियों के लिए बेस्ट होती है पर कई फूड प्रोडक्ट्स पर नीला, पीला और काला निशान भी होता है। आपको इन रंगों का मतलब शायद ही पता होगा। आपको बता दें कि अगर किसी पैकेट पर नीला निशान है तो इसका मतलब है कि वो प्रोडक्ट मेडिकल से जुड़ा है। अगर इसपर पीला निशान है तो मतलब उसमें अंडा मिला हुआ है. वहीं काले निशान वाली चीजों में कई केमिकल्स मिलाए जाते हैं। अगर आप किसी खाद्य पदार्थ को खरीद रहे हैं, उससे पहले इन निशानों को जरूर चेक कर लें। आपको प्रोडक्ट में काला निशान नजर आता है तो उस चीज को भूल से भी ना खरीदे। काला निशान ये दर्शाता है कि उस खाद्य पदार्थ में जमकर केमिकल्स मिलाए गए हैं।

इन विटामिन वाले आहारों से बच्चों की आंखें होंगी तेज

ज्यादातर मोबाइल और लैपटॉप इस्तेमाल करने के कारण आजकल बच्चों की आंखे कमजोर होने लगी हैं। इसके अलावा गलत खान-पान भी बच्चों की आंखे कमजोर होने के मुख्य कारण है। ऐसे में छोटी उम्र में ही उन्हें चश्मा लगने लगा है। इसके अलावा पोषण की कमी के कारण भी बच्चों की आंखे कम उम्र में ही कमजोर होने लगती हैं। ऐसे में बच्चों की आंखों को तेज बनाने इन विटामिनों से भरे फल उन्हें दें।

विटामिन-ई

विटामिन-ई से भरपूर आहार आप बच्चों की डाइट में शामिल कर सकते हैं। इसके लिए आप बच्चों को बादाम, मूंगफली, मक्के का तेल, सरसों के बीज जैसी चीजें खिला सकते हैं।

विटामिन-ए

यह शरीर की इम्यूनिटी मजबूत बनाने और आई साइट को मजबूत बनाने में मदद करता है। शरीर में यदि इस विटामिन की कमी हो जाए तो बच्चों की आंखे तेजी से कमजोर होने लगती है। ऐसे में आप उन्हें डाइट में अंडा, लीवर, दूध, हरी सब्जियां, स्वीट पोटैटो, रंग-बिरंगे फल आदि खाने के लिए दें। जिंक की कमी भी आंखों में रोशनी कम होने की समस्या बढ़ सकती है। जिकं की कमी बच्चों के शरीर से पूरी करने के लिए आप उन्हें ओएस्टर, गेंहू और तरह के नट्स दे सकते हैं।

ओमेगा 3 फैटी एसिड

इसकी कमी होने के कारण भी बच्चों की आंखें कमजोर हो सकती हैं। ऐसे में बच्चों के शरीर में से ओमेगा-3 फैटी एसिड की कमी पूरी करने के लिए आप ड्राई फ्रूट्स, कोल्ड वॉटर फिश, ब्रोकली उन्हें दे सकते हैं।

इस प्रकार बच्चों को मोबाइल की आदत से दूर करें

आजकल के बच्चों में मोबाइल फोन की आदत बहुत तेजी से बढ़ रही है। छोटा-सा बच्चा भी बार-बार फोन मांगता है, रोता है, जिद करता है और बिना फोन के चुप नहीं बैठता। यह आदत न सिर्फ पढ़ाई पर असर डालती है, बल्कि आंखों की रोशनी, नींद और व्यवहार पर भी बुरा प्रभाव पड़ता है लेकिन अच्छी बात यह है कि थोड़ी समझदारी और लगातार कोशिश से इस आदत को छुड़ाया जा सकता है। इन तीन उपायों से बच्चा खुद फोन कम मांगेगा।

स्क्रीन टाइम तय करें

सबसे पहले घर में एक साफ नियम बनाएं कि फोन या टैबलेट सिर्फ तय समय पर ही इस्तेमाल होगा, जैसे दिन में 30-60 मिनट से ज्यादा नहीं. बच्चे को पहले से बता दें कि 'खेलने के बाद 30 मिनट फोन, फिर बंद!'

फोन की सेटिंग में जाकर स्क्रीन टाइम लिमिट लगा दें! एंड्रॉयड या आईफोन में पैरेंटल कंट्रोल ऑन करें, जहां आप ऐप्स को लॉक कर सकते हैं या समय खत्म होने पर ऑटोमैटिक बंद हो जाए। जब बच्चा बार-बार मांगे तो प्यार से कहें, 'देखो, टाइमर खत्म हो गया, अब हम साथ कुछ और खेलेंगे.' इससे बच्चे को लगेगा कि नियम सबके लिए हैं, न कि सिर्फ उस पर रोक लगी है. धीरे-धीरे वह आदत डाल लेगा और जिद कम होगी।

बच्चे को रोचक काम दें

ज्यादातर बच्चे फोन इसलिए मांगते हैं क्योंकि उन्हें कुछ और करने को नहीं मिलता. बोर होने पर फोन सबसे आसान लगता है। इसलिए घर में दूसरी एक्टिविटी बढ़ाएं। जैसे- बाहर पार्क में खेलना, साइकिल चलाना, घर में बोर्ड गेम खेलना, पेंटिंग करना, किताब पढ़ना या साथ मिलकर खाना बनाना. बच्चे को शामिल करें, जैसे 'आज हम सब मिलकर टेंट बनाएंगे!' या 'चलो, तुम्हारी फेवरेट स्टोरी सुनाऊं।'

जब बच्चा व्यस्त रहेगा तो फोन की याद ही नहीं आएगी. शुरुआत में मुश्किल लगेगा, लेकिन 7-10 दिन में फर्क दिखेगा. बच्चा खुद कहेगा, 'मम्मी, चलो खेलें!'

स्वयं परिवार साथ मिलकर कम फोन यूज करें

बच्चे वही सीखते हैं जो देखते हैं. अगर मम्मी-पापा खुद दिनभर फोन में लगे रहें तो बच्चा भी वैसा ही करेगा। सबसे पहले खुद फोन कम यूज करें। खाना खाते वक्त, बात करते वक्त या बच्चे के साथ खेलते वक्त फोन साइड में रखें। परिवार में 'नो फोन जोन' बनाएं, जैसे डिनर टेबल या बेडरूम में फोन न लाएं। सब मिलकर गेम खेलें, बातें करें या घूमने जाएं. जब बच्चा देखेगा कि घर में सब फोन कम यूज कर रहे हैं तो वह भी आसानी से मान जाएगा। ये तरीके सबसे ज्यादा असरदार है क्योंकि बच्चा कॉपी करता है। इससे न सिर्फ बच्चे की फोन मांगने की आदत कम होगी, बल्कि परिवार में प्यार, बातचीत, खुशी बढ़ेगी। शुरुआत में बच्चा रो सकता है या जिद कर सकता है, लेकिन प्यार और धैर्य से समझाएं।

द इनविजिबल वॉर: ईरान के खतरनाक साइबर हमलों की चपेट में अमेरिका के छोटे शहर, इंफ्रास्ट्रक्चर को बनाया निशाना

वाशिंगटन

28 फरवरी को अमेरिका और इजरायल ने ईरान के खिलाफ व्यापक सैन्य अभियान ऑपरेशन रोअरिंग लायन शुरू किया। दुनिया भर के समाचार चैनलों पर ईरान के सैन्य, परमाणु और सरकारी ठिकानों पर मिसाइल हमलों के फुटेज प्रसारित हो रहे थे। हालांकि, इस भौतिक हमले के समानांतर एक और युद्ध लड़ा जा रहा था, जिसमें न तो आसमान में लड़ाकू विमान थे और न ही मिसाइलें। समन्वित साइबर हमलों ने ईरान के डिजिटल नेटवर्क को ध्वस्त कर दिया, समाचार प्लेटफॉर्मों और एक लोकप्रिय प्रार्थना एप को हैक कर लिया गया, संचार व्यवस्था बाधित की गई।

सरकारी टीवी प्रसारण को रोककर डोनल्ड ट्रंप तथा बेंजामिन नेतन्याहू के संदेश दिखाए जाने लगे। यह आधुनिक डिजिटल युद्ध की एक नई झलक थी, जिसके जवाब में ईरान ने भी साइबर पलटवार किया।ईरानी साइबर ऑपरेटरों और उनसे जुड़े समूहों ने अमेरिकी और इजरायली प्रणालियों को निशाना बनाते हुए संवेदनशील डेटा चुराया और बुनियादी ढांचे में बाधा उत्पन्न की। जुलाई में हुए साइबर हमलों ने मिनेसोटा राय की 30 से अधिक प्रणालियों सहित अमेरिका के कम से कम 12 रायों में जल एवं अपशिष्ट जल सुविधाओं को प्रभावित किया।

हालांकि, अमेरिकी अधिकारियों ने औपचारिक रूप से तेहरान को सीधे जिम्मेदार नहीं ठहराया है, लेकिन इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स से जुड़े समूह साइबरअवेंजर्स और उनके सहयोगी एपीटी ईरान ने टेलीग्राम पर मिनेसोटा हमले की जिम्मेदारी ली। उन्होंने चेतावनी दी कि अमेरिका का बिजली, दूरसंचार और जल ढांचा उनके निशाने पर है और ईरान पर हमला करने की भारी कीमत चुकानी होगी।

2026 के हमलों के शुरुआती घंटों में ही कई ईरानी समाचार एजेंसियों के नेटवर्क में सेंध लगा दी गई। फर्जी खबरें डालकर समर्थकों का मनोबल गिराने का प्रयास किया गया। इसके तुरंत बाद, 3 करोड़ से अधिक उपयोगकर्ताओं वाले ईरानी प्रार्थना ऐप बादेसबा को हैक करके सेना के जवानों को आत्मसमर्पण करने के पुश नोटिफिकेशन भेजे गए। हमले के दूसरे दिन ईरानी राष्ट्रीय टेलीविजन चैनल 3 की सैटेलाइट स्ट्रीम हैक करके ट्रंप और नेतन्याहू के भाषण दिखाए गए। इसके जवाब में ईरान ने देश भर में इंटरनेट ब्लैकआउट लागू कर दिया ताकि असंतोष और सूचना के प्रसार को नियंत्रित किया जा सके।

युद्ध शुरू होने के 24 घंटों के भीतर इजरायल पर साइबर हमलों में 3.5 गुना वृद्धि दर्ज की गई। इसके अलावा, संयुक्त अरब अमीरात, कुवैत और सऊदी अरब जैसे खाड़ी देश भी पहली बार सबसे यादा लक्षित देशों की सूची में शामिल हो गए। 179 साइबर घटनाओं के विश्लेषण से पता चला कि 37त्न हमले डिनायल-ऑफ-सर्विस थे। इसके साथ ही, अमेरिकी बुनियादी ढांचे की नियंत्रण प्रणालियों और सुरक्षा कैमरों में भी सेंधमारी की गई। यह अदृश्य युद्ध अचानक शुरू नहीं हुआ था। इसकी जड़ें 2010 के स्टक्सनेट साइबर हथियार से जुड़ी हैं, जिसने ईरान के नतांज परमाणु संयंत्र को प्रभावित किया था। इसके जवाब में ईरान ने अपनी डिजिटल क्षमता बढ़ाई और 2012 में अमेरिकी बैंकों पर ऑपरेशन अबाबील तथा सऊदी अरामको पर शामून हमला किया। 2013 से 2017 के दौरान मबना इंस्टीट्यूट ने 144 अमेरिकी विश्वविद्यालयों के नेटवर्क से डेटा चुराया। जून 2025 के 12-दिवसीय युद्ध के दौरान भी साइबर हमलों में भारी उछाल आया था, जिससे तेहरान इस संघर्ष के लिए पूरी तरह तैयार था।

11 मार्च को अमेरिकी मेडिकल उपकरण निर्माता कंपनी स्ट्राइकर पर बड़ा साइबर हमला हुआ, जिससे उसकी वैश्विक कार्यप्रणाली प्रभावित हुई। ईरान से जुड़े हंदालाहैकिंग समूह ने इस हमले का दावा किया। हालांकि स्ट्राइकर हथियार नहीं बनाती, लेकिन यह अस्पतालों को महत्वपूर्ण चिकित्सा उपकरण सप्लाई करती है। स्वास्थ्य सेवा की आपूर्ति श्रृंखला को बाधित करके अप्रत्यक्ष दबाव बनाना आधुनिक साइबर युद्ध रणनीति का खतरनाक पहलू बन चुका है। अमेरिकी सुरक्षा एजेंसियों ने चेतावनी जारी की कि ईरानी हैकर्स औद्योगिक कंप्यूटरों यानी प्रोग्रामेबल लॉजिक कंट्रोलर्स (क्करुष्टह्य) को निशाना बना रहे हैं। मिनेसोटा की 30 से अधिक जल प्रणालियों में स्वचालित नियंत्रण बाधित हो गया।

पहाड़ों पर आतिशबाजी से भड़का चीन, विदेशी पर्वतारोहियों के लिए बंद किए माउंट एवरेस्ट और तिब्बत के रास्ते

बीजिंग

चीन ने इस साल विदेशी पर्वतारोहियों के लिए माउंट एवरेस्ट के उत्तरी हिस्से सहित तिब्बत की सबसे ऊंची चोटियों (चो ओयु और शिशपंगमा) के रास्ते पूरी तरह बंद कर दिए हैं। चीन द्वारा लगाए गए इस प्रतिबंध के कारण दुनिया भर के पर्वतारोहियों के अभियान और बुकिंग रद करनी पड़ी हैं। चीन द्वारा यह प्रतिबंध तिब्बत के शिगात्से के पास 52 सेकंड तक चले एक आतिशबाजी की घटना के बाद शुरू हुई जांच और विदेशी पर्वतारोहण अभियानों को परमिट जारी करने में हुई भ्रष्टाचार की जांच के बाद लगाया गया है।

चीन ने इस वर्ष तिब्बत की सबसे ऊंची पर्वत चोटियों-चो ओयु (8,188 मीटर), शिशपंगमा (8,027 मीटर) और माउंट एवरेस्ट के उत्तरी हिस्से (8,849 मीटर)पर विदेशी पर्वतारोहियों के जाने पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया है।

चीन के इस फैसले के कारण नेपाल स्थित पर्वतारोहण ऑपरेटरों को अपनी शरद ऋतु की बुकिंग रद करनी पड़ी है। इसके साथ ही, दुनिया की 8,000 मीटर से ऊंची सभी 14 चोटियों को फतह करने का लक्ष्य रखने वाले पर्वतारोहियों का इंतजार कम से कम एक और सीजन के लिए बढ़ गया है।

इससे पहले, चीन-तिब्बत पर्वतारोहण संघ ने वसंत ऋतु में भी एवरेस्ट के उत्तरी भाग, चो ओयु और शिशपंगमा पर विदेशी टीमों की चढ़ाई पर रोक लगाई थी, जिसे अब आगे बढ़ा दिया गया है।

काठमांडू स्थित अभियान आयोजकों के अनुसार, उन्हें औपचारिक रूप से सूचित कर दिया गया है कि शरद ऋतु में भी विदेशी टीमों को तिब्बत के रास्तों से चढ़ाई करने की अनुमति नहीं मिलेगी।

इससे पहले चीन ने वसंत ऋतु में भी विदेशी पर्वतारोहियों को एवरेस्ट के लिए कोई परमिट जारी नहीं किया था। इसके परिणामस्वरूप, पर्वतारोहियों ने नेपाल के रास्ते चढ़ाई की और नेपाल की ओर से रिकॉर्ड 1,008 पर्वतारोहियों ने एवरेस्ट शिखर पर सफलतापूर्वक फतह हासिल की। हालांकि, इस प्रतिबंध को आगे बढ़ाए जाने को लेकर बीजिंग ने आधिकारिक या सार्वजनिक तौर पर अब तक कोई स्पष्टीकरण जारी नहीं किया है।

राष्ट्रीय गीत को सांप्रदायिक दबाव, वोट बैंक की राजनीति के अधीन करने के हर प्रयास का विरोध किया जाएगा: भाजपा

नयी दिल्ली,(वार्ता)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने वंदे मातरम् .. के प्रथम दो पद को गाने के कांग्रेस पार्टी के प्रस्ताव की निंदा करते हुए कहा है कि वह राष्ट्रीय गीत को सांप्रदायिक दबाव, राजनीतिक तुष्टीकरण अथवा संकीर्ण वोट-बैंक की राजनीति के अधीन करने के हर प्रयास का विरोध करेगी। भाजपा ने कहा है कि किसी पार्टी का कोई प्रस्ताव संवैधानिक निर्णय या संसद के कानून से ऊपर नहीं हो सकता। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने शनिवार को एक बयान में बताया कि पार्टी ने आज 22 अगस्त 2026 को वंदे मातरम् के सम्मान और उसकी ऐतिहासिक विरासत की रक्षा के संबंध में एक महत्वपूर्ण प्रस्ताव पारित किया। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी 19 अगस्त 2026 को कांग्रेस कार्यसमिति के उस निर्णय की कड़ी निंदा और स्पष्ट शब्दों में विरोध करती है जिसमें प्रमुख विपक्षी दल ने 1937 में कांग्रेस कार्यसमिति में उस प्रस्ताव को पुन: पारित करते हुए कहा है कि उसके कार्यक्रमों में वन्दे मातरम के केवल प्रथम दो पदों के गायन को सीमित रखा जाएगा। श्री नवीन ने कहा कि, भाजपा वन्दे मातरम् को भारत का राष्ट्रीय गीत, भारत माता के प्रति श्रद्धा की अभिव्यक्ति, स्वतंत्रता संग्राम का मंत्र और भारत की राष्ट्रीय चेतना का अमर प्रतीक मानती है। इसके लिए भाजपा ने 10 सूत्रीय संकल्प किया है जिसमें कहा गया है कि भाजपा 19 अगस्त 2026 को कांग्रेस कार्यसमिति द्वारा 1937 के प्रस्ताव को दोहराते हुए वन्दे मातरम् के प्रथम दो पदों तक गायन सीमित करने के निर्णय की कड़ी निंदा और स्पष्ट विरोध करेगी। भाजपा पूर्ण वन्दे मातरम् के सम्मान, गरिमा, विरासत और राष्ट्रीय स्वरूप की रक्षा करेगी, इसे भारत का राष्ट्रीय गीत, राष्ट्रीय चेतना का अमर प्रतीक और स्वतंत्रता संग्राम की गौरवशाली विरासत मानेगी। उन्होंने कहा कि पार्टी 1950 में संविधान सभा की घोषणा तथा 2026 में संसद द्वारा राष्ट्रीय गीत को जन गण मन के समान वैधानिक संरक्षण प्रदान किए जाने से स्थापित स्थिति की दृढ़ता से पुष्टि करेगी।भाजपा राष्ट्रीय गीत को सांप्रदायिक दबाव, राजनीतिक तुष्टीकरण अथवा संकीर्ण वोट-बैंक की राजनीति के अधीन करने के हर प्रयास का विरोध करेगी। पार्टी कांग्रेस को स्मरण कराएगी कि उसकी कार्यसमिति का कोई प्रस्ताव भारत के संवैधानिक संस्थानों और संसद द्वारा बनाए गए कानूनों से ऊपर नहीं हो सकता। 1937 का राजनीतिक समझौता 1950 के संवैधानिक निर्णय और 2026 में संसद द्वारा बनाए गए कानून से ऊपर नहीं रखा जा सकता। भाजपा ने यह भी संकल्प लिया है कि वह जनता के सामने उस ऐतिहासिक और राजनीतिक संदर्भ को उजागर करेगी, जिसमें वन्दे मातरम् के गायन को सीमित किया गया था, जिसमें मुस्लिम लीग की आपत्तियां तथा बाद में बढ़ती सांप्रदायिक और अलगाववादी मांगों की राजनीति शामिल थी। पार्टी महात्मा गांधी के उस ऐतिहासिक कथन को जन-जन तक पहुंचाएगी, जिसमें उन्होंने वन्दे मातरम् को साम्राज्यवाद-विरोधी नारा और शुद्धतम राष्ट्रीय भावना से जुड़ा हुआ बताया था।

प्रदेश में चीनी का पर्याप्त भंडार, आमजन परेशान न हों : योगी

लखनऊ

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को प्रदेश में चीनी की उपलब्धता की समीक्षा करते हुए आमजन को आश्वस्त किया कि राज्य में चीनी की कोई कमी नहीं है। उन्होंने कहा कि पर्याप्त मात्रा में चीनी उपलब्ध है, इसलिए नागरिकों को किसी भी तरह से परेशान होने की जरूरत नहीं है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को चीनी की कालाबाजारी, जमाखोरी और कृत्रिम कमी पैदा करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए। बैठक के दौरान मुख्यमंत्री को बताया गया कि प्रदेश की चीनी मिलों में कुल 179.38 लाख कुंतल चीनी का भंडार उपलब्ध है। इसमें सहकारी चीनी मिलों में 23.60 लाख कुंतल, निगम की चीनी मिलों में 5.28 लाख कुंतल और निजी चीनी मिलों में 150.50 लाख कुंतल चीनी शामिल है। इसके अलावा जून और जुलाई में चीनी मिलों ने करीब 235 लाख कुंतल चीनी की बिक्री की है, जिसमें अधिकांश चीनी अभी खुले बाजार में उपलब्ध है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आवश्यकता पड़ने पर चीनी मिलों का संचालन 15 अक्टूबर से शुरू कराया जाए। उन्होंने कहा कि बाजार में चीनी की उपलब्धता और कीमत पर लगातार नजर रखी जाए, ताकि किसी भी स्तर पर कृत्रिम कमी या अनावश्यक मूल्यवृद्धि न हो।

योगी आदित्यनाथ ने आमजन से अपील की कि चीनी की कमी को लेकर भ्रम फैलाने वालों से सावधान रहें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि कालाबाजारी और भ्रामक सूचनाएं फैलाने वालों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई की जाए। मुख्यमंत्री ने भारत सरकार के दिशा-निर्देशों का कड़ाई से पालन कराने के भी निर्देश दिए। इसके तहत कोई डीलर 30 दिन से अधिक का चीनी भंडार नहीं रख सकेगा और एक समय में 400 टन से अधिक स्टॉक नहीं रख सकता। वहीं, प्रतिमाह 10 मीट्रिक टन चीनी की खपत करने वाले बड़े उपभोक्ता 15 दिन से अधिक का भंडार नहीं रख सकेंगे। चीनी मिलें भी अपने मासिक कोटे के तहत बेची गई चीनी को बिक्री की तारीख से सात दिन से अधिक समय तक गोदाम में नहीं रोकेंगी। मुख्यमंत्री ने सभी जिलाधिकारियों को अपने-अपने जिलों में पंजीकृत चीनी मिलों, थोक एवं फुटकर विक्रेताओं के गोदामों का भौतिक सत्यापन कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि उपलब्ध स्टॉक की वास्तविक स्थिति की रिपोर्ट प्राप्त की जाए और निर्धारित सीमा से अधिक भंडारण अथवा जमाखोरी पाए जाने पर कठोर कार्रवाई की जाए। बैठक में बताया गया कि पेराई सत्र 2026-27 में 28.14 लाख हेक्टेयर गन्ना क्षेत्रफल संभावित है और इससे करीब 90 लाख टन चीनी उत्पादन होने की संभावना है। प्रदेश में प्रतिमाह अनुमानित चीनी खपत लगभग चार लाख टन है, वहीं पेराई सत्र 2025-26 में 48 लाख किसानों को 32,554 करोड़ रुपये से अधिक का गन्ना मूल्य भुगतान किया गया है।

पंजाब के सीएम केवल चुटकुले सुनाकर टाइम पास कर रहे : नायब सैनी

चंडीगढ़ (वार्ता)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान पर निशाना साधते हुए कहा कि वह केवल चुटकुले सुनाकर टाइम पास कर रहे हैं। उन्होंने सवाल किया कि आम आदमी पार्टी ने चुनाव के दौरान महिलाओं और युवाओं से किए वादों का क्या हुआ। सैनी ने कहा कि महिलाओं को हर महीने 1000 रुपये देने का वादा किया गया था, लेकिन सरकार का कार्यकाल पूरा होने को है और अब चुनाव नजदीक हैं। उन्होंने पंजाब में कानून-व्यवस्था और रोजगार के मुद्दे पर भी सरकार को घेरा।

जापान के द्वीप पर जहरीले सांपों को मारने का प्लान पड़ा भारी
1979 में छोड़े गए थे सिर्फ 30 नेवले, खुद बने दुर्लभ जीवों के काल

टोक्यो

जापान के पर्यावरण मंत्रालय ने कागेशिमा प्रान्त में स्थित यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल अमामी ओशिमा द्वीप से छोटे भारतीय नेवलों के पूर्ण खात्मे की आधिकारिक घोषणा कर दी है। दशकों तक चले ट्रैपिंग, ट्रैकिंग और व्यापक निगरानी अभियान के बाद विशेषज्ञ पैनलों ने पुष्टि की है कि 712 वर्ग किलोमीटर में फैले इस द्वीप से इस शिकारी जीव को पूरी तरह से हटा दिया गया है। इस संकट की शुरुआत साल 1979 में हुई थी, जब स्थानीय अधिकारियों और निवासियों ने जहरीले हाबू सांपों की आबादी को नियंत्रित करने के लिए द्वीप पर लगभग 30 छोटे भारतीय नेवले छोड़े थे। हाबू सांपों के काटने से स्थानीय निवासियों और किसानों को बड़ा खतरा रहता था। हालांकि, यह योजना पूरी तरह विफल रही क्योंकि दोनों जीवों की आदतें अलग थीं, हाबू सांप रात में सक्रिय होते हैं, जबकि नेवले दिन के समय शिकार करते हैं।

सांपों का शिकार करने के बजाय, नेवलों ने द्वीप के आसानी से मिलने वाले स्थानीय पक्षियों, छोटे स्तनधारियों, उभयचरों और सरीसृपों को निशाना बनाना शुरू कर दिया। पर्याप्त भोजन और किसी भी प्राकृतिक प्रतिद्वंद्वी के न होने से साल 2000 तक इनकी आबादी बढ़कर लगभग 10,000 हो गई, जिसने द्वीप के 80 प्रतिशत से अधिक भूभाग को प्रभावित कर दिया।

नेवलों की तेजी से बढ़ती आबादी के कारण केवल रयूक्यू द्वीपसमूह में पाई जाने वाली कई दुर्लभ प्रजातियों का जीवन खतरे में पड़ गया। इनके मुख्य शिकार में संकटग्रस्त अमामी खरगोश, अमामी वुडकॉक, रयूक्यू लंबे बालों वाला चूहा और इशिकावा मेंढक शामिल थे। 1990 के दशक के अंत तक अमामी खरगोशों की संख्या में इतनी भारी गिरावट आई कि वे केवल दूरदराज के पहाड़ी जंगलों तक सीमित रह गए। इसके बाद जापान सरकार ने राष्ट्रीय संरक्षण कानूनों के तहत इस नेवले को विशिष्ट आक्रामक विदेशी प्रजाति के रूप में सूचीबद्ध किया और इसे पूरी तरह हटाने का आदेश दिया। साल 2000 में पर्यावरण मंत्रालय के नेतृत्व में एक बड़ा उन्मूलन कार्यक्रम शुरू किया गया, जिसके तहत 2005 में अमामी मोंगूज बस्टर्स नाम की एक विशेष टीम का गठन हुआ। घने जंगलों में एक समय में 30,000 से अधिक पिंजरे और मोशन-सेंसर कैमरे लगाए गए। साथ ही, नेवलों को खोजने के लिए विशेष रूप से प्रशिक्षित सूंघने वाले कुत्तों का इस्तेमाल किया गया। अप्रैल 2018 में द्वीप पर अंतिम नेवला पकड़ा गया था। इसके बाद अगले छह वर्षों तक स्वचालित कैमरों, मिट्टी के पर्यावरणीय डीएनए परीक्षण और प्रशिक्षित कुत्तों की मदद से लगातार निगरानी रखी गई। कोई भी नेवला न मिलने पर आखिरकार इसे आधिकारिक तौर पर सफल घोषित किया गया। नेवलों के हटने से अमामी ओशिमा के स्थानीय वन्यजीवों में अभूतपूर्व सुधार देखने को मिल रहा है। अमामी खरगोश, वुडकॉक और स्थानीय मेंढकों की आबादी फिर से बढ़ रही है और ये जीव उन तटीय निचले इलाकों में लौट आए हैं जहाँ से वे गायब हो चुके थे। यह सफलता दुनिया के सबसे बड़े सफल द्वीप-आधारित उन्मूलन अभियानों में से एक है। इसी पारिस्थितिक बहाली ने साल 2021 में अमामी ओशिमा को यूनेस्को विश्व प्राकृतिक धरोहर स्थल का दर्जा दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। भविष्य में ऐसी प्रजातियों के दोबारा प्रवेश को रोकने के लिए बंदरगाहों पर सख्त बायो-सिक्योरिटी जांच जारी रखी जा रही है।

फिल्म/टीवी मनोरंजन

महाकाली में शुक्राचार्य की भूमिका में नजर आयेंगे अक्षय खन्ना

फिल्ममेकर प्रशांत वर्मा, जिन्होंने हनु-मान की जबरदस्त सफलता से भारतीय सिनेमा में अपने बहुप्रतीक्षित यूनिवर्स की नींव रखी, अब दर्शकों को एक नई, भव्य दुनिया में ले जाने के लिए तैयार हैं। उनके अगले अध्याय महाकाली से अभिनेता अक्षय खन्ना का असुरों के गुरु शुक्राचार्य के रूप में दिलचस्प अवतार 24 अगस्त को पहली बार सामने आने वाला है। आरकेडी स्टूडियोज़ द्वारा हाल ही में साझा की गई एक रहस्यमयी पोस्ट, 24 अगस्त ङ्क द एंड बिगिन्स, ने इस बहुप्रतीक्षित रिवील को लेकर उत्साह और बढ़ा दिया है। बॉलीवुड में यह खबर तेजी से फैल रही है और प्रशंसकों के बीच उत्सुकता चरम पर है। यह नई झलक न केवल दर्शकों को इस विशाल भारतीय इतिहासनिष्ठ सिनेमाई अनुभव की पहली वास्तविक झलक देगी, बल्कि अक्षय खन्ना के असाधारण ट्रांसफॉर्मेशन को भी उजागर करेगी। अपने चुने हुए किरदारों से लगातार दर्शकों को चौंकाने के लिए पहचाने जाने वाले अक्षय खन्ना इस बार अपने बदलाव को एक नए स्तर पर ले जाते दिखेंगे। धुरंधर जैसी फिल्मों में अपनी शानदार मौजूदगी के बाद, अभिनेता का यह नया रूप लगभग पहचान में ही नहीं आएगा, जैसा कि शुक्राचार्य के रूप में उनके पहले लीक हुए लुक ने पहले ही काफी चर्चा बटोरी है। अब 24 अगस्त को उनकी पहली झलक से दर्शकों की उत्सुकता कई गुना बढ़ने की उम्मीद है। पुराणों के अनुसार, असुरों के गुरु शुक्राचार्य शक्ति, ज्ञान और जटिल व्यक्तित्व से परिभाषित एक बेहद महत्वपूर्ण पौराणिक पात्र हैं। ऐसे में, अक्षय खन्ना द्वारा निभाए जा रहे इस गंभीर किरदार में उनकी गहराई और प्रशांत वर्मा का विजुअल ट्रीटमेंट इसे उनके सिनेमाई यूनिवर्स के अनुरूप एक भव्य स्तर प्रदान करेगा। हनु-मान की ऐतिहासिक सफलता के बाद से ही दर्शक यह जानने के लिए उत्सुक हैं कि प्रशांत वर्मा अपने सिनेमाई यूनिवर्स में आगे क्या लेकर आएँगे।

अब फिल्म प्रलय में नजर आयेंगे रणवीर

बॉलीवुड अभिनेता रणवीर सिंह ने अपनी अगली फिल्म प्रलय की शूटिंग मुंबई में शुरू कर दी है। यह एक एंड-ऑफ-द-वर्ल्ड के संकट पर आधारित एक्शन थ्रिलर फिल्म है। मेकर्स के अनुसार, फिल्म की कहानी मुंबई शहर की पृष्ठभूमि पर सेट है, जिसमें तबाही के बीच इंसानी जिंदगी को बचाने की लड़ाई दिखाई जाएगी। इस प्रोजेक्ट में रणवीर सिंह मुख्य भूमिका निभाने के साथ-साथ को-प्रोड्यूसर की जिम्मेदारी भी संभाल रहे हैं। फिल्म में उनके साथ साउथ की लोका फेम एक्ट्रेस कल्याणी प्रियदर्शन मुख्य किरदार में नजर आएंगी। रियल लोकेशन्स पर होगी शूटिंग, महीनों चला प्री-प्रोडक्शन फिल्म का निर्देशन स्कैम 1992- द हर्षद मेहता स्टोरी और लुटेरे से पहचान बनाने वाले निर्देशक जय मेहता कर रहे हैं। मेकर्स के मुताबिक, फिल्म को रियलिस्टिक लुक देने के लिए मुंबई और आसपास की असली लोकेशन्स पर शूट किया जा रहा है। कैमरे के सामने शूटिंग शुरू होने से पहले फिल्म की टीम ने कई महीनों तक काफी तकनीकी प्री-प्रोडक्शन पर काम किया है। लोका फेम कल्याणी प्रियदर्शन और जय मेहता की नई जोड़ी इस प्रोजेक्ट के जरिए रणवीर सिंह और कल्याणी प्रियदर्शन की जोड़ी पहली बार बड़े पर्दे पर साथ काम कर रही है। कल्याणी ने हाल ही में फिल्म लोका से काफी तारीफें बटोरी थीं। वहीं, निर्देशक जय मेहता, जिन्होंने हंसल मेहता के साथ मिलकर स्कैम 1992 का सह-निर्देशन किया था।

तारा सुतारिया ने तुम ही आना जैम सत्र को मिले प्यार के लिए आभार जताया

अभिनेत्री तारा सुतारिया ने बुधवार को अपने सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए तुम ही आना जैम सेशन वीडियो को प्रशंसकों से मिल रहे भारी प्यार के लिए आभार व्यक्त किया। यह वीडियो कुछ ही घंटों में पांच मिलियन से अधिक बार देखा जा चुका है, जिसने अभिनेत्री को भावुक कर दिया है। तारा सुतारिया ने अपने फैंस के इस बेमिसाल स्नेह पर खुशी जाहिर की है और भविष्य में ऐसे और भी म्यूजिकल वीडियो साझा करने की इछा जताई है।

इस वीडियो में तारा अपने घर पर 2019 की फिल्म मरजावां के बेहद लोकप्रिय गाने तुम ही आना को गुनगुनाती नजर आ रही हैं। काले रंग के कपड़े पहने हुए, वह आंखें बंद करके पूरी तल्लीनता से इस गाने का लुत्फ उठा रही थीं, मानो वह संगीत की गहराई में खो गई हों। उनका यह कैजुअल और दिलकश अंदाज़ प्रशंसकों को खूब भाया, और वीडियो देखते ही देखते वायरल हो गया।

प्रशंसकों की तरफ से मिल रहे इस प्यार से अभिभूत तारा ने लिखा, कुछ घंटों पहले इस वीडियो को पोस्ट किया था और अब देखते ही देखते 50 लाख से यादा व्यूज आ गए। अगर आपको मिडनाइट और भी जैम वीडियो चाहिए, तो इसे और भी शेयर करें। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि यह वीडियो मंगलवार देर रात को साझा किया गया था और इसकी लोकप्रियता ने उन्हें आश्चर्यचकित कर दिया है, जो इस बात का प्रमाण है कि संगीत और उनकी आवाज़ का जादू दर्शकों पर अब भी बरकरार है। तुम ही आना सिर्फ एक गाना नहीं, बल्कि एक बेहद लोकप्रिय और भावुक रोमांटिक गीत है जिसने दर्शकों के दिलों में अपनी जगह बनाई है। जुबिन नौटियाल की जादुई आवाज से सजे इस गीत का संगीत पायल देव ने तैयार किया है, और इसके बोल कुणाल वर्मा ने लिखे हैं। फिल्म मरजावां में यह गाना सिद्धार्थ मल्होत्रा और तारा सुतारिया के किरदारों के बीच के गहरे प्यार और बिछड़ने के दर्द को बखूबी दर्शाता है। रिलीज के साथ ही यह चार्टबस्टर बन गया था और आज भी लोगों के पसंदीदा भावनात्मक गीतों में शुमार है।

जिला न्यायालय में स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन

नरसिंहपुर, स्वतंत्रमत।

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधी्या एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री अखिले्श शुक्ला की उपस्थिति में एक अभिनव प्रयो- के अंतगत न्यायिक अधिकारियों एवं कर्मचारियों के कल्याणार्थ, परस्पर सदभाव एवं प्रोत्साहन हेतु जिला न्यायालय नरसिंहपुर में आयोजित किए जा रहे विभिन्न कार्यक्रमों की श्रृंखला में न्यायिक अधिकारियो एवं कर्मचारियो हेतु व्यिोष स्वास्थ्य परीक्षण ्यिविर का आयोजन जिला न्यायालय परिसर में किया गया। उक्त चिकित्सा शिविर में स्त्री रो- विशोषज्ञ डॉ. नम्रता शुक्ला, एम.डी. डॉ. ब्रजे्या पटेल, एम.एस. (आर्थो) डॉ नवनीत जैन, मेडीकल ऑफीसर डॉ प्रदीप मेहरा, मेडीकल ऑफीसर (आर.बी.एस.) डॉ - ्रैया सोनी एवं चिकित्सा स्टॉफ सुश्री कंचन प्रजापति, श्री खेमचंद

साहू, श्री आलोक , श्री निलिन सोनी, सुश्री रक्षा बिसेन, श्री आनंद चैधरी, श्री मनीष वास्तकर, श्री सुमित बरकडे, श्रीमती साक्षी नेमा, श्री प्रदीप उपाध्याय, श्री य्यावंत कटारे द्वारा अ्र0 से अधिक कर्मचारियो का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। स्वास्थ्य शिविर में एक्स-रे, ई.सी.जी., शुगर, ब्लडप्रे्शार, नेत्र जांच इत्यादि परीक्षण किए जाकर चिकित्सको द्वारा आवश्यक दवाएं एवं सलाह प्रदान की गई। ्शिविर में आयुष विभाग से संबंधित आयुष चिकित्सको द्वारा भी स्वास्थ्य परीक्षण कर आवश्यक सलाह प्रदान की गई। शिविर में एलोपैथिक एवं आयुर्वेदिक दवाईयां का वितरण भी किया गया। महत्वपूर्ण है कि उक्त स्वास्थ्य शिविर में न्यायाधीशगणो द्वारा चिकित्सको से चिकित्सा सलाह प्राप्त कर आवश्यक चिकित्सा परीक्षण कराये। उक्त स्वास्थ्य शिविर का शुभारंभ करते हुए प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री अखिलेश शुक्ला द्वारा न्यायाधीशों एवं कर्मचारियो को अपने स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने का आव्हान किया।

स्वास्थ्य परीक्षण शिविर में व्यिोष न्यायाधीश एट्रोसिटी श्री मनोज कुमार लढिया, प्रधान न्यायाधीश कुटुम्ब न्यायालय श्री विपिन कुमार लवानिया, जिला न्यायाधीश श्रीमती कीर्ति क्शयप, श्रीमती ज्योति मिश्रा, श्री आलोक मिश्रा, मुख्य न्यायिक मजिस्टेट श्री राके्या सनोडिया, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री दिने्श मीणा, जिला रजिस्ट्रार श्री धर्मेन्द्र नागवं्शी, अन्य समस्त न्यायाधीश, जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री राजेश सक्सेना एवं न्यायालयीन कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

ब्राह्मण महिला एकता परिषद एवं राष्ट्रीय महिला जागृति मंच ने मनाया हरियाली तीज उत्सव

नरसिंहपुर, स्वतंत्रमत। श्रीमती विवेक पांडे, अरुणा दुबे, सुनंदा भट्ट के मार्गदर्शन में, दोनों संगठन के वरिष्ठ संरक्षक मालती त्रिवेदी , उर्मिला भाटली की उपस्थिति में पूर्णिमा शुक्ला की अध्यक्षता में सर्व ब्राह्मण महिला एकता परिषद एवं राष्टीय महिला जागृति मंच के सदस्यों द्वारा हरियाली तीज उत्सव मनाया। तीज उत्सव में संस्थाओं के द्वारा भुट्टे के व्यंजन प्रतियोगिता रखी गई, इस प्रकार के आयोजन से हमारी ग्रामीण और पारंपरिक संस्कृति को बढ़ावा मिलता है, एवं हमारी माताओ और दादियों से मिली विरासत भी है, इन्हें सहेजना भी हमारी जिम्मेदारी हैद्य निर्णायक मंडल में मनीषा ताम्रकार एवं आरती मानसाता रहे ।कार्यक्रम के प्रथम चरण में मां पार्वती एवं भोलेनाथ का पूजन अर्चन कर दीप प्रज्जवलन कर कार्यक्रम का आगाज निर्णायक मंडल ने व्यंजनों का अवलोकन किया जिसमें मीठे व्यंजन में प्रथम रूक्मिणी ढिमोले द्वितीय किरण तिवारी एवं तृतीय नीतू साहू एवं नमकीन व्यंजन में प्रथम दुर्गा राय ,द्वितीय नीतू साहू एवं तृतीय भारती रघुवंशी रहीं । जिला अध्यक्ष श्रीमती विवेक पांडे ने सामाजिक संगठन क्यों बनाए जाते हैं और उनसे जुड़ने के और चलने के पीछे महिलाओं की मानसिकता पर अपनी बात रखी, राष्टीय जागृति मंच की प्रदेश अध्यक्ष अरुणा दुबे ने सशक्त मातृशक्ति सशक्त समाज मुद्दे पर

अपनी बात रखी ।जिलाध्यक्ष पूर्णिमा शुक्ला ने संगठन का महत्व पर अपनी बात रखी। कार्यक्रम का संचालन जागृति मंच की सचिव मंजू दुबे एवं सुभावना पांडे एवं आभार प्रदर्शन अंजलि साहू द्वारा किया गया ।राधा कृष्ण एवं शंकर पार्वती के रूप में छोटे-छोटे नोनीहालों ने रंग जमा दिया।

रंगारंग कार्यक्रम में नंदिता चौबे, तनु दुबे, प्रियंका पाठक, सविता महोबिया , सपना शर्मा, रजनी राजोरिया , किरण तिवारी एवं प्रीति गोस्वामी ने अपने नृत्य कलाओं से समां बांध दिया। कार्यक्रम में सरप्राइज गेम नीता भारद्वाज द्वारा खिलाया गया। जिसमें प्रथम सोनाली राय एवं द्वितीय विंध्या तिवारी रहीं।

दोनों संगठन से मात्र शक्तियों की उपस्थिति में कविता दुबे ,नीता शर्मा मंजू लता पांडे , नीरा बुधौलिया , संचिता दुबे,अर्चना राय, वंदना तंतुवाय ,रचना त्रिवेदी,मीना शर्मा,मनीषा पुरोहित, प्रियंका गोस्वामी,मीनाक्षी पुरोहित, कीर्ति पालीवाल, सुरुचि साहू, रजनी त्रिपाठी, रेनू नोरिया, स्मिता श्रीवास,पूनम जैन सीमा स्थापक ,रितु अग्रवाल ,उषा अग्रवाल, मोहनी रावत,नीना अग्रवाल , राजकुमारी पाठक,सुधा अग्रवाल, प्रीति चौबे,मोनिका तिवारी, राखी मुदगल,सुनीता राजपूत, अरुणा अवधिया, अनिता मेहरा, सरिता जाट आदि की उपस्थिति रही।

किड्जी कमल प्री स्कूल में पौधारोपण

नरसिंहपुर, स्वतंत्रमत। भारतीय मानव अधिकार सहकार ट्रस्ट द्वारा किड्जी कमल प्री स्कूल में वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। पर्यावरण संरक्षण और हरियाली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से भारतीय मानव अधिकार सहकार ट्रस्ट की जिला अध्यक्ष सविता अग्रवाल , जिला महासचिव श्रीमती स्वाति जायसवाल, संभाग प्रवक्ता अर्चना सोनी, जिला मंत्री सुनीता शर्मा, जिला उपाध्यक्ष सीमा स्थापक द्वारा बेल पत्र, जामुन सहित विभिन्न प्रकार के छायादार एवं औषधीय वृक्षों को बच्चों के साथ मिलकर लगाया एवं सभी से अधिक से अधिक संख्या में इस अभियान में शामिल होकर अपना योगदान देने की अपील की।

संगठन की जिला अध्यक्ष सविता अग्रवाल ने कहा कि आज पर्यावरण को संरक्षण का संरक्षण करना हम सब की जिम्मेदारी है।

दूध एवं दुग्ध उत्पादों में मिलावट के विरुद्ध खाद्य विभाग का जांच अभियान

चलित खाद्य प्रयोगशाला से मिठाइयों, पनीर, दही व घी की हुई जांच

नरसिंहपुर, स्वतंत्रमत। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह के निर्देशों के परिपालन में खाद्य एवं औषधि प्रशासन मध्यप्रदेश द्वारा जिले में दूध एवं दुग्ध उत्पादों में मिलावट के विरुद्ध जांच अभियान चलाया गया। अभियान के तहत गुरुवार एवं शुक्रवार को संभागीय चलित खाद्य प्रयोगशाला के माध्यम से विभिन्न खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता की जांच की गई। नरसिंहपुर में स्टेशन स्थित तृप्ति स्वीट्स, अग्रवाल स्वीट्स एवं नेमा स्वीट्स का निरीक्षण कर पेड़ा, मगज के लड्डू, मावा की बरफी सहित विभिन्न मिठाइयों के नमूने लिए गए। इन खाद्य पदार्थों की चलित प्रयोगशाला के माध्यम से प्राथमिक जांच की गई। इसी क्रम में खाद्य सुरक्षा अधिकारी सुश्री सारिका दुबे ने सुदामा कुटी रेस्टोरेंट का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान किचिन में फ्रिज में खुले रखे टोमेटो सूप, वेज कोथे, शेजवान चटनी तथा गंदी कढ़ाई में खुले रखे खाद्य तेल को मौके पर ही अपने समक्ष नष्ट कराया गया। चलित खाद्य प्रयोगशाला के माध्यम से किचिन में उपयोग की जा रही अन्य खाद्य सामग्रियों का भी परीक्षण किया गया। संदेह के आधार पर पनीर का नमूना लेकर जांच के लिए भेजा गया।

शासकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय में प्रवेश की अंतिम तिथि 14 सितंबर

नरसिंहपुर, स्वतंत्रमत। शासकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय नरसिंहपुर में कक्षा 10 वीं अथवा 12 वीं उत्तीर्ण विद्यार्थियों के लिए विभिन्न डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रक्रिया जारी है। तकनीकी शिक्षा संचालनालय, भोपाल द्वारा प्रवेश की अंतिम तिथि बढ़ाकर 14 सितंबर 2026 कर दी गई है। महाविद्यालय में कुछ सीमित सीटें अभी रिक्त हैं। इच्छुक विद्यार्थियों को 10वीं अथवा 12वीं में प्राप्त अंकों के प्रतिशत के आधार पर सीधे प्रवेश दिया जाएगा। महाविद्यालय में कंप्यूटर साइंस, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं टेलीकम्युनिकेशन तथा मॉडर्न ऑफिस मैनेजमेंट के डिप्लोमा पाठ्यक्रम संचालित हैं। शासकीय संस्था होने के कारण पात्र विद्यार्थियों को शासन की विभिन्न छात्रवृत्ति योजनाओं का लाभ मिलता है, जिससे उनकी शिक्षा का खर्च प्रभावी रूप से लगभग नि:शुल्क हो जाता है डिप्लोमा पाठ्यक्रम पूर्ण करने के बाद विद्यार्थियों के लिए शासकीय एवं निजी क्षेत्र में रोजगार के अवसर उपलब्ध रहते हैं। साथ ही डिप्लोमा के बाद प्रदेश के प्रतिष्ठित शासकीय इंजीनियरिंग महाविद्यालयों में बी.टेक द्वितीय वर्ष में प्रवेश लेकर उच्च शिक्षा प्राप्त करने का अवसर भी मिलता है।

सावन के अंतिम सोमवार में सार्वजनिक कांवड़ यात्रा का भव्य आयोजन

भगवान नर्मदेश्वर महादेव का माँ नर्मदा के पवित्र जल से होगा जलाभिषेक

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)।

विगत 14 वर्षों की भांति पंद्रहवें वर्ष में भी श्रावण मास के अंतिम सोमवार 24 अगस्त 2026 को नर्मदा तट थरेरी घाट से शिवधाम डमरू घाटी तक सार्वजनिक कांवड़ यात्रा का भव्य आयोजन किया जा रहा है।

सार्वजनिक कांवड़ यात्रा समिति के तत्वावधान में आयोजित इस धार्मिक कार्यक्रम में प्रात: काल 8 बजे थरेरी घाट पर मां नर्मदा जी की पूजन,आरती कर चुनरी भेंट की जाएगी। तदोपरांत कांवड़ की पूजन अर्चना कर कांवड़िया अपनी कांवड़ में मां नर्मदा का पवित्र जल भर कर 9 बजे से कांवड यात्रा प्रारंभ करेंगे ।यह सार्वजनिक कांवड़ यात्रा नर्मदा जी थरेरी घाट से प्रारंभ होकर बिछुआ,नरवारा, लिलवानी, सुकरी और कौड़िया होते हुए शिवधाम डमरू घाटी गाडरवारा पहुंचेगी।

डमरूघाटी पहुंचकर कांवड़िया अपनी कांवड़ में लाए हुए मां नर्मदा के पवित्र जल से भगवान भोलेनाथ नर्मदेश्वर महादेव का मंत्रोच्चारण के साथ विधि विधान से पूजन एवं जलाभिषेक कर आरती करेंगे। तदोपरात समस्त कांवड़िया भंडारा प्रसादी ग्रहण कर अपने अपने घर को प्रस्थान करेंगे।

सार्वजनिक कांवड़ यात्रा समिति ने क्षेत्र के सभी श्रद्धालुओं से शिव भक्तों से अधिक से अधिक संख्या में अपने परिवार सहित सार्वजनिक कांवड़ यात्रा में शामिल होकर पुण्य लाभ लेने की अपील की है।

टैक्स छूट के दावे पर हाईकोर्ट ने टैगोर विद्या निकेतन को 9.71 लाख जमा करने का किया आदेश

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)।

नगर पालिका परिषद गाडरवारा द्वारा बड़े बकायादारों पर की जा रही कार्यवाही में नगर के टैगोर विद्या निकेतन विद्यालय द्वारा वसूली नोटिसों को माननीय उच्च न्यायालय जबलपुर में चुनौती दी गई जिस पर अंतरिम आदेश में माननीय न्यायालय द्वारा दिनांक 20/08/26 को टैगोर विद्या निकेतन को जबरन वसूली की कार्यवाही से बचने के लिए अगली सुनवाई से पहले पंद्रह दिवस में 9.71 लाख जमा करने के लिए निर्देशित किया गया है। टैगोर विद्या निकेतन विधालय द्वारा म0प्र0 नगर पालिका अधिनियम 1961 की धारा 127 (६) (2) (ष) के तहत संपतिकर में शैक्षाणिक संस्थाओं को मिलने

वाली छूट प्राप्त होने के आधार पर नगर पालिका के दावों को चुनौती दी में थी। मामले में नगर पालिका परिषद गाडरवारा की ओर से श्री विजयेंद्र सिंह चौधरी एडव्होकेट द्वारा पक्ष प्रस्तुत किया गया। मामले में मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्रीमति रितु मेहरा का कहना है कि च्च्नगरपालिका द्वारा की गई मांग को केवल वसूली के रूप में देखना सही नहीं है, नगरीय निकाय नागरिकों को विभिन्न मूलभूत सेवाएं उपलब्ध कराता है और उन पर कर का अपना अलग वैधानिक आधार है, नगर पालिका माननीय न्यायालय के समक्ष सभी संबंधित तथ्य प्रस्तुत करेगी। वही अध्यक्ष श्री शिवाकान्त मिश्रा ने स्पष्ट किया है कि नगर पालिका का उद्देश्य किसी संस्था को अनावश्यक रूप से परेशान करना नहीं है, बल्कि नगर पालिका को देय राशि की नियमानुसार वसूली सुनिश्चित करना है। न्यायालय द्वारा अंतरिम आदेश में राशि जमा कराने की शर्त लगाना महत्तवपूर्ण है। हमें न्यायपालिका पर पूरा विश्वास है और निर्णय अनुसार आगे की कार्यवाही की जायेगी। नगरपालिका अपने वैधानिक राजस्व हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है, निकाय के संसाधनों से ही विकास एवं जनहित के कार्य संचालित होते है अत: नगर विकास के दृष्टिगत अन्य बकायादारों पर भी कार्यवाही की जावेगी।

मुखिया डहाके ने जताया आभार दरबार की परम्पराओं को आगे बढ़ाने का संकल्प दोहराया

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)।

सर्वधर्म समभाव एवं श्रद्धा-आस्था के केंद्र स्थानीय ताज कृपा दरबार में गत दिवस सम्पन्न वार्षिकोत्सव उर्स के सफल आयोजन पर दरबार के प्रमुख प्रधान एवं मुखिया प्रभाकररावजी डहाके, अध्यक्ष ताज दरबार बाकी शरीफ ने सभी श्रद्धावान सहयोगियों, नागरिकों एवं दरबार मित्रों के प्रति हृदय से आभार व्यक्त किया है। मुखिया डहाके ने कहा कि वार्षिकोत्सव उर्स की सफलता श्रद्धालुओं एवं सहयोगियों की सामूहिक श्रद्धा, सहभागिता और सेवा-भाव का परिणाम है। उन्होंने श्रद्धालुओं से ताज कृपा दरबार की सेवा एवं संचालन में तन-मन-धन से सहयोग प्रदान करते हुए इस पुनीत परम्परा को निरंतर सशक्त बनाने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि दरबार संस्थापक मकसूद अहमद नासिर मासाब ने जिस भावना, सद्भाव और परम्परा के साथ ताज कृपा दरबार की स्थापना एवं संचालन की नींव रखी थी, उनके दुनिया से विदा होने के पश्चात उन्हीं भावनाओं एवं परम्पराओं को आगे बढ़ाना एक महत्वपूर्ण दायित्व है।

स्कूल, आंगनबाड़ी केन्द्र एवं उचित मूल्य दुकानों का एसडीएम ने किया निरीक्षण

सिंगरौली (स्वतंत्र मत)।

सुरेश जाधव ,कार्यपालिक नायब तहसीलदार तहसील सिंगरौली एवं कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी सिंगरौली के द्वारा संयुक्त रूप से अनुभाग अंतर्गत स्कूल, आंगनबाड़ी केन्द्र एवं शासकीय उचित मूल्य दुकानों का संयुक्त निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान आंगनबाड़ी केन्द्र पड़ेनिया के भवन को क्षतिग्रस्त पाया गया। इस पर आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं बाल विकास परियोजना अधिकारी बैढ़न ग्रामीण को आंगनबाड़ी केन्द्र को तत्काल उचित स्थान पर स्थानांतरित करने के निर्देश दिए गए।

तत्पश्चात शासकीय उचित मूल्य दुकान गड़हरा एवं उचित मूल्य दुकान परसौना का आकस्मिक निरीक्षण भी किया गया। गड़हरा उचित मूल्य दुकान में कुल 586 कार्डधारकों में से 370 कार्डधारकों तथा परसौना उचित मूल्य दुकान में 769 कार्डधारकों में से 448 कार्डधारकों को राशन वितरण किया जाना पाया गया। हितग्राहियों से राशन वितरण के संबंध में जानकारी लेने पर किसी प्रकार की शिकायत प्राप्त नहीं हुई। एसडीएम के शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय काजन के निरीक्षण के दौरान सभी शिक्षक उपस्थित मिले। विद्यालय परिसर में गंदगी पाए जाने पर प्रधानाध्यापक को तत्काल साफ-सफाई कराने के निर्देश दिए गए। इसी प्रकार शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गड़हरा के निरीक्षण में समस्त शिक्षक उपस्थित पाए गए। अतिथि शिक्षकों की उपस्थिति रजिस्टर के अवलोकन में यह तथ्य सामने आया कि प्राचार्य द्वारा अनुपस्थित अतिथि शिक्षकों के हस्ताक्षर कॉलम रिक्त छोड़े गए थे तथा उनमें अनुपस्थिति की टीप अंकित की गई थी। एसडीएम द्वारा भविष्य में इस प्रकार की त्रुटि नहीं करने के निर्देश दिए गए तथा अनुपस्थित अतिथि शिक्षकों की उपस्थिति संबंधी प्रविष्टियों को नियमानुसार दुरुस्त कराया गया।

जन विश्वास शिविर में मिल रहे कई लाभ : मंत्री राधा सिंह

जिले के दूरस्थ क्षेत्र बगदरा में पहुंचा प्रशासन, आयोजित हुआ तीसरा जन विश्वास शिविर

सिंगरौली (स्वतंत्र मत)।

मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के अंतर्गत जिले में आयोजित किए जा रहे शिविरों की कड़ी में चितरंगी जनपद के दूरस्थ क्षेत्र बगदरा में जिले के तीसरे जन विश्वास शिविर का आयोजन किया गया। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की राज्यमंत्री राधा सिंह की गरिमामय उपस्थिति में आयोजित शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीणजन शामिल हुए। शिविर में आमजन की समस्याओं एवं शिकायतों की सुनवाई कर उनके निराकरण की कार्यवाही की गई तथा विभिन्न शासकीय योजनाओं के पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ प्रदान किया गया। शिविर का शुभारंभ करते हुए राज्यमंत्री राधा सिंह ने कहा कि प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आम जनता की समस्याओं का मौके पर निराकरण करने, शासकीय योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाने तथा शासन-प्रशासन के प्रति आमजन का विश्वास और मजबूत करने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान प्रारंभ किया है। उन्होंने कहा कि अभियान के माध्यम से प्रशासन स्वयं जनता के बीच पहुंचकर उनकी समस्याओं को सुन रहा है और संबंधित विभागों के अधिकारियों द्वारा आवेदनों पर आवश्यक कार्यवाही की जा रही है।

उन्होंने कहा कि जन विश्वास शिविर आमजन और प्रशासन के बीच संवाद का प्रभावी माध्यम बन रहे हैं। इन शिविरों में जिला एवं विकासखण्ड स्तर के अधिकारी उपस्थित रहकर ग्रामीणों की समस्याओं को गंभीरता से सुन रहे हैं। पात्र हितग्राहियों को विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के हितलाभ से लाभान्वित किया जा रहा है। इससे ग्रामीणों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए दूर-दराज के कार्यालयों के चक्कर लगाने की आवश्यकता कम हुई है और उन्हें एक ही स्थान पर विभिन्न विभागों से संबंधित सेवाएं एवं जानकारी उपलब्ध हो रही है। राज्यमंत्री ने अधिकारियों

को निर्देशित किया कि आमजन की समस्याओं के निराकरण में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि सीएम हेल्पलाइन एवं जनसुनवाई के माध्यम से प्राप्त आवेदनों का भी प्राथमिकता के आधार पर निराकरण किया जाए। प्रत्येक आवेदन पर नियमानुसार कार्यवाही सुनिश्चित करते हुए आवेदक को संतुष्टिपूर्ण समाधान उपलब्ध कराया जाए ।उन्होंने कहा कि प्रशासन का मुख्य उद्देश्य शासन की योजनाओं और सुविधाओं का लाभ अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक पहुंचाना है। अधिकारी क्षेत्र में सक्रिय रहकर पात्र हितग्राहियों को चिन्हित करें तथा उन्हें शासन की योजनाओं से जोड़ने का कार्य करें। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी समन्वय के साथ कार्य करते हुए जिले को शिकायतों से मुक्त बनाने की दिशा में प्रभावी प्रयास करें।

राज्यमंत्री राधा सिंह ने कहा कि शासन की योजनाओं का वास्तविक उद्देश्य तभी पूरा होगा, जब उसका लाभ जरूरतमंद और पात्र व्यक्ति तक पहुंचे। उन्होंने अधिकारियों एवं कर्मचारियों से संवेदनशीलता के साथ कार्य करते हुए ग्रामीणों की समस्याओं का समाधान सुनिश्चित करने का आह्वान किया। जन विश्वास शिविर के अवसर पर राज्यमंत्री राधा सिंह सहित उपस्थित जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने पौधरोपण किया। इस दौरान पर्यावरण संरक्षण एवं हरियाली बढ़ाने का संकल्प लिया गया। राज्यमंत्री ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। प्रत्येक व्यक्ति को पौधरोपण के साथ-साथ लगाए गए पौधों की देखभाल भी सुनिश्चित करनी चाहिए। शिविर में जनपद सदस्य सुषमा सिंह, पुलिस अधीक्षक सियाज के.एम., जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी जगदीश गोमे, सहायक कलेक्टर सौम्या मिश्रा, जिला शिक्षा अधिकारी कविता त्रिपाठी, जिला आपूर्ति अधिकारी पी.सी. चन्द्रवंशी, उपायुक्त सहकारिता पी.के. मिश्रा, उप संचालक कृषि मनोज सिंह, डीपीसी आर.एल. शुक्ला, महिला बाल विकास अधिकारी जीतेन्द्र गुप्ता, जनपद चितरंगी के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मान सिंह सैयाम सहित जिला एवं खण्ड स्तर के अधिकारी-कर्मचारी, जनप्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

दिगंबर जैन विद्यालय से उद्यमिता सम्मेलन का शुभारंभ

विद्यार्थियों में उद्यमिता और स्वावलंबन का संचार

कटनी (स्वतंत्र मत)।

विश्व उद्यमिता दिवस के अवसर पर स्वदेशी जागरण मंच के स्वावलंबी भारत अभियान के अंतर्गत उद्यमिता सम्मेलन के प्रथम कार्यक्रम का शुभारंभ दिगंबर जैन उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, कटनी में किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के 105 विद्यार्थियों ने सहभागिता की। कार्यक्रम में मंचासीन अतिथियों के रूप में प्रांत सह महिला कार्य प्रमुख श्रीमती वंदना गेलानी जी, स्वावलंबी भारत अभियान के जिला समन्वयक श्री धन्य कुमार गांधी जी, दिगंबर जैन उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के अध्यक्ष एवं स्वदेशी जागरण मंच के कोषाध्यक्ष श्री आशीष जैन जी तथा विद्यालय के प्राचार्य श्री संजय कुमार जैन जी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ मंचासीन अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन से हुआ। इसके बाद श्रीमती अलका अग्रवाल जी द्वारा स्वदेशी गीत प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए श्री धन्य कुमार गांधी जी ने विद्यार्थियों को स्वावलंबी भारत अभियान के उद्देश्यों, कार्यों एवं गतिविधियों की जानकारी दी। इसी क्रम में प्रांत सह महिला कार्य प्रमुख श्रीमती वंदना गेलानी जी ने उद्यमिता सम्मेलन के विषय एवं उद्देश्य को विद्यार्थियों के समक्ष रखते हुए उन्हें प्रेरित किया कि वे केवल नौकरी खोजने वाले नहीं, बल्कि अवसर पैदा करने वाले बनें। उन्होंने विद्यार्थियों को अपनी रुचि, कौशल एवं प्रतिभा को पहचानकर भविष्य में उद्यमिता की दिशा में आगे बढ़ने का संदेश दिया। इसके बाद श्री आशीष जैन जी द्वारा विद्यार्थियों को स्वदेशी प्रतिज्ञा दिलाई गई। कार्यक्रम में श्रीमती स्मिता गोलचा जी को सफल उद्यमी के रूप में सम्मानित किया गया। साथ ही ऐसे पाँच विद्यार्थियों को भी सम्मानित किया गया, जो अपने माता-पिता एवं परिवार के उद्यम में सहयोग करते हैं। सम्मानित विद्यार्थियों में रितेश विश्वकर्मा, शिवम साहू, रौनक गुप्ता, अनिकेत श्रीवास्तव एवं श्रीकांत सोनी शामिल रहे। कार्यक्रम का संचालन कार्यक्रम संयोजक श्री विकास जैन जी द्वारा किया गया। कार्यक्रम में संघर्ष वाहिनी श्रीमती आकांक्षा बरसिया जी एवं श्रीमती अलका अग्रवाल जी, श्रीमती अंजू जार जी तथा विद्यालय के शिक्षकगण उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने उद्यमिता एवं स्वावलंबन से जुड़े विषयों को उत्साहपूर्वक सुना और सक्रिय सहभागिता की। कार्यक्रम का समापन कल्याण मंत्र के साथ हुआ।

स्वदेशी जागरण मंच के स्वावलंबी भारत अभियान के अंतर्गत आयोजित यह प्रथम उद्यमिता सम्मेलन विद्यार्थियों में उद्यमिता, स्वावलंबन एवं आत्मनिर्भरता की भावना विकसित करने की दिशा में एक सार्थक पहल रहा। इस अभियान के माध्यम से विद्यार्थियों को भविष्य में रोजगार की तलाश करने के साथ-साथ स्वयं अवसर सृजित करने और दूसरों के लिए रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

छात्र समस्याओं को लेकर अभाविप ने किया ज्ञापन प्रदर्शन

कटनी (स्वतंत्र मत)।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, जिला कटनी द्वारा आज प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, शासकीय तिलक स्नातकोत्तर महाविद्यालय कटनी में विद्यार्थियों की विभिन्न समस्याओं को लेकर ज्ञापन प्रदर्शन किया । इस दौरान जिला संगठन मंत्री प्रिंस तिवारी ने कहा कि विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण एवं आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराना महाविद्यालय प्रशासन की प्राथमिकता होनी चाहिए। विद्यार्थियों की समस्याओं का शीघ्र निराकरण नहीं होने पर अभाविप द्वारा आगे भी लोकतांत्रिक एवं चरणबद्ध आंदोलन किया जाएगा । अभाविप जिला संयोजक संजय कुशवाहा ने कहा कुछ स्वघोषित छात्र नेताओं द्वारा विद्यार्थियों की आवाज़ दबाने का प्रयास किया जा रहा था जिन्हें अभाविप ने मुंह तोड़ जवाब दिया और वहाँ से उल्टे पैर वापस लौटाने का काम किया अभाविप नगर मंत्री अवध पांडे ने महाविद्यालय प्रशासन के समक्ष बस सुविधा, छात्रावास को शीघ्र प्रारंभ करने, सभी विद्यार्थियों के लिए ड्रेस कोड एवं आइडेंटिटी कार्ड, वाशरूम की नियमित साफ-सफाई, स्मार्ट क्लासरूम, नियमित कक्षाओं के संचालन, ऑडिटोरियम निर्माण तथा खेल मैदान की व्यवस्था सहित अन्य छात्रहित की मांगें रखीं। अभाविप ने महाविद्यालय प्रशासन से मांग की कि ज्ञापन में उल्लेखित सभी समस्याओं का गंभीरता से संज्ञान लेते हुए समयबद्ध तरीके से समाधान किया जाए।प्रदर्शन में जिला स्न्नस संयोजक तरुण पांडेय,भाग संयोजक नितिन साहू नगर सह मंत्री आदेश त्रिपाठी, सक्षम सोनकर, साक्षी तिवारी,अंशुल गोस्वामी, दिव्यांश द्विवेदी,अक्षत शर्मा, प्रशांत, अंकित, हरिओम, राहुल,सुयन्त गर्ग , प्राची, वशु आदि कार्यकर्ताओं की उपस्थिति रही ।

ग्राम जरवाही में जुआ खेलते 8 आरोपी गिरफ्तार

कटनी (स्वतंत्र मत)।

अवैध गतिविधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के दौरान चौकी निवार पुलिस द्वारा ग्राम जरवाही में जुआ खेलने की सूचना पर दबिश दी गई। मौके से जुआ खेलते हुए निम्न 08 आरोपियों को पकड़ा गया-तेजी लाल रजक पिता रामकुमार रजक, उम्र 42 वर्ष, राहुल पटेल पिता अमृत लाल पटेल, उम्र 32 वर्ष, अजय पटेल पिता राजकुमार पटेल, उम्र 29 वर्ष, करण बर्मन पिता काशीराम बर्मन, उम्र 26 वर्ष, लटोरा चौधरी पिता फकड़ा चौधरी, उम्र 56 वर्ष, सुनील चौधरी पिता गेंदलाल चौधरी, उम्र 26 वर्ष, राजू चौधरी पिता मैकूलाल चौधरी, उम्र 30 वर्ष, दीपक बर्मन पिता रामसजीवन बर्मन, उम्र 28 वर्ष, सभी निवासी ग्राम जरवाही, थाना माधवनगर, जिला कटनी। पुलिस टीम द्वारा मौके से 52 ताश के पत्ते एवं ?4,310/- नगद जुआ राशि जप्त की गई। सभी आरोपियों के विरुद्ध जुआ एक्ट के तहत वैधानिक कार्रवाई की गई। उपद्रव करने वाले आरोपी के विरुद्ध प्रतिबंधात्मक कार्रवाई कर भेजा जेल- ग्राम जरवाही में प्यारे लाल कुम्हार पिता बौरा कुम्हार, उम्र 58 वर्ष, निवासी ग्राम जरवाही, थाना माधवनगर जिला कटनी व्दारा उपद्रव कर शांति व्यवस्था प्रभावित करने पर धारा 170 बीएनएसएस के तहत कार्रवाई करते हुए उसे गिरफ्तार किया गया तथा माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। जहां से उसे जेल भेज दिया गया है। पुलिस द्वारा क्षेत्र में शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए असामाजिक एवं उपद्रवी तत्वों पर लगातार निगरानी रखी जा रही है।

असामाजिक एवं उपद्रवी तत्वों पर लगातार निगरानी रखी जा रही

जंगली जानवरों के शिकार के लिए लगाये गये करंट से युवक की मृत्यु होने पर शव कुएं में छिपाने वाले आरोपी गिरफ्तार

कटनी (स्वतंत्र मत)।

पुलिस अधीक्षक कटनी अभिनय विश्वकर्मा (भा0पु0से0) के द्वारा आपराधिक गतिविधियों में अंकुश एवं अपराधियों के विरुद्ध सख्त कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया है । निर्देशानुसार, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमल मौर्य, उप पुलिस अधीक्षक सुश्री शिवा पाठक के मार्गदर्शन में कुठला थाना प्रभारी निरीक्षक अखलेश दाहिया के नेतृत्व में जंगली जानवरों के शिकार के लिए लगाए गए करंट के कारण युवक की मृत्यु होने पर शव कुएं में छिपाने वाले पाँच आरोपी गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है ।

घटना का विवरण:- दिनांक 17/08/2026 को सूचनाकर्ता रितिक बासुदेवा निवासी करहिया ने सूचना दिया कि दिनांक 17/08/2026 की रात्रि गांव के कुछ लोगों के साथ कन्हवारा जंगल की ओर गया था। सुबह जानकारी मिली कि साहिल की करंट लगने से मृत्यु हो गई है । जिसकी सूचना पर मर्ग पंजीबद्ध कर जाँच की गई जाँच के दौरान मृतक साहिल वासुदेव पिता लवकेश बासुदेवा उम्र 18 वर्ष निवासी करहैया थाना कुठला की मृत्यु के संबंध में साक्षियों के कथन, घटना स्थल निरीक्षण, शव पंचनामा एवं पोस्टमार्टम रिपोर्ट का परीक्षण किया गया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मृतक की मृत्यु बिजली का करंट लगने से होना पाया गया । मर्ग जांच के दौरान साक्षियों से पूछताछ एवं संदेही प्रकाश कोल निवासी ग्राम कन्हवारा के मेमोरेण्डम कथन के आधार पर घटना की सही जानकारी प्राप्त हुई। जिसके पश्चात थाना कुठला मे अपराध क्रमांक 743/26 धारा 105, 238(बी) बीएनएस के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है। दौरान विवेचना के आरोपी राजकुमार उर्फ कुंचु उर्फ किश्शु कोल, रोशन कोल, रूपेश बर्मन, साजन बर्मन, प्रकाश कोल सभी निवासी कन्हवारा थाना कुठला के दस्तयाब होने पर घटना के सम्बंध में पूछताछ करने पर पाया गया कि दिनांक 17/08/2026 की शाम प्रकाश कोल, रोशन कोल, रूपेश बर्मन एवं साजन बर्मन द्वारा जंगली जानवरों का शिकार करने की योजना बनाई गई।

इसके बाद सभी आरोपी बडेरी भटिया जंगल में पहुंचे, जहां रोशन कोल अपने साथ लाई लोहे की तार को लकड़ी की खूंटियों के सहारे जमीन से लगभग एक फीट ऊपर लगाकर जंगल के पास से गुजर रहे बिजली के तार से जोड़ दिया गया, जिससे लोहे की तार में करंट लगाया गया। रात्रि करीब 02 बजे आरोपी शिकार देखने जंगल पहुंचे, जहां उन्होंने देखा कि साहिल वासुदेव फंसकर करंट लगने से मृत्यु हो गई। इसके बाद घटना छिपाने के उद्देश्य से शव को उठाकर जंगल में स्थित एक पुराने सूखे कुएं में डाल दिया। साथ ही घटना में प्रयुक्त लोहे की तार को शिव मंदिर के पीछे झाड़ियों में छिपा दिया गया। मेमोरेण्डम के आधार पर उक्त लोहे की तार को जप्त किया गया है । दौरान विवेचना आरोपी राजकुमार उर्फ कुंचु उर्फ किश्शु कोल पिता नन्हे कोल उम्र 27 वर्ष, रोशन कोल पिता भक्कू कोल उम्र 25 वर्ष, रूपेश बर्मन पिता परषोत्तम बर्मनउम्र 27 वर्ष, साजन बर्मन पिता अंगद बर्मन उम्र 22 वर्ष, प्रकाश कोल पिता कुद्धू कोल उम्र 32 साल सभी निवासी कन्हवारा थाना कुठला को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय पेश किया गया था जहाँ से आरोपी को जेल भेज दिया गया ।

विशेष भूमिका:- सम्पूर्ण कार्यवाही निरीक्षक अखलेश दाहिया के नेतृत्व में की गई जिसमें उप निरीक्षक अनिल यादव, प्रधान आरक्षक ताहिर खान, रामेश्वर सिंह, अजय यादव, आरक्षक मनोज सिंह, विजय प्रजापति, बुद्धू कुमार, अभय यादव एवं अन्य स्टॉफ की भूमिका सराहनीय रही है ।

6 प्रकरणों में 14 आरोपी गिरफ्तार

50 लीटर कच्ची महुआ शराब एवं 44 पाव शराब जप्त

भारी मात्रा में लाहन नष्ट तथा 4,310 नगद जुआ राशि बरामद

कटनी। पुलिस अधीक्षक जिला कटनी श्री अभिनय विश्वकर्मा (भा.पु.से.) द्वारा जिले में अवैध शराब के विक्रय, निर्माण एवं परिवहन तथा जुआ जैसी असामाजिक गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने एवं ऐसे कृत्यों में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध कठोर वैधानिक कार्रवाई करने हेतु सभी थाना एवं चौकी प्रभारियों को निर्देशित किया गया है। उक्त निर्देशों के पालन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री कमल मौर्य एवं उप पुलिस अधीक्षक अजाक सुश्री शिवा पाठक के मार्गदर्शन तथा थाना प्रभारी माधवनगर श्री शैलेन्द्र सिंह यादव के नेतृत्व में चौकी निवार प्रभारी स.उ.नि. अंजनी मिश्रा द्वारा पुलिस टीम गठित कर ग्राम जरवाही एवं सुनेहरी क्षेत्र में अवैध गतिविधियों के विरुद्ध लगातार दबिश एवं कार्रवाई की गई।

ग्राम जरवाही में अवैध शराब बेचने वाले 2 आरोपियों पर कार्रवाई-चौकी निवार पुलिस को ग्राम जरवाही में अवैध रूप से शराब विक्रय किए जाने की सूचना प्राप्त हुई थी। सूचना की तस्दीक एवं कार्रवाई हेतु पुलिस टीम द्वारा दबिश दी गई। दबिश के दौरान-प्यारे लाल कुम्हार पिता बौरा कुम्हार, उम्र 60 वर्ष, निवासी ग्राम जरवाही के कब्जे से 22 पाव शराब तथा शकुन बाई पति सुरेन्द्र शर्मा, उम्र 50 वर्ष, निवासी ग्राम जरवाही के कब्जे से 26 पाव शराब बरामद की गई। दोनों आरोपियों के कब्जे से कुल 44 पाव शराब, अनुमानित कीमत 5,000/- जप्त कर उनके विरुद्ध आबकारी एक्ट के तहत वैधानिक कार्रवाई की गई। कच्ची महुआ शराब के विरुद्ध कार्रवाई, भारी मात्रा में लाहन नष्ट चौकी निवार थाना माधवनगर पुलिस द्वारा ग्राम सुनेहरी क्षेत्र में अवैध रूप से कच्ची महुआ शराब के निर्माण एवं विक्रय की सूचना पर दबिश दी गई। कार्रवाई के दौरान निम्न 4 आरोपियों को पकड़ा गया सुमेर सिंह पिता नन्हे सिंह गोंड, उम्र 35 वर्ष, विनय सिंह पिता नन्हे सिंह, उम्र 28 वर्ष, सुखदेव सिंह पिता नन्हे सिंह, उम्र 42 वर्ष, सुनील सिंह पिता शिव सिंह, उम्र 32 वर्ष, सभी निवासी ग्राम सुनेहरी, थाना माधवनगर, जिला कटनी।

पुलिस टीम द्वारा आरोपियों के कब्जे से 50 लीटर कच्ची महुआ शराब, अनुमानित कीमत 8,000/- जप्त की गई। साथ ही मौके पर अवैध शराब निर्माण के लिए तैयार किए गए भारी मात्रा में लाहन को नष्ट किया गया, जिससे अवैध शराब निर्माण की प्रक्रिया को प्रभावी रूप से रोका गया।

छात्रों द्वारा राखी मेकिंग गतिविधि का आयोजन

कटनी (स्वतंत्र मत)।

सनशाइन एकेडमी, रायबाड़ा में आज सभी कक्षाओं के नन्हें-मुन्ने बच्चों द्वारा रक्षाबंधन के पावन पर्व के अवसर पर राखी मेकिंग गतिविधि का आयोजन किया गया। इस गतिविधि में बच्चों ने रंग-बिरंगे कागज, मोती और सितारों से सुंदर-सुंदर राखियां बनाईं। सभी बच्चों ने बड़े उत्साह और उमंग के साथ भाग लिया। इस गतिविधि का मुख्य उद्देश्य बच्चों को भारतीय संस्कृति और भाई-बहन के पवित्र प्रेम के त्योहार के महत्व को समझाना था। स्कूल के शिक्षकों ने बताया कि ऐसे कार्यक्रम बच्चों के लिए मनोरंजन के साथ-साथ एक नया अनुभव भी देते हैं। इस तरह के कार्यक्रम बच्चों में खुशी, आत्मविश्वास और मिल-जुलकर रहने की भावना बढ़ाते हैं। सनशाइन एकेडमी, रायबाड़ा के सभी कक्षाओं के बच्चों ने राखी मेकिंग एक्टिविटी में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। बच्चों ने अपने हाथों से सुंदर राखियां बनाकर रचनात्मकता का परिचय दिया । स्कूल की वाइस प्रिंसिपल श्रीमती शबनम अख्तर द्वारा बच्चों की रचनात्मकता की सराहना की और सभी को रक्षा बंधन की शुभकामनाएं दीं। स्कूल की इंचार्ज श्रीमती नाजनीन तौफ़ीक़ ने बच्चों को रक्षाबंधन की शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

ढीमरखेड़ा पुलिस ने चोरी के फरार आरोपी को किया गिरफ्तार

चोरी का मशरूका बरामद कर आरोपी को न्यायालय में पेश किया भेजा गया जेल

कटनी। पुलिस अधीक्षक कटनी श्री अभिनय विश्वकर्मा (भा.पु.से.) द्वारा जिले में चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने एवं चोरी के प्रकरणों में फरार आरोपियों की गिरफ्तारी हेतु निर्देशित किया गया है। उक्त निर्देशों के पालन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री कमल मौर्य एवं एसडीओपी श्रीमती आकांक्षा चतुर्वेदी के निर्देशन तथा थाना प्रभारी ढीमरखेड़ा निरीक्षक महिमा रघुवंशी के नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा चोरी के प्रकरण में फरार आरोपी को गिरफ्तार किया गया। घटना का विवरण- प्रार्थिया मनीषा कोल पति वीरेंद्र कोल, उम्र 26 वर्ष, निवासी ग्राम ढीमरखेड़ा द्वारा थाना उपस्थित होकर रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि वह दिनांक 28.07.2026 को सुबह करीब 09 बजे घर में ताला लगाकर खेत चली गई थी। शाम करीब 05 बजे वापस लौटने पर घर के दरवाजे का ताला टूटा हुआ मिला तथा घर में रखी टीन की पेटी का ताला भी टूटा था। पेटी में रखे सोने-चांदी के जेवरात, कीमत करीब 60,000 रुपये, गायब थे। रिपोर्ट पर थाना ढीमरखेड़ा में अपराध क्रमांक 435/26, धारा 331(3), 305ए बीएनएस का प्रकरण अज्ञात आरोपी के विरुद्ध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। प्रार्थिया द्वारा शीतल कोल पर संदेह व्यक्त किया गया। पुलिस द्वारा संदेहिया से पूछताछ करने पर उसने अपराध करना स्वीकार किया तथा चोरी का आधा मशरूका राजपाल प्रधान, निवासी रखमतरा को देना बताया। आरोपिया शीतल कोल के कब्जे से चोरी गया एक सोने का मंगलसूत्र एवं एक चांदी का कड़दोरा, कीमत करीब 54,000 रुपये बरामद किया गया। वहीं विवेचना के दौरान आरोपी राजपाल प्रधान से चोरी गई एक जोड़ी चांदी की पायल भी जब्त की गईं।

डाइट में शैक्षिक संवाद का जिला स्तरीय उन्मुखीकरण संपन्न

जॉयफुल लर्निंग से बढ़ेगी शिक्षा की गुणवत्ता

कटनी (स्वतंत्र मत)।

राज्य शिक्षा केंद्र भोपाल के निर्देशानुसार जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान कटनी में प्राचार्य एम पी डुंगडुंग के निर्देशन में माध्यमिक शाला के शिक्षकों का एक दिवसीय उन्मुखीकरण आयोजित किया गया. प्रथम चरण में विकासखंड कटनी रीठी एवं बड़वारा तथा द्वितीय चरण में विकासखंड बहोरीबंद ढीमरखेड़ा एवं विजयराघगढ़ के कक्षा 6 से 8 पढ़ने वाले शिक्षक सम्मिलित हुए. मां सरस्वती के पूजन अर्चन से प्रारंभ हुई उन्मुखीकरण में जानकारी देते हुए डाइट से शैक्षिक संवाद प्रभारी श्री राकेश सिन्नरकर ने बताया कि सत्र 2026- 27 में माह अगस्त से जनवरी तक कुल पांच शैक्षिक संवाद आयोजित किए जाएंगे जिसमें माह के द्वितीय शनिवार को कक्षा 1 से 2, तृतीय शनिवार को कक्षा 3 से 5 तथा चतुर्थ शनिवार को कक्षा 6 से 8 पढाने वाले शिक्षकों हेतु शैक्षिक संवाद आयोजित किए जाएंगे. इस माह 22 अगस्त को प्रत्येक जन शिक्षा केंद्र पर कक्षा 6 से 8 पढाने वाले शिक्षकों हेतु शैक्षिक संवाद आयोजित किया जाएगा. राज्य से प्रशिक्षित सहज्कर्ताओ सरिका गुप्ता एवं सुषमा अग्रवाल ने सत्र 2025 26 में संपन्न हुए संवादों का पुनरावलोकन,इस माह की थीम कक्षा से जुड़ाव ¬ जोयफुल लर्निंग हेतु एक पहल पर वेलकम सर्कल,परिचय गतिविधि,सहजकर्ता द्वारा भूमिका निर्माण, मेरी कहानी विद्यार्थियों की जुबानी, रोचक गतिविधि के निर्माण से प्रस्तुत किया निर्माण से प्रस्तुत किया. रोचक कहानी एवं उस पर चिंतन हेतु प्रक्रिया, समूह कार्य, सत्र संचालन की प्रक्रिया, मेरी पहचान- मैं कौन हूं, स्थानीय समुदाय को समझने के लिए सामूहिक नक्शा बनाना, हमारा गांव हमारी प्रस्तुति पहेली और दिमागी खेल आदि को गतिविधि के माध्यम से बड़े रोचक ढंग से प्रस्तुत किया. संवाद के मुख्य उद्देश्य, संवाद आयोजित करने के डिजाइन सिद्धांत, बैठक व्यवस्था पर भी सदन में चर्चा की गई. पीपल संस्था से श्री नौशाद ने बच्चों को कहानी सुनाना तथा उसे पर चिंतन के माध्यम से कक्षा को जायफुल बनाने पर विस्तार से चर्चा की.

शिक्षक प्रभारी श्री राजेंद्र असाटी ने कलेक्टर महोदय के निर्देशन में बनाए गए मॉनिटरिंग के सभी 12 बिंदुओं पर चर्चा करते हुए सभी जन शिक्षकों को इसकी प्रति उपलब्ध कराई गई निर्देशित किया गया कि सभी शालाएं उक्त बिंदुओं पर अपनी शाला का स्व आकलन करेंगे. 15 दिवसो के बाद इन बिंदुओं के आधार पर शाला का अनुवीक्षण किया जाएगा. उन्होंने सभी प्राथमिक शालाओं को निपुण शाला बनाने की प्रक्रिया एवं शिक्षकों एवं जन शिक्षकों की भूमिका को भी विस्तार से समझाया. यह सभी जन शिक्षक एवं सहज कर्ता 22 अगस्त को अपने जन शिक्षा केंद्र में शैक्षिक संवाद का आयोजन करेंगे।

उक्त उन्मुखीकरण में जिला शिक्षा केंद्र से जिला परियोजना समन्वयक श्री प्रेम नारायण तिवारी ने भी अपना मार्गदर्शन दिया. उन्मुखीकरण में प्राचार्य डायट, ज्योति श्रीवास्तव, कमलेश सोनी, उमाशंकर सैनी, देवेन्द्र तिवारी, शिवराम तिवारी, राजेश गुप्ता, मंजू शर्मा, विक्रम सूर्यवंशी, संतोष जायसवाल, रामकुमार मिश्रा आदि सभी की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

हॉकी वर्ल्ड कपः भारत के सेमीफाइनल की उम्मीदें कायम

अब ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ करो या मरो का मुकाबला

नई दिल्ली।

मौजूदा विश्व चैंपियन नीदरलैंड्स के खिलाफ महिला हॉकी विश्व कप के दूसरे दौर के पहले मुकाबले में भारतीय टीम को 0-2 से हार का सामना करना पड़ा। इस नतीजे से भारतीय खेमे को झटका जरूर लगा है, लेकिन कप्तान सलीमा टेटे की अगुवाई वाली टीम के लिए सेमीफाइनल के दरवाजे अभी पूरी तरह बंद नहीं हुए हैं। पूल-ई के समीकरण ऐसे हैं कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ जीत और अनुकूल परिणाम भारत को अंतिम चार में पहुंचा सकते हैं। दूसरे दौर के पूल-ई में चार टीमें शामिल हैं और शीर्ष दो टीमें सीधे सेमीफाइनल में पहुंचेंगी। नीदरलैंड्स अपने दोनों मुकाबले जीतकर छह अंकों के साथ शीर्ष पर है। उसका गोल अंतर भी प्लस चार है। चीन ने दोनों मैच ड्रॉ खेले हैं और दो अंकों के साथ दूसरे स्थान पर है। भारत और ऑस्ट्रेलिया के खाते में एक-एक अंक है। दोनों टीमों का गोल अंतर माइनस दो है, लेकिन ऑस्ट्रेलिया ने तीन गोल किए हैं, जबकि भारत के नाम दो गोल हैं। इसी बेहतर स्कोरिंग रिकॉर्ड के कारण ऑस्ट्रेलिया तीसरे और भारत चौथे स्थान पर है।

अब भारत को अपने अंतिम मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया को हराना ही होगा। जीत के साथ भारतीय टीम के चार अंक हो जाएंगे और सेमीफाइनल की उम्मीद मजबूत हो जाएगी। ड्रॉ की स्थिति में भारत के केवल दो अंक होंगे, जबकि हार के साथ उसका सफर समाप्त हो जाएगा। भारत-ऑस्ट्रेलिया मुकाबले से पहले नीदरलैंड्स और चीन आमने-सामने होंगे। यदि नीदरलैंड्स चीन को हरा देता है और भारत ऑस्ट्रेलिया को मात देता है, तो भारत चार अंकों के साथ दूसरे स्थान पर पहुंच जाएगा। चीन के ड्रॉ करने की स्थिति में उसके तीन अंक होंगे और भारत की जीत उसे भी पीछे छोड़ देगी। हालांकि, अगर चीन उलटफेर करते हुए नीदरलैंड्स को हरा देता है तो उसके पांच अंक हो जाएंगे और भारत जीत के बावजूद चार अंकों पर तीसरे स्थान पर रह जाएगा। नीदरलैंड्स के खिलाफ भारत की सबसे बड़ी कमी मौकों को गोल में बदलने की रही। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मुकाबले में फॉरवर्ड लाइन और पेनल्टी कॉर्नर पर बेहतर प्रदर्शन के साथ रक्षापंक्ति को भी अनुशासित रखना होगा। मुख्य कोच शोर्ड मारिन की रणनीति और टीम का सामूहिक प्रदर्शन भारत के सेमीफाइनल अभियान की दिशा तय करेगा।

स्विट्जरलैंड के लॉज़ान में डायमंड लीग के महिला 800 मीटर फाइनल के दौरान नीदरलैंड्स की फेमके ब्रूडर्स-बोल और स्विट्जरलैंड की ऑड्रे वेरो दौड़ती हुईं।

दलीप ट्रॉफी में रेड बॉल चुनौती के लिए तैयार वैभव सूर्यवंशी

नई दिल्ली। टी20 क्रिकेट में अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से पहचान बनाने वाले युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी अब दलीप ट्रॉफी में रेड बॉल क्रिकेट की चुनौती के लिए मैदान पर उतरने जा रहे हैं। रविवार से शुरू हो रहे टूर्नामेंट में वैभव सूर्यवंशी ईस्ट जोन का प्रतिनिधित्व करेंगे। क्वार्टर फाइनल मुकाबले में ईस्ट जोन का सामना नॉर्थ ईस्ट जोन से होगा। इस मैच में युवा बल्लेबाज के पास लंबे प्रारूप में अपनी क्षमता साबित करने और प्रथम श्रेणी क्रिकेट के आंकड़ों में सुधार करने का महत्वपूर्ण मौका होगा। 15 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी ने बिहार के लिए अब तक आठ प्रथम श्रेणी मैच खेले हैं। इन मैचों की 12 पारियों में उनका औसत 17 से कुछ अधिक रहा है, जो उनकी टी20 उपलब्धियों की तुलना में खासा प्रभावशाली नहीं माना जा रहा है।

मेरा काम ट्रॉफी जिताना है, लाइक्स और व्यूज बटोरना नहींः गौतम गंभीर

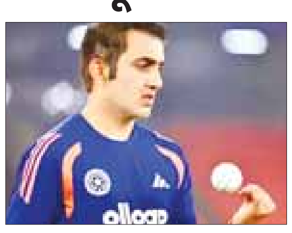

नई दिल्ली।

भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने टीम को लेकर हो रही बाहरी चर्चाओं, सोशल मीडिया की प्रतिक्रियाओं और टेस्ट क्रिकेट में प्रदर्शन पर उठ रहे सवालों को लेकर बेबाक प्रतिक्रिया दी है। श्रीलंका के खिलाफ कोलंबो में 23 अगस्त से शुरू होने वाले दूसरे टेस्ट मैच से पहले गंभीर ने साफ कहा कि उनका उद्देश्य लोगों को खुश करने के लिए सोशल मीडिया पर लाइक्स और व्यूज हासिल करना नहीं, बल्कि भारतीय टीम को ट्रॉफियां जिताना है। प्रेस कॉन्फ्रेंस में गंभीर ने कहा कि टीम के बारे में बाहर क्या चर्चा हो रही है, उससे उनके काम करने के तरीके पर कोई असर नहीं पड़ता। उनके अनुसार टीम प्रबंधन का पूरा ध्यान मैदान पर बेहतर प्रदर्शन करने और बड़े टूर्नामेंट व सीरीज जीतने पर है। उन्होंने दो टूक शब्दों में कहा कि उनका काम ट्रॉफियां जीतना है, लाइक्स और व्यूज हासिल करना नहीं। टेस्ट क्रिकेट में भारतीय टीम के हालिया प्रदर्शन और रैंकिंग को लेकर पूछे गए सवालों पर गंभीर ने टीम के संघर्ष में होने की बात को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि भारतीय टीम खराब दौर से नहीं, बल्कि बदलाव के दौर से गुजर रही है। ऐसे समय में कुछ उतार-चढ़ाव होना स्वाभाविक है और हर मुकाबले में एक जैसा प्रदर्शन करना संभव नहीं होता। गंभीर ने कहा कि रैंकिंग को जरूरत से ज्यादा महत्व नहीं दिया जाना चाहिए। उनके अनुसार इंग्लैंड सीरीज के बाद भारतीय टीम लगातार अच्छा क्रिकेट खेल रही है।

सचिन तेंदुलकर के 4 बड़े वर्ल्ड रिकॉर्ड पर जो रूट की नजर

पाकिस्तान के खिलाफ फिफ्टी से बढ़ी उम्मीदें

नई दिल्ली।

इंग्लैंड के दिग्गज बल्लेबाज जो रूट लगातार रिकॉर्डों के मामले में सचिन तेंदुलकर के करीब पहुंचते जा रहे हैं। पाकिस्तान के खिलाफ पहले टेस्ट की पहली पारी में रूट ने 66 रन बनाकर अपने टेस्ट करियर की 68वीं फिफ्टी पूरी की। इसके साथ ही उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा अर्धशतक लगाने के मामले में सचिन तेंदुलकर की बराबरी कर ली है।

हालांकि, सचिन के नाम 119 फिफ्टी प्लस स्कोर का विश्व रिकॉर्ड भी दर्ज है, जिस पर अब रूट की नजर है। सचिन तेंदुलकर ने अपने 200 टेस्ट मैचों के करियर में 51 शतक और 68 अर्धशतक की मदद से कुल 119 बार 50 से अधिक रन बनाए।

वहीं जो रूट 167 टेस्ट में 41 शतक और 68 अर्धशतक के साथ 109 फिफ्टी प्लस स्कोर बना चुके हैं। दोनों के बीच अब सिर्फ 10 ऐसे स्कोर का अंतर रह गया है। रूट जिस निरंतरता के साथ टेस्ट क्रिकेट में रन बना रहे हैं, उसे देखते हुए माना जा रहा है कि वह आने वाले समय में सचिन का यह रिकॉर्ड भी चुनौती दे सकते हैं। रूट की नजर केवल 50 से अधिक रन बनाने के रिकॉर्ड पर ही नहीं है। वह टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने, सबसे ज्यादा शतक लगाने और सबसे ज्यादा टेस्ट मैच खेलने के मामले में भी सचिन के करीब पहुंचने की कोशिश कर रहे हैं। सचिन ने 200 टेस्ट मैचों में 15,921 रन बनाए हैं, जबकि रूट अब तक 167 टेस्ट में 14,180 रन बना चुके हैं।

इस तरह दोनों के बीच 1,741 रन का अंतर है। शतकों की बात करें तो सचिन 51 टेस्ट शतक के साथ शीर्ष पर हैं। रूट के नाम फिलहाल 41 शतक हैं और वह इस रिकॉर्ड से 10 शतक दूर हैं। हालांकि, इस राह में उन्हें पहले जैक कैलिस और रिकी पोंटिंग जैसे दिग्गजों को पीछे छोड़ना होगा।

दो बार के वर्ल्ड चैंपियन बॉक्सर जोलानी टेटे की हत्या

घर के बाहर कार में मारी गोली, साउथ अफ्रीका के ईस्टर्न केप की घटना

ईस्टर्न केप। साउथ अफ्रीका के दो बार के वर्ल्ड चैंपियन बॉक्सर जोलानी टेटे की गोली मारकर हत्या कर दी गई। 38 साल के टेटे को ईस्टर्न केप के मडांत्साने में उनके घर के बाहर निशाना बनाया गया। वह अपनी कार में बैठे थे और घर का गेट खुलने का इंतजार कर रहे थे। तभी बलाक्लावा पहने दो हथियारबंद लोगों ने उनकी कार पर कई गोलियां चला दीं। हमले में टेटे के साथ कार में मौजूद 27 साल की महिला भी घायल हुई। उसे कई गोलियां लगी हैं। महिला को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हमलावर मौके से फरार हो गए। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। अभी तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। टेटे को बॉक्सिंग में 'लास्ट बॉर्न' के नाम से जाना जाता था। उनके नाम वर्ल्ड टाइटल फाइट में सबसे तेज नॉकआउट का रिकॉर्ड है। उन्होंने 2017 में साउथ अफ्रीका के सिबोनिसो गोन्या को सिर्फ 11 सेकेंड में नॉकआउट किया था। इस जीत के साथ उन्होंने वर्ल्ड टाइटल फाइट में सबसे तेज नॉकआउट का गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया। टेटे ने अलग-अलग वेट कैटेगरी में वर्ल्ड टाइटल जीते थे। उन्होंने 2007 और 2008 में वर्ल्ड टाइटल अपने नाम किया। इसके बाद 2017 और 2019 में उन्होंने वर्ल्ड बॉक्सिंग ऑर्गनाइजेशन का वर्ल्ड टाइटल जीता।

त्योहारी सीजन में चीनी का कड़वा वार

एक महीने में 20 फीसदी का उछाल, इथेनॉल उत्पादन के लिए गन्ने का डायवर्जन

नई दिन्ली। त्योहारों से ठीक पहले चीनी के दामों ने आम लोगों की चिंता बढ़ा दी है। पिछले एक महीने में चीनी की कीमतें 20 फीसदी बढ़कर 65 रुपए प्रति किलो तक पहुंच गई हैं, जो अब तक का रिकॉर्ड स्तर है। इसका मुख्य कारण इथेनॉल उत्पादन में गन्ने का अधिक इस्तेमाल बताया जा रहा है, जिसने आम आदमी का बजट बिगाड़ दिया है। भारत में चीनी की कीमतें रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई हैं, जिसने त्योहारों के मौसम में आम उपभोक्ता को मुश्किल में डाल दिया है। एक महीने पहले 48.18 रुपए प्रति किलो मिलने वाली चीनी अब खुदरा बाजारों में 65 रुपए प्रति किलो तक बिक रही है। यह उछाल ऐसे समय में आया है जब देश में गन्ने की पर्याप्त पैदावार है और सरकार ने घरेलू आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए चीनी के निर्यात पर भी रोक लगा रखी है। बावजूद इसके दामों का बढ़ना बाजार के एक अजीब संकट की ओर इशारा करता है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस संकट की मुख्य वजह इथेनॉल बनाने के लिए गन्ने का बढ़ता उपयोग है। इथेनॉल कार्यक्रम देश की ऊर्जा सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण है, लेकिन यह चीनी की उपलब्धता को प्रभावित कर रहा है। पंजाब में चीनी 65 रुपये प्रति किलो बिक रही है, जबकि मुंबई और भोपाल जैसे शहरों में भी कीमतें 58-63 रुपये प्रति किलो के बीच हैं। गणेश चतुर्थी, दशहरा और दिवाली जैसे त्योहारों के आने से चीनी की मांग में तेज़ी आएगी, जिससे सरकार के सामने कीमतों को नियंत्रण में रखने और महंगाई को बढ़ने से रोकने की बड़ी चुनौती खड़ी हो गई है। जानकार चेतावनी दे रहे हैं कि इथेनॉल कार्यक्रम और खाद्य कीमतों के बीच संतुलन बनाना आवश्यक है, ताकि उपभोक्ता पर इसका अनावश्यक बोझ न पड़े।

हैदराबाद में स्थापित होगा जिंदल स्टील उत्कृष्टता केंद्र

उच्च क्षमता, मूल्यवर्धित और लागत-प्रभावी इस्पात उत्पादों व समाधानों पर केंद्रित होगा

नई दिल्ली।

जिंदल स्टील (जेएसपीएल) और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) हैदराबाद ने देश के बुनियादी ढांचे, इंजीनियरिंग और रणनीतिक औद्योगिक क्षेत्रों में उन्नत इस्पात समाधानों के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए हाथ मिलाया है। इस महत्वपूर्ण साझेदारी के तहत आईआईटी हैदराबाद परिसर में एक जिंदल स्टील उत्कृष्टता केंद्र स्थापित किया जाएगा, जिसका लक्ष्य उच्च क्षमता और लागत-दक्षता वाले इस्पात उत्पादों का विकास और प्रचार करना है। यह उत्कृष्टता केंद्र विशेष रूप से उच्च क्षमता, मूल्यवर्धित और लागत-प्रभावी इस्पात उत्पादों व समाधानों पर केंद्रित होगा।

इसका मुख्य उद्देश्य डिजाइनरों, सलाहकारों, इंजीनियरों, ईपीसी कंपनियों और उपकरण निर्माताओं के साथ मिलकर उन्नत इस्पात ग्रेड के उपयोग की संभावनाओं को पहचानना और उन्हें बढ़ावा देना है। जिंदल स्टील के एक अधिकारी ने बताया कि यह साझेदारी भारत के बुनियादी ढांचे, इंजीनियरिंग और औद्योगिक क्षेत्रों में उच्च क्षमता और लागत-प्रभावी इस्पात के उपयोग को बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

ऑटो सेक्टर में उत्सव का माहौल

त्योहारी सीजन से पहले रिकॉर्ड बुकिंग, ऑटो कंपनियों ने बढ़ाया उत्पादन

नई दिल्ली। देश का यात्री वाहन उद्योग त्योहारी सीजन के लिए कमर कस चुका है। रिकॉर्ड बुकिंग और बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए विनिर्माता उत्पादन बढ़ा रहे हैं, डीलरों के पास स्टॉक जमा कर रहे हैं और नए मॉडल उतारने की तैयारी में हैं। हालांकि, इस उत्साह के बीच कंपनियों को वित्त वर्ष 2027 की दूसरी छमाही में वृद्धि की रफ्तार धीमी पड़ने का डर सता रहा है, जिसकी वजह पिछले साल के जीएसटी लागू होने के बाद की उच्च बिक्री तुलना है। कमोडिटी की बढ़ती कीमतें और डीलरों के पास बढ़ता स्टॉक भी अतिरिक्त जोखिम पैदा कर रहा है। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (फाडा) के आंकड़ों के अनुसार, अगस्त में 74.3 प्रतिशत डीलरों को बिक्री में वृद्धि की उम्मीद है, जो जुलाई से पहले के 51.24 प्रतिशत से काफी अधिक है। त्योहारी सीजन के लिए तैयारी अभी से शुरू हो चुकी है, और यात्री वाहनों के 53.57 प्रतिशत डीलरों ने बुकिंग में बढ़ोतरी दर्ज की है। आपूर्ति की रुकावटों को दूर कर और नए मॉडल लाने की तैयारी कर कंपनियां इस मांग को भुनाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। सांख्यिकीय आंकड़े भी इस तेजी की पुष्टि करते हैं। सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सायम) के अनुसार; जुलाई में यात्री वाहनों का उत्पादन सालाना आधार पर 26.4 प्रतिशत बढ़कर 5,05,520 इकाई हो गया, जबकि थोक आपूर्ति 34.3 प्रतिशत बढ़कर रिकॉर्ड 4,57,810 वाहनों तक पहुंच गई। अप्रैल-जून तिमाही में भी उत्पादन और थोक आपूर्ति में क्रमशः 16.8 प्रतिशत और 25.9 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि देखी गई। खुदरा बिक्री भी मजबूत बनी हुई है; फाडा के अनुसार, जुलाई में खुदरा पंजीकरण में 19.13 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

आरबीआई ने श्रीराम फाइनेंस और प्रॉगफिन पर लगाया लाखों का जुर्माना

निदेशक नियुक्ति, केवायसी और जोखिम वर्गीकरण नियमों के उल्लंघन पर कार्रवाई

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई)ने कुछ नियमों और निर्देशों का पालन न करने के कारण श्रीराम फाइनेंस कॉर्पोरेशन और प्रॉगफिन पर मौद्रिक जुर्माना लगाया है। आरबीआई के अनुसार श्रीराम फाइनेंस पर 8.10 लाख रुपये और प्रॉगफिन पर 2.70 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है, जो वित्तीय नियमों के अनुपालन में गंभीरता को दर्शाता है। आरबीआई ने श्रीराम फाइनेंस पर निदेशक की नियुक्ति करते समय केंद्रीय बैंक से पूर्व लिखित अनुमति न लेने के लिए जुर्माना लगाया, जिसके कारण प्रबंधन में बदलाव हुआ। इसके अतिरिक्त, कंपनी ग्राहकों को कम, मध्यम और उच्च जोखिम वाली श्रेणियों में वर्गीकृत करने की प्रणाली बनाने में विफल रही और कुछ ग्राहकों के केवाईसी (अपने ग्राहक को जानें) रिकॉर्ड को निर्धारित समय-सीमा के भीतर केंद्रीय केवाईसी रिकॉर्ड्स रजिस्ट्री में अपलोड नहीं कर पाई। वहीं प्रॉगफिन पर खातों के जोखिम वर्गीकरण की समय-समय पर समीक्षा करने की व्यवस्था जो नियमों के अनुसार हर छह महीने में एक बार अनिवार्य है।

वैश्विक दबाव में रहा बाजार, कच्चे तेल और भू-राजनीतिक तनाव ने बढ़ाई अनिश्चितता

हफ्ते के अंत में बाजार ने कुछ सुधार दिखाया, लेकिन अनिश्चितता का माहौल बरकरार रहा

मुंबई। बीते हफ्ते भारतीय शेयर बाजार में निवेशकों को उतार-चढ़ाव भरे माहौल का सामना करना पड़ा। पश्चिमी एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें शुरुआती दिनों में बाजार पर हावी रहीं, जिससे प्रमुख सूचकांकों में लगातार गिरावट दर्ज की गई। हालांकि, हफ्ते के अंत में बाजार ने कुछ सुधार दिखाया, लेकिन अनिश्चितता का माहौल बरकरार रहा। कच्चे तेल और भू-राजनीतिक दबाव (सोमवार से बुधवार) हफ्ते की शुरुआत निवेशकों के लिए निराशाजनक रही। सोमवार को भारतीय बाजार में गिरावट के साथ शुरुआत हुई, जहां सेंसेक्स 281.09 अंक गिरकर 77,728.16 पर और निफ्टी 78.35 अंक गिरकर 24,287.65 पर बंद हुआ। यह लगातार पांचवां कारोबारी सत्र था जब बाजार में गिरावट दर्ज की गई थी। मंगलवार को भी यह सिलसिला जारी रहा] सेंसेक्स 492.70 अंक गिरकर 77,235.46 पर और निफ्टी 132.75 अंक फिसलकर 24,154.90 के स्तर पर आ गया। बुधवार को भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के कारण बाजार में और कमजोरी आई। सेंसेक्स 325.78 अंक गिरकर 76,909.68 पर और निफ्टी 76.60 अंक गिरकर 24,078.30 पर बंद हुआ।

अस्थिरता भरा रहा सप्ताह

इस तरह सेंसेक्स में चार दिनों में कुल 1,170.28 अंकों की गिरावट दर्ज की गई, जबकि निफ्टी ने लगातार सात दिनों तक नुकसान झेला। लंबी गिरावट के बाद गुरुवार को निवेशकों के चेहरे पर खुशी लौटी। अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल में गिरावट और शॉर्ट-कवरिंग के चलते बाजार ने जोरदार वापसी की। निफ्टी ने लगातार सात दिनों की गिरावट के सिलसिले को तोड़ते हुए 24,200 का स्तर पार किया। सेंसेक्स 628.04 अंक की शानदार बढ़त के साथ 77,537.72 पर बंद हुआ।

राशन वितरण में आएगा बदलाव

डिजिटल रुपया रोकेगा धोखाधड़ी

नई दिल्ली। सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) में धोखाधड़ी और सब्सिडी लीकेज पर अंकुश लगाने के लिए केंद्र सरकार ने एक महत्वाकांक्षी योजना तैयार की है। इसके तहत प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना की खाद्य सब्सिडी अब सीधे लाभार्थियों के केंद्रीय बैंक डिजिटल मुद्रा (सीबीडीसी) आधारित डिजिटल रुपया वॉलेट में हस्तांतरित की जाएगी। यह कदम देशभर में लगभग 78.85 करोड़ लाभार्थियों को प्रति माह वितरित होने वाले 19,000 करोड़ रुपये के खाद्यान्न में पारदर्शिता सुनिश्चित करेगा। यह उद्देश्य-आधारित डिजिटल सब्सिडी लाभार्थियों को सूचीबद्ध दुकानदारों से खाद्यान्न खरीदने की सुविधा देगी। वे एक सुरक्षित और ट्रैक करने योग्य डिजिटल भुगतान तंत्र का उपयोग कर सकेंगे। रियल-टाइम ट्रैकिंग प्रणाली लीकेज और हेराफेरी को काफी हद तक कम करेगी। स्मार्टफोन उपयोगकर्ता क्यूआर कोड से, जबकि साधारण मोबाइल वाले ओटीपी-आधारित वाउचर से भुगतान कर सकेंगे। अप्रयुक्त कूपन स्वतः सरकारी खाते में लौट जाएंगे, जिससे फर्जी एंट्री की संभावना समाप्त होगी और राशन डीलर द्वारा कालाबाजारी पर लगाम लगेगी।

किसान अपनी फार्मर आईडी जरूर बनवाएं : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने नई दिल्ली से शिवपुरी के बलराम कृषि महोत्सव में वीसी से की सहभागिता

भोपाल (स्वतंत्र मत)।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश में फार्मर आईडी बनवाने का अभियान 20 अगस्त से शुरू किया गया है। किसानों को अब न कहीं भटकना होगा और न ही लंबी लाइनों में लगना होगा। शासकीय दल खुद किसानों के पास जाकर उनकी फार्मर आईडी बनवाएंगे। मुख्यमंत्री ने सभी किसानों से अपनी फार्मर आईडी जरूर बनवाने की अपील की है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को नई दिल्ली से शिवपुरी जिले की कृषि उपज मंडी, पिपरसमा में हुए बलराम कृषि महोत्सव को वर्चुअली संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किसानों से कहा कि अब खाद के लिए किसानों को चिंता करने की जरूरत नहीं है। पैसे की कमी हमारे किसी भी किसान के आड़े न आए, इसके लिए हमारी सरकार ने शून्य प्रतिशत ब्याज पर अग्रिम खाद उपलब्ध कराने का निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हम किसान के माथे पर चिंता की एक भी लकीर नहीं आने देंगे। शिवपुरी जिले के किसानों की मेहनत से उपजी मूंगफली का डंका पूरे देश में बज रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किसानों से अपील करते हुए कहा कि वे सिर्फ पारम्परिक फसलों तक ही सीमित न रहे, बागवानी, डेयरी फार्मिंग, मत्स्य पालन और पशुपालन जैसे आमदनी वाले अन्य क्षेत्रों को भी अपनाएं। उन्होंने कहा कि सरकार हमेशा किसानों के साथ है। हम सब मिलकर शिवपुरी जिले को कृषि का सिरमौर बनाएंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि शिव की नगरी शिवपुरी जिले में केन-बेतवा-पार्वती-सिंध-महुआ नदियों से पंचामृत की तरह आपके खेतों को जल मिल रहा है। उन्होंने शहीद तात्या टोपे के बलिदान को भी याद करते हुए कहा कि बलराम जयंती महोत्सव

प्रदेश में 20 अगस्त से चल रहा है फार्मर आईडी बनाने का अभियान

वास्तव में किसानों के स्वाभिमान का एक अद्भुत पर्व है।

कृषि क्षेत्र में मिलेगा मुनाफा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि किसानों के लिए सरकार द्वारा कई कल्याणकारी योजना चलाई जा रही हैं, जिससे कृषि क्षेत्र में उनको मुनाफा मिले। उन्होंने कहा कि किसानों को पहले ऋण की राशि 31 मार्च तक जमा करनी होती थी, अब उससे निजात मिलेगी। किसान अब ऋण की राशि 1 वर्ष में कभी भी चुका सकता है। इसके लिए अब 31 मार्च की समय-सीमा समाप्त कर दी गई है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि ई-विकास प्रणाली को और अधिक प्रभावी, सहज, सरल एवं किसान हितैषी बनाया गया है। ई-विकास 2.0 से किसानों को अपनी आवश्यकता के अनुरूप उर्वरक प्राप्त करने में सुविधा होगी। उन्होंने कहा कि ई-विकास 2.0 में किसान अपनी इच्छानुसार कोई भी एक उर्वरक बिना किसी अनिवार्य संयोजन के खरीद सकेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अब किसान खेती-किसानी के अलावा अन्य माध्यमों से भी मुनाफा कमा रहे हैं। होम-स्टे की अवधारणा भी धीरे-धीरे बढ़ रही है। इससे किसानों को लाभ मिलेगा।

खत्म होगा बिजली का संकट

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यहां माधव टाइगर रिजर्व भी है। इससे पर्यटन को बढ़ावा मिल रहा है। हम किसानों की समृद्धि के लिए लगातार काम कर रहे हैं। अगले साल जो किसान चना या गन्ने की फसल लगाएंगे, उन्हें इन फसलों के लिए पूरे समय दिन में बिजली दी जायेगी। रात की बिजली का संकट खत्म होगा। इससे सिंचाई के लिए किसानों को रातभर जागने की परेशानी अब खत्म हो जाएगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जिले के सभी किसानों विशेषकर लाड़ली बहनों को आगामी रक्षाबंधन की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि लाडली बहना योजना की राशि रक्षाबंधन त्यौहार से पूर्व सभी के खातों में भेजी गई है, जिससे हमारी बहनें खुशी-खुशी त्यौहार मना सकें। उन्होंने कहा कि किसान सम्मान निधि योजना के तहत किसानों को केन्द्र और राज्य सरकार द्वारा मिलाकर प्रतिवर्ष 12000 रुपए दिए जा रहे हैं, जिससे वह खाद-बीज जैसी जरूरतों को समय से पूरा कर सकें।

मेहनत, अनुशासन और आत्मविश्वास सफलता की कुंजी : उदय प्रताप सिंह

राज्य स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी का समापन

विज्ञान में अदिति, गणित में अंबिका और इतिहास में सायनी रहीं प्रथम

भोपाल (स्वतंत्र मत)। स्कूल शिक्षा एवं परिवहन मंत्री उदय प्रताप सिंह ने कहा कि मेहनत, अनुशासन और आत्मविश्वास ही सफलता की कुंजी है। विद्यार्थियों में देश का उज्ज्वल भविष्य दिखाई देता है। उन्होंने विद्यार्थियों से शिक्षा के माध्यम से जीवन में आगे बढ़ने, देशसेवा में योगदान देने और स्वावलंबी बनकर रोजगार के नए अवसर सृजित करने का आह्वान किया। मंत्री सिंह नरसिंहपुर जिले के साईखेड़ा स्थित सांदीपनि शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय में आयोजित दो दिवसीय राज्य स्तरीय विज्ञान, गणित, पर्यावरण एवं सामाजिक विज्ञान प्रदर्शनी 2025-26 के समापन समारोह में शामिल हुए। उन्होंने विभिन्न विधाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया। विज्ञान मॉडल में नर्मदापुरम संभाग की अदिति लौवंशी, गणित में जबलपुर की अंबिका साहू, इतिहास में ग्वालियर की सायनी जाटव, पर्यावरण में सागर की दिव्या पटेल, भूगोल में उज्जैन के अर्शल्न मंसूरी और राजनीति विज्ञान में ग्वालियर की सहजवीर कौर ने प्रथम स्थान हासिल किया।

कंट्रीब्यूशन ऑफ सेंट्रली फंडेड इंस्टीट्यूशनस फॉर समृद्ध मध्यप्रदेश 2047 पर राज्य स्तरीय कॉन्क्लेव

24 अगस्त को मुख्यमंत्री डॉ. यादव करेंगे शुभारंभ

भोपाल (स्वतंत्र मत)।

अटल बिहारी वाजपेयी सुशासन एवं नीति विश्लेषण संस्थान द्वारा कंट्रीब्यूशन ऑफ सेंट्रली फंडेड इंस्टीट्यूशनस फॉर समृद्ध मध्यप्रदेश 2047 विषय पर एक दिवसीय राज्य स्तरीय कॉन्क्लेव का आयोजन 24 अगस्त 2026 को कुशाभाऊ ठाकरे अंतर्राष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर, भोपाल में किया जाएगा। कॉन्क्लेव की थीम वन इंस्टीट्यूट-वन प्रॉमिस रखी गई है।

कॉन्क्लेव का शुभारंभ 24 अगस्त को सुबह 11 बजे मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव करेंगे। कार्यक्रम में मुख्य सचिव अशोक बर्णवाल समृद्ध मध्यप्रदेश2047 पर मुख्य वक्तव्य देंगे। सुशासन संस्थान के उपाध्यक्ष प्रो. राजीव दीक्षित विशेष संबोधन देंगे, जबकि मुख्य वैज्ञानिक सलाहकार प्रो. संतोष कुमार विश्वकर्मा द्वारा कॉन्क्लेव की पृष्ठभूमि एवं संदर्भ प्रस्तुत किया जाएगा। दूसरे सत्र में इन्क्लूसिव इकोनॉमिक ग्रोथ एण्ड सोसल इंपावरमेंट फॉर समृद्ध मध्यप्रदेश 2047 विषय पर चर्चा एवं आगे की कार्य योजना पर व्यापक विमर्श किया जाएगा। इस चर्चा में उपस्थित केन्द्रीय संस्थाओं के प्रतिनिधि एवं शासन के अधिकारी भाग लेंगे।

इस कॉन्क्लेव का उद्देश्य मध्यप्रदेश की विकास प्राथमिकताओं को प्रदेश के अग्रणी केन्द्रीय संस्थानों की शोध एवं नवाचार क्षमता, तकनीकी विशेषज्ञता, आधुनिक अधोसंरचना, एवं मानव संसाधन से जोड़ते हुए भविष्य के लिए संस्थागत साझेदारी का प्रभावी मंच तैयार करना है। इसके माध्यम से केन्द्रीय संस्थानों की विशेषज्ञता को राज्य की वर्तमान विकास चुनौतियों एवं विकास अवधारणा से जोड़कर समाधान विकसित करने पर बल दिया जाएगा।

130 से अधिक संस्थानों की व्यापक सहभागिता

इस कॉन्क्लेव में प्रदेश में स्थित आईआईटी इंदौर, आईआईएम इंदौर, आईआईएसईआर भोपाल, एमएएनआईटी भोपाल, एम्स भोपाल, आईआईआईटीएस, एनआईएफएसयू भोपाल, आरआरएसीएटी इंदौर, डीआरडीओ, आईएसआरओ, राष्ट्रीय एवं केन्द्रीय विश्वविद्यालयों सहित कृषि, स्वास्थ्य, प्रौद्योगिकी, प्रबंधन, रक्षा, ऊर्जा, पर्यावरण, कौशल विकास और अन्य क्षेत्रों से जुड़े प्रमुख संस्थान शामिल हैं। इन केन्द्रीय संस्थानों से बेहतर समन्वय के उद्देश्य से राज्य के प्रमुख संस्थानों को भी कॉन्क्लेव में आमंत्रित किया गया है।

मुख्य रूप से राज्य में स्थित 59 केन्द्रीय संस्थानों, 26 राज्य स्तरीय विश्वविद्यालयों, 11 राज्य स्तरीय शासकीय इंजीनियरिंग एवं 19 शासकीय मेडिकल महाविद्यालय, 8 राज्य स्तरीय शोध संस्थानों तथा 9 चयनित निजी विश्वविद्यालयों के प्रतिनिधियों के आने की सम्भावना है।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भवन के निर्माण को मिली प्रशासकीय स्वीकृति

दमोह (स्वतंत्र मत)। राज्यमंत्री लखन पटेल के विशेष प्रयासों से पथरिया क्षेत्र को स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार की महत्वपूर्ण सौगात मिली है। शासन द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पथरिया में नवीन 30 बिस्तरीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भवन के निर्माण कार्य के लिए प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा अनुसूचित जाति उपयोजना क्षेत्र अंतर्गत पथरिया में नवीन स्वास्थ्य केंद्र भवन निर्माण के लिए 1127.92 लाख रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति दी गई है। स्वीकृत निर्माण कार्य में नवीन 30 बिस्तरीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भवन के साथ 2 एफ टाइप, 2 जी टाइप एवं 2 एच टाइप आवास गृहों का निर्माण भी शामिल है।

पंचवटी भेड़ाघाट से प्रारंभ हुई कांवड यात्रा

121 किलोमीटर की दूरी तय कर देवश्री जागेश्वरनाथ धाम बांदकपुर पहुंचेगी

दमोह (स्वतंत्र मत)।

संस्कृति, पर्यटन, धर्मस्व एवं धार्मिक न्यास राज्यमंत्री धर्मेन्द्र सिंह लोधी के नेतृत्व में चल रही पांच दिवसीय कांवड़ यात्रा में दमोह सांसद राहुल सिंह लोधी एवं भाजपा जिला अध्यक्ष श्याम शिवहरे ने भी कांवड़ियों के साथ उत्साहपूर्वक यात्रा में सहभागिता की। पंचवटी भेड़ाघाट से प्रारंभ हुई यह कांवड़ यात्रा 121 किलोमीटर की दूरी तय कर देवश्री जागेश्वरनाथ धाम बांदकपुर पहुंचेगी। कांवड़ यात्रा में भक्तिमय संगीत के साथ राज्यमंत्रीए सांसद और जनप्रतिनिधि गण कांवड़ियों के साथ धार्मिक आनंद लेते नजर

आए। यात्रा के तृतीय दिवस तेंदूखेड़ा से प्रारंभ होकर दोपहर में ग्राम सांगा पहुंची जहां बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के लिए भंडारे का आयोजन किया गया। कांवड़ यात्रा के दौरान सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्यक्रम भी आयोजित किए गए। स्कूल में छात्र-छात्राओं को निशुल्क स्कूली सामग्री वितरित की गई। वहीं पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए तेजगढ़ स्कूल में पौधरोपण भी किया गया। कांवड़ यात्रा में हजारों श्रद्धालुओं के साथ मंत्री अनुज सत्येंद्र सिंह लोधी एवं उनका परिवार भी लगातार शामिल होकर यात्रा में सहभागिता कर रहा है। धार्मिक आस्था और सामाजिक संदेश के साथ आगे बढ़ रही इस यात्रा में श्रद्धालुओं का उत्साह देखते ही बन रहा है।

जल गुणवत्ता में किसी भी प्रकार की न हो लापरवाही : कलेक्टर

कलेक्टर ने फिल्टर प्लांट का औचक निरीक्षण कर नलजल की गुणवत्ता सुधारने के दिए निर्देश

दमोह (स्वतंत्र मत)। पथरिया के नगरपालिका फिल्टर प्लांट से नगरवासियों को उपलब्ध कराए जा रहे नलजल की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से कलेक्टर प्रताप नारायण यादव ने फिल्टर प्लांट का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने रॉ वाटर, एलम, क्लैरीफ्लॉक्युलेटर, सेडिमेंटेशन, फिल्ट्रेशन एवं स्टोरेज सहित जल शोधन की पूरी प्रक्रिया का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान फिल्टर किए गए पानी में कीड़े एवं कबूतर के पंख पाए जाने पर कलेक्टर ने नाराजगी जताई और नगरपालिका अधिकारी को शोकॉज नोटिस

जारी करने के निर्देश दिए। जल परीक्षण किट एवं टीडीएस मीटर से जल परीक्षण अपेक्षित स्तर पर नहीं पाए जाने पर नियमित लैब टेस्टिंग की व्यवस्था विकसित करने को कहा। कलेक्टर श्री यादव ने पानी को अशुद्धियों से बचाने के लिए आवश्यक स्थानों पर लाइट हटाने एवं नेट.जाली लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल प्रत्येक नागरिक का अधिकार है, इसलिए जल गुणवत्ता में किसी भी प्रकार की लापरवाही न हो और सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं।

बारिश में छात्रों ने सड़क की मांग कर हटा-पटेरा मार्ग किया जाम

पांच साल से सड़क की समस्या से जूझ रहे ग्रामीण और विद्यार्थी

हटा (स्वतंत्र मत)।

हटा थाना क्षेत्र के पटेरा तहसील अंतर्गत मझगुवां पतोल गांव में सड़क की समस्या को लेकर शनिवार दोपहर स्कूली छात्र-छात्राओं का आक्रोश सड़क पर देखने को मिला। तेज बारिश के बीच छात्रों ने हटा-पटेरा मुख्य मार्ग पर साइकिलें खड़ी कर करीब एक घंटे तक चक्काजाम किया। ग्रामीणों ने भी छात्रों के प्रदर्शन का समर्थन किया। छात्रों की मांग थी कि मुख्य सड़क से करीब तीन किलोमीटर अंदर स्थित स्कूल तक पक्की सड़क बनाई जाए। विद्यार्थियों का कहना है कि बारिश के दिनों में कच्चा रास्ता कीचड़ में तब्दील हो जाता है जिससे स्कूल पहुंचने में उन्हें काफी परेशानी होती है। कई बार फिसलने से छात्र चोटिल भी हो जाते हैं और स्कूल की यूनिफार्म खराब हो जाती

है। छात्रों और ग्रामीणों के अनुसार सड़क की समस्या पिछले करीब पांच वर्षों से बनी हुई है।

इस संबंध में स्कूल प्रबंधन ग्राम पंचायत सरपंच और संबंधित अधिकारियों को कई बार अवगत कराया गया लेकिन समस्या का स्थायी समाधान नहीं हुआ। बारिश के दौरान कच्चे रास्ते की हालत और खराब हो जाने से विद्यार्थियों के साथ ग्रामीणों की परेशानी भी बढ़ जाती है।

चक्काजाम की सूचना मिलते ही तहसीलदार उमेश तिवारी, हटा थाना प्रभारी सुधीर बेगी और विकासखंड शिक्षा अधिकारी मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने छात्रों और ग्रामीणों से चर्चा कर उनकी समस्या सुनी। इसके बाद तहसीलदार सहित अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर कच्चे मार्ग का निरीक्षण किया और उसकी स्थिति का जायजा लिया। इस दौरान पटवारी सुधीर राज भी मौजूद रहे। करीब एक घंटे तक चले प्रदर्शन के बाद अधिकारियों ने छात्रों और ग्रामीणों को जल्द वैकल्पिक मार्ग की व्यवस्था कराने का आश्वासन दिया। आश्वासन मिलने के बाद छात्रों ने चक्काजाम समाप्त कर दिया और यातायात बहाल हो सका। टीआई सुधीर बेगी ने बताया कि उन्होंने ठेकेदार सोमेश चौरसिया से बच्चों की बात कराई तो उन्होंने मदद का भरोसा दिलाया फिर बच्चे हटा आकर सोमेश से आवास पर मिले जहां दो बिटियों का जन्मदिवस भी मनाया गया। हालांकि वर्षों से चली आ रही सड़क की समस्या के स्थायी समाधान को लेकर अब भी सवाल बना हुआ है। फिलहाल छात्र और ग्रामीण प्रशासन के आश्वासन के बाद वैकल्पिक मार्ग की व्यवस्था का इंतजार कर रहे हैं। अब देखना होगा कि स्कूल तक पक्की सड़क की मांग कब तक पूरी होती है।

विश्व मच्छर दिवस पर विद्यालयों में जागरूकता कार्यक्रम

दमोह (स्वतंत्र मत)। जिले में विश्व मच्छर दिवस के अवसर पर मच्छर जनित बीमारियों से बचाव एवं रोकथाम के लिए विभिन्न जागरूकता गतिविधियां आयोजित की गईं। स्वास्थ्य विभाग एवं संबंधित टीमों द्वारा लोगों को मच्छरों से होने वाली बीमारियों तथा उनकी रोकथाम के उपायों के प्रति जागरूक किया गया। विश्व मच्छर दिवस के अवसर पर कर्मचारियों को मच्छर जनित रोगों की रोकथाम के लिए शपथ दिलाई गई। वहीं सिविल वार्ड स्थित आंगनवाड़ी केंद्र क्रमांक 5 में मच्छरों से बचाव, साफ सफाई रखने तथा घरों के आसपास पानी जमा न होने देने के संबंध में जानकारी दी गई। पतलोनी तेंदूखेड़ा क्षेत्र में लार्वा सर्वे की गतिविधियां की गई।

पीएम श्री शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल पतलोनी में विद्यार्थियों को मच्छरों से होने वाली बीमारियों, उनके लक्षणों एवं बचाव के उपायों की जानकारी दी गई। इसी प्रकार मिडिल स्कूल हारट बटियागढ़, माध्यमिक शाला पिपरिया चंपत, पथरिया तथा शासकीय एकीकृत माध्यमिक शाला हिनौती, पटेरा में भी विद्यार्थियों को मच्छर जनित रोगों से बचाव, व्यक्तिगत स्वच्छता एवं आसपास साफ सफाई रखने के लिए जागरूक किया गया। जबेरा ब्लॉक के विभिन्न ग्रामों में मच्छरों की उत्पत्ति रोकने के उद्देश्य से गम्बूसिया मछलियां डाली गई। स्वास्थ्य विभाग की टीमों द्वारा जल स्रोतों एवं आसपास के क्षेत्रों का निरीक्षण कर मच्छरों के लार्वा की स्थिति का सर्वे भी किया गया तथा आवश्यक नियंत्रणात्मक गतिविधियां की गई। जिला मलेरिया अधिकारी ने बताया प्रतिवर्ष 20 अगस्त को विश्व मच्छर दिवस मनाया जाता है।

संघर्ष से समृद्धि तक अश्वगंधा ने बदली दमोह के किसान की तकदीर

दमोह (स्वतंत्र मत)।

दमोह जिले के छोटे से गाँव भाटखमरिया में रहने वाले अरविंद सिंह लोधी वर्षों से पारंपरिक खेती करते आ रहे थे। सोयाबीन, गेहूं और चना जैसी फसलों में मेहनत बहुत थी लेकिन आमदनी सीमित। कभी मौसम ने साथ नहीं दिया तो कभी बाजार ने। मेहनत के बाद भी हाथ में बचता बहुत कम था। इसी बीच उनके बेटे ओम लोधीए जो एक इंजीनियर हैं ने खेती को नए नजरिए से देखने की पहल की। उन्होंने पारंपरिक खेती से हटकर औषधीय फसल अश्वगंधा की खेती का सुझाव दिया लेकिन सबसे बड़ी चुनौती थी खुद की जमीन नहीं होना लेकिन हौसले जमीन के मोहताज नहीं होते। ओम लोधी ने पहल की और 12 एकड़ जमीन ठेके पर लेकर अपने पिता के साथ मिलकर अश्वगंधा की खेती शुरू की। वैज्ञानिक तरीके से खेती की योजना बनाई गई कम

लागत में अधिक उत्पादन का लक्ष्य रखा गया, बाजार को समझते हुए सीधे बल्क बायर से जुड़ने की रणनीति बनाई गई और इसके बाद जो हुआ, वो कहानी बन गई। अब रोड़े जैसे बड़ कड़ नहीं बल्कि बीजए पत्ती और तना हर हिस्से से आय का स्रोत बनाया गया।

प्रति एकड़ लागत लगभग 16,500, उत्पादन 4.6 क्विंटल सूखी जड़, बिक्री दर 350-450 प्रति किलो, प्रति एकड़ कुल आय 2.3 लाख से अधिक, शुद्ध लाभ 2 लाख प्रति एकड़ और यह सिर्फ जड़ से नहीं बल्कि बीज, पत्ती और तना बेचकर भी अतिरिक्त आय हुई। जो किसान कभी पारंपरिक खेती में सीमित आय से जूझ रहा था, आज वही किसान लाखों रुपये प्रति एकड़ कमाने लगा है। बिना खुद की जमीन केए सिर्फ हिम्मतए सोच और सही मार्गदर्शन से अरविंद सिंह लोधी ने अपनी किस्मत खुद लिख दी। यह सिर्फ एक किसान की कहानी नहीं है यह दमोह जिले में एक नई कृषि क्रांति की शुरुआत है। अगर एक किसान ठेके की जमीन पर यह कर सकता है तो अपने खेत वाले किसान इससे कहीं ज्यादा कर सकते हैं।

कलश यात्रा का हुआ आगमन

दमोह (स्वतंत्र मत)।

संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज जी की 650वीं जयंती और समरसता संकल्प अभियान के उपलक्ष्य में जिले भर में विभिन्न धार्मिक एवं सामाजिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इन आयोजनों में पावन कलश पूजन, कलश वंदन यात्राएं और सामाजिक सद्भाव पर केंद्रित कार्यशालाएं शामिल हैं। इस तारतम्य में कलश यात्रा हिंडोरिया नगर आगमन हुआ जिसमें कलश यात्रा को नगर में भ्रमण के बाद क्षेत्रीय संत रविदास मंदिर हिंडोरिया कलश रखकर रात्रि विश्राम करने के बाद सुबह पटेरा के विभिन्न क्षेत्रों के लिये प्रस्थान करेगी। कार्यक्रम नगरवासियों के साथ शासकीय कर्मचारियों, स्थानीय कार्यकर्ताओं की गरिमामय उपस्थिति रही है।

जिले को लगातार चौथी बार मिला ए ग्रेड

दमोह (स्वतंत्र मत)।

जिले को लगातार चौथी बार सीएम हेल्पलाईन की मासिक ग्रेडिंग में ए ग्रेड प्राप्त हुआ। कलेक्टर प्रताप नारायण यादव ने सभी अधिकारियों-कर्मचारियों को उत्कृष्ट कार्य करने के लिए बधाई देते हुए कहा है। इसी तरह सभी अधिकारी-कर्मचारी कार्यों का संपादन करें और सीएम हेल्पलाईन प्रकरणों का तत्परता से निराकरण सुनिश्चित करें। कलेक्टर श्री यादव ने कहा यह उपलब्धि सभी विभागों, अधिकारियों-कर्मचारियों की टीम भावना, समर्पण और सतत् प्रयास का परिणाम है, उन्होंने अधिकारियों-कर्मचारियों से इसी तरह जनसेवा में उत्कृष्टता बनाए रखी जायें।

कार्यालय नगर पालिक निगम, जबलपुर (म.प्र.)

N.I.T. NO/PWD/08/PRO NO 510 — **तृतीय निविदा सूचना** — Dated 22/8/2026

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑनलाईन निविदाये आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाईट https://mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्र.	टेण्डर क्रमांक जारी दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की समयावधि एवं लागत	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं ईएमडी	निविदा की अंतिम तिथि
1	T.ID 2026_UAD_ 531188_1 Date 27/8/2026	शीतलामाई वार्ड अंतर्गत नगर निगम कन्या उ.मा. शाला घमापुर में छात्राओं एवं स्टाफ के लिए नवीन शौचालय का निर्माण एवं पुराने शौचालय का मरम्मत कार्य।	4 माह 4.17 लाख	2,000/- 4176/-	7/9/2026
2	T.ID 2026_UAD_ 531188_2 Date 27/8/2026	शीतलामाई वार्ड अंतर्गत उ.मा. शाला घमापुर में भवन का मरम्मत कार्य एवं पुताई कार्य।	4 माह 8.43 लाख	2,000/- 8429/-	7/9/2026

नोट-निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन https://mptenders gov.in की वेबसाइट पर ही किया जायेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जायेगा।

संभागीय यंत्री (लोककर्म)/कार्यपालन यंत्री (लोककर्म)
नगर निगम, जबलपुर

▶▶ तिलवारा थाना क्षेत्र में भीषण सड़क हादसा

डिवाइडर से टकराई बाइक, युवक की मौत

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। तिलवारा थाना क्षेत्र में बाइक अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। हादसे में 20 वर्षीय युवक की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार दलपतपुर भेड़ाघाट निवासी 20 वर्षीय आर्यन मल्लाह 21 अगस्त की दोपहर अपनी बाइक से तिलवारा घाट जाने के लिए निकला था। जोधपुर पड़ाव के पास चरगवां रोड पर उसकी बाइक डिवाइडर से टकरा गई। उपचार के लिए मेडिकल कॉलेज ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

▶▶ गोसलपुर गौशाला का निरीक्षण कर की सराहना

कलेक्टर ने देखी गौशाला की व्यवस्थाएं

सिहोरा (स्वतंत्र मत)। कलेक्टर राघवेंद्र सिंह, पुलिस कप्तान सम्पत उपाध्याय एवं क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में गोसलपुर स्थित गौशाला का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण में गौवंशों की व्यवस्थाओं का अवलोकन कर गौशाला की साफ सफाई गायों की उचित देखभाल का अवलोकन कर गौशाला प्रबंधन की सराहना की एवं यथायोग्य सहयोग करने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर गौशाला के संरक्षक अंकुर जैन, पूर्व अध्यक्ष अरुण जैन, कार्यकारी अध्यक्ष अनिल जैन आदि उपस्थित रहे।

स्मैश, सर्व और जीत का जुनून, बैडमिंटन से हितकारिणी महोत्सव का शुभारंभ

गोविंदगंज, बीएमडी दीक्षितपुरा, नर्सिंग और डेंटल कॉलेज की टीमों ने मारी बाजी

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

हितकारिणी सभा विद्या परिषद द्वारा आयोजित हितकारिणी महोत्सव का भव्य शुभारंभ रानीताल स्टेडियम स्थित बैडमिंटन कोर्ट में विद्यालय एवं महाविद्यालय स्तरीय बैडमिंटन प्रतियोगिता के साथ हुआ। प्रतियोगिता में हितकारिणी सभा के विभिन्न विद्यालयों एवं महाविद्यालयों के खिलाड़ियों ने तेज बारिश के बावजूद उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए शानदार खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कोर्ट पर खिलाड़ियों के बीच जीत के लिए रोमांचक मुकाबले देखने को मिले।

खिलाड़ियों ने किया शानदार प्रदर्शन

प्रतियोगिता का शुभारंभ मुख्य अतिथि शानू यादव, संयोजक, जबलपुर कबड्डी संघ एवं कन्वीनर, मध्य प्रदेश रेफरी बोर्ड तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्या परिषद के सचिव एड. जयेश सिंह राठौर ने किया। प्रतियोगिता प्रारंभ होने से पहले अतिथियों ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया और उनका उत्साहवर्धन किया। इसके बाद विद्यालय और महाविद्यालय स्तर के मुकाबले आयोजित किए गए।

महाविद्यालय स्तर पर भी दिखा रोमांच

महाविद्यालय स्तर पर महिला वर्ग में हितकारिणी नर्सिंग कॉलेज की टीम विजेता रही और हितकारिणी डेंटल कॉलेज की टीम उपविजेता बनी। पुरुष वर्ग में हितकारिणी डेंटल कॉलेज ने विजेता का खिताब हासिल किया, जबकि हितकारिणी लॉ कॉलेज की टीम उपविजेता रही।

विद्यालय स्तर पर इन टीमों ने मारी बाजी

विद्यालय स्तर पर बालक एवं बालिका वर्ग में खिलाड़ियों ने पूरे जोश और अनुशासन के साथ मुकाबले खेले। बालिका वर्ग में बाबू मनमोहनदास कन्या उच्चतर माध्यमिक शाला दीक्षितपुरा की टीम ने विजेता का खिताब अपने नाम किया, जबकि आदर्श हितकारिणी उच्चतर माध्यमिक शाला, गोविंदगंज की टीम उपविजेता रही। वहीं बालक वर्ग में हितकारिणी गोविंदगंज की टीम विजेता बनी, जबकि हितकारिणी उच्चतर माध्यमिक शाला देवताल की टीम उपविजेता रही। मुकाबलों के दौरान खिलाड़ियों ने शानदार तकनीक, गति और खेल भावना का प्रदर्शन किया।

निर्णायकों और आयोजन टीम का योगदान

प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका अभिषेक चौरसिया एवं प्रियंका नागर ने निभाई। आयोजन को व्यवस्थित और सफल बनाने में खेल अधिकारी दिनेश सिंह ठाकुर, विद्या परिषद के संयोजक राजीव श्रीवास्तव, शेखर खंपरिया, प्राचार्य ज्योत्सना दीक्षित, आदिल खान, सचिन पेंडके, सारिका मिश्रा, राजेश सेन, श्रीकांत सहित अन्य स्टाफ सदस्यों का विशेष सहयोग रहा।

खेल प्रतिभाओं को मिलेगा मंच

हितकारिणी सभा विद्या परिषद के सचिव एडवोकेट जयेश सिंह राठौर ने बताया कि हितकारिणी महोत्सव के माध्यम से छात्र छात्राओं और महाविद्यालयीन युवाओं को अपनी खेल प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर मिलेगा। आयोजन का उद्देश्य खेल भावना, अनुशासन, टीमवर्क और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देना है। बैडमिंटन प्रतियोगिता के सफल आयोजन के साथ शुरू हुआ यह महोत्सव आगामी दिनों में विभिन्न खेल एवं सांस्कृतिक गतिविधियों के माध्यम से प्रतिभाओं को मंच प्रदान करेगा।

ईडब्ल्यूएस आरक्षण का रास्ता साफ, मप्र में बढ़ेगी निजी मेडिकल कॉलेजों में सीटें

मप्र हाईकोर्ट ने केन्द्र सरकार को बनाया पक्षकार, 2 सप्ताह में जवाब प्रस्तुत करने के निर्देश

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

निजी मेडिकल कॉलेजों में आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) के विद्यार्थियों को आरक्षण का लाभ दिलाने की कवायद अब केंद्र सरकार तक पहुंच गई है। मप्र हाईकोर्ट की युगलपीठ ने इस मुद्दे से जुड़े पुराने मामले में केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय को पक्षकार बनाने की अनुमति देते हुए केंद्र से जवाब मांगा है। वहीं इसी मुद्दे पर दायर नई याचिका में हाईकोर्ट ने राज्य शासन और राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) को नोटिस जारी किए हैं। दोनों मामलों में अधिवक्ता मनोज चतुर्वेदी याचिकाकर्ताओं की ओर से पैरवी कर रहे हैं। जानकारी के अनुसार रिट याचिका अथर्व चतुर्वेदी विरुद्ध मप्र शासन एवं अन्य में सुनवाई में याचिकाकर्ता की ओर से केंद्र सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय को पक्षकार बनाने का अनुरोध किया गया। युगलपीठ ने मौखिक आवेदन स्वीकार करते हुए केंद्र सरकार को पक्षकार बनाने की अनुमति दे दी।

केंद्र का पक्ष रिकॉर्ड पर लेने की मांग

इस मामले में याचिकाकर्ता ने निजी मेडिकल कॉलेजों में ईडब्ल्यूएस अभ्यर्थियों को समायोजित करने के लिए सामान्य वर्ग की सीटों की संख्या बढ़ाने के मुद्दे पर केंद्र का पक्ष रिकॉर्ड पर लेने की मांग की थी। मप्र हाईकोर्ट ने डिप्टी सॉलिसिटर जनरल सुयश मोहन गुरु को केंद्र की ओर से नोटिस स्वीकार करने और 2 सप्ताह में जवाब प्रस्तुत करने को कहा है। मामले की अगली सुनवाई 11 सितंबरको होगी। इसी मुद्दे पर रिट याचिका कुमारी दरक्षा अंजुम सहित अन्य विरुद्ध मप्र शासन एवं अन्य में ईडब्ल्यूएस वर्ग के अभ्यर्थियों ने निजी मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश की मांग की है। प्रशासनिक न्यायाधीश आनंद पाठक व न्यायमूर्ति बीपी शर्मा की युगलपीठ ने राज्य शासन और राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग को नोटिस जारी किए। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि प्रवेश प्रक्रिया याचिका के अंतिम परिणाम के अधीन रहेगी।

जवाब पर तय होगी आगे की दिशा

याचिकाकर्ताओं ने 17 दिसंबर 2024 के इसी पुराने मामले में मप्र हाईकोर्ट द्वारा राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग को निजी मेडिकल कॉलेजों में ईडब्ल्यूएस आरक्षण लागू करने के लिए एक वर्ष के भीतर सीटें बढ़ाने संबंधी निर्देश का हवाला दिया है। अब केंद्र को पक्षकार बनाए जाने के बाद उसके जवाब पर मामले की आगे की दिशा निर्भर करेगी। निजी मेडिकल कॉलेजों में ईडब्ल्यूएस आरक्षण लागू करने और सीटें बढ़ाकर ईडब्ल्यूएस अभ्यर्थियों को समायोजित करने के मुद्दे पर मप्र हाईकोर्ट की सुनवाई अब महत्वपूर्ण मोड़ पर पहुंच गई है।

बिजली के तार की चपेट में आने से युवक की मौत

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। मझौली थाना क्षेत्र में घर की छत पर मरम्मत का काम करते समय बिजली के तार की चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार बुड़ई उमरिया निवासी 26 वर्षीय पप्पू कोल ने बताया कि 21 अगस्त की शाम करीब 5 बजे उसके चाचा 36 वर्षीय लालू प्रसाद कोल घर के बारजे में लगी सीमेंट शीट की मरम्मत कर रहे थे। इसी दौरान पास से गुजर रहे बिजली के तार में कट लगा होने के कारण वे करंट की चपेट में आ गए। परिजनों और पड़ोसियों ने डंडे की मदद से बिजली का तार अलग किया और लालू प्रसाद को उपचार के लिए शासकीय अस्पताल मझौली ले जाया गया। डॉक्टर ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

छात्र ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। बरगी थाना क्षेत्र के गायत्री नगर में 12वीं कक्षा के 18 वर्षीय छात्र ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार 18 वर्षीय जुनैद हुसैन के पिता जाकिर हुसैन ने बताया कि उनका बेटा कुछ दिनों से पिकअप वाहन खरीदने की मांग कर रहा था। पिता ने पढ़ाई पूरी करने के बाद वाहन खरीदने की बात कही थी। इसी बात को लेकर वह नाराज चल रहा था। 20 अगस्त की रात पिता ने बेटे के कमरे में जाकर देखा तो वह फांसी पर लटका हुआ था। परिजन उसे बरगी अस्पताल ले गए, जहां से मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया। डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

रिजेक्टेड चावल दबाकर रखा था एलएंडडी राइस मिल, 290 क्विंटल जब्त

राजस्व विभाग एवं नागरिक आपूर्ति निगम के अधिकारियों ने मारी दबिश

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। राजस्व विभाग एवं नागरिक आपूर्ति निगम के अधिकारियों ने भेड़ाघाट रोड स्थित एलएंडडी फूड्स राइस मिल का आकस्मिक निरीक्षण कर अनाधिकृत तौर पर 580 बोरियों में रखा 290 क्विंटल चावल जब्त किया है। जब्त की गई चावल की ये बोरियां एक अन्य मिलर त्रिमूर्ति ट्रेडर्स की थी और इसे नागरिक आपूर्ति निगम द्वारा आवंटित किये गये धान से बनाया गया था। एलएंडडी फूड्स राइस मिल के आकस्मिक निरीक्षण की यह कार्यवाही नागरिक आपूर्ति निगम की क्षेत्रीय प्रबंधक के निर्देश पर शुक्रवार को की गई। कार्यवाही में शामिल नागरिक आपूर्ति निगम के कनिष्ठ सहायक दुष्यन्त मांझी ने बताया कि धान से चावल बनाने के बाद त्रिमूर्ति ट्रेडर्स को इसे भारतीय खाद्य निगम को दिया जाना था। लेकिन

भारतीय खाद्य निगम द्वारा अत्यधिक नमी होने की वजह से इसे रिजेक्ट कर दिया गया। नागरिक आपूर्ति निगम के कनिष्ठ सहायक ने बताया कि चावल रिजेक्ट हो जाने के बाद त्रिमूर्ति ट्रेडर्स को उसे अपने गोदाम में ही वापस रखना चाहिये था। लेकिन उसे नागरिक आपूर्ति निगम की बिना अनुमति और पूर्व सूचना के एल एंड डी फूड्स राइस मिल में रख दिया गया। उन्होंने बताया कि चावल को जब्त करने की कार्यवाही के दौरान एलएंडडी फूड्स राइस मिल के संचालक रोहित जैन तथा त्रिमूर्ति ट्रेडर्स की संचालक संगीता जैन की ओर से उनके पति कमल जैन भी मौजूद रहे। जब्त किये गये चावल को आगामी कार्यवाही तक एल एंड डी फूड्स राइस मिल के संचालक की सुपुर्दगी में दे दिया गया है और परीक्षण हेतु इसके नमूने भी लिये गये हैं। आकस्मिक निरीक्षण की कार्यवाही में तहसीलदार शहपुरा राजीव मिश्रा, नायब तहसीलदार विकास चंद जैन, कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी नीलम उपाध्याय भी शामिल रहे।

बाइक समेत नाले में बहा युवक, पेड़ पकड़कर बचाई जान

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

सिहोरा के मझगवां थाना क्षेत्र में एक युवक बाइक समेत नाले के तेज बहाव में बह गया। गनीमत रही कि युवक की सतर्कता के चलते उसकी जान बच गई। जानकारी के मुताबिक 45 वर्षीय डेलन मरावी

देर रात बाइक से डेलन बिजैयां से घर लौट रहे थे। अंधेरे में टूटा रास्ता दिखाई नहीं दिया और वे बाइक समेत नाले में गिर गए। करीब 100 मीटर बहने के बाद उन्होंने एक पेड़ पकड़ लिया और किसी तरह बाहर निकले।

वे घर पहुंचे और परिजनों को घटना बताई। अगले दिन ग्रामीणों ने नाले से बाइक बाहर निकाली। ग्रामीणों के अनुसार पुलिया करीब एक साल से जर्जर है और सड़क भी टूटी हुई है। लोगों ने जल्द से जल्द पुलिया और सड़क की मरम्मत कराने की मांग की है।

120 किमी/घंटा की स्पीड से ट्रेन चलाकर जांचा गया नया रेलवे ट्रैक

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। भोपाल-रामगंजमंडी नई रेल लाइन परियोजना के अंतर्गत व्यावरा राजगढ़-सोनकच्छ (24.50 किमी) नवनिर्मित रेलखंड का 21 अगस्त को रेल संरक्षा आयुक्त, मध्य वृत्त गुरू प्रकाश ने निरीक्षण एवं संरक्षा परीक्षण किया। निरीक्षण के उपरांत इस रेलखंड पर 120 किमी/घंटा की अधिकतम गति से सफल स्पीड ट्रायल संपन्न किया गया। निरीक्षण के दौरान ट्रैक, पुल-पुलिया, समपार फाटक, सिग्नल एवं दूरसंचार प्रणाली सहित प्रमुख रेल अवसंरचनाओं का परीक्षण

किया गया। इस रेलखंड में एक पीपलहेड़ा हॉल्ट स्टेशन, 4 प्रमुख पुल एवं 53 लघु पुल निर्मित किए गए हैं। भोपाल-रामगंजमंडी नई रेल लाइन परियोजना की कुल लंबाई 276 किमी है तथा इसमें 27 स्टेशन प्रस्तावित हैं। परियोजना पूर्ण होने पर भोपाल, सीहोर, राजगढ़, झालावाड़ एवं कोटा जिलों को बेहतर रेल संपर्क मिलेगा। नई रेल लाइन से यात्रा समय में करीब 3 घंटे की कमी आएगी। महाप्रबंधक, पश्चिम मध्य रेलवे द्वारा की जा रही सतत मॉनिटरिंग एवं नियमित समीक्षा के फलस्वरूप परियोजना कार्य तीव्र गति से प्रगति पर हैं तथा विभिन्न चरणों को निर्धारित समयसीमा में पूर्ण करने की दिशा में प्रभावी कार्यवाही की जा रही है।

चाकू रखने के आरोपी को एक साल की कैद

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। अवैध रूप से बटनदार चाइना चाकू रखने के मामले में न्यायालय ने आरोपी अजयराज को एक वर्ष के सश्रम कारावास और 500 रुपये के अर्थदंड से दंडित किया है। यह फैसला न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी जबलपुर की न्यायालय में सुनाया गया। अभियोजन के अनुसार 19 फरवरी 2024 को माढ़ोताल थाने के उपनिरीक्षक विजय कुमार पुष्कर पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर ग्रीन सिटी रोड, अनुश्री कॉलेज के बाजू, थाना माढ़ोताल निवासी अजयराज को गिरफ्तार किया, उसके पास से एक चाकू बरामद हुआ।

शेयर ट्रेडिंग में मुनाफे का लालच देकर 3.34 लाख की साइबर ठगी

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। शेयर ट्रेडिंग में ज्यादा मुनाफा दिलाने का झांसा देकर एक युवक से साइबर ठगों ने 3 लाख 34 हजार रुपये हड़प लिए। पीड़ित की शिकायत पर गोरखपुर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार मिराचक बिंद, जिला नालंदा बिहार निवासी 28 वर्षीय आशीष रंजन वर्तमान में गुप्तेश्वर स्थित भारतीय जन औषधि केंद्र में रहता है। उसके तीन अलग-अलग बैंकों में खाते हैं। 16 जनवरी को एल्युमीनियम कैपिटल कंपनी के नाम से एक व्हाट्सएप नंबर से उससे संपर्क किया गया और शेयर ट्रेडिंग में अधिक रिटर्न का लालच देकर निवेश करने के लिए राजी किया गया।शुरुआत में उसे लाभ दिखाकर आरोपियों ने विश्वास में लिया। इसके बाद अलग-अलग तारीखों में उसके तीन बैंक खातों से कुल 3 लाख 34 हजार रुपये आरोपियों द्वारा बताए गए खातों में ट्रांसफर करवा लिए गए। बाद में उसे ठगी का पता चला।पीड़ित की रिपोर्ट पर थाना गोरखपुर में धारा 318(4) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर विवेचना में लिया गया है।

विकास के बड़े-बड़े दावों की तस्वीर, 4 दिन की बारिश ने शहर में मचा दी त्राहि-त्राहि

नगर निगम की तैयारियों की खुली पोल, जन जीवन हुआ अस्त-व्यस्त

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

हर साल की तरह इस साल भी नगर निगम की तैयारियों की 4 दिनों की लगातार बारिश ने पोल खोलकर रख दी है। कहीं सड़कें जलमग्न तो कहीं रहवासी इलाकों में घुटनों तक पानी भरा हुआ है। ऐसे में जन जीवन पूरी तरह अस्त व्यस्त हो गया है। कुछ ऐसा ही नजारा नवनिवेश कॉलोनी गंगानगर में देखने को मिला। यहां शासन की लापरवाही के चलते क्षेत्रवासियों पानी भराव के चलते मुसीबतों का सामना करना पड़ रहा है। यहां तक की इलाके के बच्चे

स्कूल तक नहीं जा पा रहे है। स्थानीय लोगों का कहना है कि क्षेत्रीय भाजपा पार्षद को उन्होंने इस बारे में कई बार अवगत कराया, मगर ना तो उनके द्वारा निरीक्षण नहीं किया गया, ना ही समस्या का समाधान किया गया।

हादसों का शिकार हो रहे वाहन चालक

ऐसा ही कुछ हाल कांचघर मार्ग का है। लगभग 2 किलोमीटर लंबी इस सड़क में सिवाए बड़े-बड़े गढ्डों के अलावा कुछ भी नहीं है। अब ऐसे में बारिश के चलते पूरी सड़क के गड्डे पानी से लबालब हो गए है। जिसके कारण आए दिन वाहन सवार लोग गिर रहे है। **फोटो - अनिल तिवारी**

जलमग्न हुए पिकनिक स्पॉट, सावधानी बरतने की अपील

लगातार दो-तीन दिनों से हो रही बारिश के कारण शहर के कई पिकनिक स्पॉट ओवर फ्लो हो गए है। परियट जलाशय भी लगातार हो रही बारिश के चलते ओवरफ्लो हो गया है। ऐसे में जिला प्रशासन द्वारा पानी से दूर रहने एवं सावधानी बरतने की अपील की है। इसी प्रकार सिहोरा क्षेत्र की नदियों का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। खितौला स्थित हिरण नदी का पुराना पुल शनिवार को डूबने की स्थिति में नजर आया। पुल के आसपास पूरे दिन लोगों की आवाजाही बनी रही, लेकिन सुरक्षा के लिए पुलिसकर्मी तैनात नहीं किए गए। बारिश के साथ नदी में बहकर आ रही लकड़ियों को भी लोग निकालते नजर आए। गांधीग्राम की करदही नदी भी उफान पर है। नदी का पानी बंजारी माता मंदिर की दीवार तक पहुंच गया है। बारिश जारी रही तो मंदिर परिसर में भी पानी घुसने का खतरा है। नदी के ओवरफ्लो होने से बम्होरी, गांधीग्राम बाईपास, कछरा, गोला पुलिया, बंजारी माता, माल्हा, मोहनिया हार और डूंडी क्षेत्र के नदी किनारे के 50 एकड़ से ज्यादा धान के खेत पानी में डूब गए हैं।

हितकारिणी प्रकाशन प्रायवेट लिमिटेड के लिए **प्रकाशक एवं मुद्रक- राम असरानी** द्वारा प्रेस काम्पलेक्स सिविक सेंटर जबलपुर से प्रकाशित एवं हितकारिणी प्रिंटिंग प्रेस, सिविक सेंटर जबलपुर से मुद्रित. **प्रबंध सम्पादक- सुबोध दुबे, सम्पादक- राजेन्द्र मिश्रा,** *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयनार्थ उत्तरदायी। ई-मेल-smatjbp1@ gmail.com, फोन- 0761-2411414, 4032436 समस्त विवाद जबलपुर न्यायालयाधीन. पोस्टल रजि. नं. एसएसपी जबलपुर/13/2026-28, RNI No. 64561/96.